बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन हेतु ऐतिहासिक पहल ...

शेखावाटी मिशन : 100

भूगोल (कक्षा : 12)

पढ़ेगा राजस्थान

बढ़ेगा राजस्थान

कार्यालय : संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा, चूरू संभाग, चूरू (राज.)

अध्याय-1 मानव भूगोल, प्रकृति एवं विषय क्षेत्र

अतिलघुतरात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. निम्नलिखित में कौनसा भौगोलिक सूचना का स्त्रोत नहीं है ?
   (1) यात्रियों का वितरण
   (2) प्राचीन मानचित्र
   (3) चन्द्रमा से चट्टानी पदार्थो के नमूने
   (4) प्राचीन महाकाव्य (3)
2. निम्न में से कौनसा आर्थिक भूगोल का उपक्षेत्र नहीं है ?
   (1) संसाधन भूगोल (2) कृषि भूगोल
   (3) पर्यटन भूगोल (4) सैन्य भूगोल (4)
3. मानव भूगोल के जनक कौन है ?
   (1) ब्लॉश (2) रैटजेल
   (3) एलन सी. सैंपल (4) ग्रिफिथ टेलर (2)
4. मानव भूगोल की कल्याणपरक अथवा मानवतावादी विचारधारा का संबंध है?
   (1) धार्मिक कल्याण (2) क्षेत्रीय कल्याण
   (3) सामाजिक कल्याण (4) निर्धनता कल्याण (3)
5. निम्नलिखित में कौनसा एक लोगों और पर्यावरण के बीच अन्योन्यक्रिया का सर्वाधिक महत्वपूर्ण कारक है ?
   (1) मानव बुद्धिमता (2) प्रौद्योगिकी
   (3) लोगों के अनुभव (4) मानवीय भाईचारा (1)
6. निम्न में से कौनसा मानव भूगोल का उपागम नहीं है ?
   (1) क्षेत्रीय विभिन्नता (2) मात्रात्मक क्रांति
   (3) स्थानिक संगठन (4) अन्वेषण और वर्णन (2)
7. मानव भूगोल में किसके अध्ययन पर बल दिया गया है ?
   (1) प्रकृति (2) मानव
   (3) प्रकृति और मानव (4) उपरोक्त में से कोई नहीं (3)
8. निम्न में से कौनसा एक मानव भूगोल का उपागम नहीं है ?
   (1) क्षेत्रीय विभिन्नता (2) मात्रात्मक क्रांति
   (3) स्थानिक संगठन (4) अन्वेषण और वर्णन (2)
9. एतिहासिक भूगोल किस मानव भूगोल के क्षेत्र का उपक्षेत्र है?
   (1) रासायनिक भूगोल (2) सामाजिक भूगोल
   (3) जनसंख्या भूगोल (4) आर्थिक भूगोल (2)
10. 1970 के दशक में किस विचारधारा का उदय नहीं है ?
    (1) मानवतावादी (2) आमूलवादी
    (3) आधुनिकवाद (4) व्यवहारवाद (3)

लघुतरात्मक प्रश्न

11. मानव ने प्रकृति के आदेशों के अनुसार अपने आप को ढाल लिया है इस प्रकार आदिम मानव समाज और प्रकृति की प्रबल शक्तियों के बीच अनोन्य क्रिया को ..... कहा गया

उत्तर- पर्यावरणीय निश्चयवाद

12. भूगोल में उत्तर आधुनिकवाद का उदय ..... दशक में हुआ ?

उत्तर- 1990

13. राजनीतिक भूगोल के ..... व ..... उप क्षेत्र है।

उत्तर- निर्वाचन भूगोल, सैन्य भूगोल

14. आमूलवादी विचारधारा ने निर्धनता के कारण बंधन और सामाजिक असमानता की व्याख्या के लिए ..... के सिद्धांत का उपयोग किया ?

उत्तर- मार्क्स

15. रेटजेल के अनुसार मानव भूगोल की परिभाषा दीजिए ?

उत्तर- मानव भूगोल मानव समाजों और धरातल के बीच संबंधों का संश्लेषित अध्ययन है।

16. एलन सी सेंपल के अनुसार मानव भूगोल की परिभाषा दीजिए -

उत्तर- मानव भूगोलअस्थिर पृथ्वी और क्रियाशील मानव के बीच परिवर्तनशील संबंधों का अध्ययन है।

17. पर्यावरणीय निश्चयवाद किसे कहा गया है ?

उत्तर- आरम्भिक अवस्थाओं में मानव प्राकृतिक पर्यावरण से प्रभावित होकर प्रकृति के आदेशों अनुसार अपने आप को ढाल लिया इसी आदिम समाज और प्रकृति की प्रबल शक्तियों के बीच अनोन्य क्रिया को पर्यावरणीय निश्चयवाद कहा गया है।

18. संभववाद क्या है इसके जनक कौन है ?

उत्तर- मानव सामाजिक और सांस्कृतिक विकास के साथ अधिक सक्षम प्रौद्योगिकी का विकास करते है, इससे प्रकृति अवसर प्रदान करती है और मानव इसका उपयोग करता है तथा धीरे-धीरे प्रकृति का मानवीकरण हो जाता है इस ही संभववाद नाम दिया गया है-
संभववाद के जनक पॉल विडाल-डी-ला-ब्लांश है।

19. नवनिश्चयवाद क्या है? यह संकल्पना किससे प्रस्तुत की ?

उत्तर- इसके अनुसार न पर्यावरणीय निश्चयवाद की दशा है न ही संभववाद की दशा है इसका अर्थ है प्राकृतिक नियमों का पालन करके हम प्रकृति पर विजय प्राप्त कर सकते है। यह संकल्पना ग्रिफिथ टेलर ने दी थी

20. सामाजिक भूगोल के तीन उपक्षेत्रों के नाम बताइये ?

उत्तर- 1. व्यवहारवादी भूगोल
2. सामाजिक कल्याण का भूगोल
3. सांस्कृतिक भूगोल

21. आर्थिक भूगोल के तीन उपक्षेत्रों के नाम बताइये ?

उत्तर- 1. संसाधन भूगोल
2. कृषि भूगोल
3. पर्यटन भूगोल

शेखावाटी मिशन-100

अध्याय-2 विश्व जनसंख्या वितरण, घनत्व और वृद्धि

1. एशिया में बहुत अधिक स्थानों पर कम लोग और कम स्थानों पर बहुत अधिक लोग रहते है, यह टिप्पणी किसने की-
(1) रेटजेल (2) माल्सस
(3) जार्ज बी. क्रेसी (4) ग्रिफिथ टेलर (3)

2. निम्नलिखित में किस महाद्वीप में जनसंख्या वृद्धि सर्वाधिक है ?
(1) अफ्रीका (2) एशिया
(3) दक्षिण अमेरिका (4) उत्तर अमेरिका (1)

3. निम्नलिखित में कौनसा विरल जनसंख्या वाला क्षेत्र नहीं है ?
(1) अटाकामा (2) भूमध्यरेखीय प्रदेश
(3) दक्षिण पूर्वी एशिया (4) ध्रुवीय प्रदेश (3)

4. उद्योगों की उपस्थिति के कारण विश्व का कौनसा प्रदेश सघन है-
(1) कटंगा (2) जांबिया
(3) जापान का कोबे ओसाका (4) भूध्यरेखीय प्रदेश (3)

5. विश्व की 90 प्रतिशत जनसंख्या कितने प्रतिशत स्थल भाग पर निवास करती है ?
(1) 25 प्रतिशत (2) 60 प्रतिशत
(3) 90 प्रतिशत (4) 10 प्रतिशत (4)

6. विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाला देश है ?
(1) सिंगापुर (2) भारत
(3) चीन (4) रूस (1)

7. प्रवास को प्रभावित करने वाला प्रतिकर्ष कारक है-
(1) प्राकृतिक विपदाएँ (2) प्रतिकूल जलवायु
(3) बेरोजगारी (4) उपरोक्त सभी (4)

8. प्रवास को प्रभावित करने वाला अपकर्ष कारक है-
(1) काम के बेहतर अवसर (2) रहन सहन की अच्छी दशाएं
(3) जीवन व संपति की सुरक्षा (4) उपरोक्त सभी (4)

9. जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाला आर्थिक कारक है ?
(1) खनिज (2) नगरीकरण
(3) औद्योगीकरण (4) उपरोक्त सभी (4)

10. एशिया महाद्वीप में विश्व की कितनी प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है-
(1) 90 (2) 10
(3) 60 (4) 17 (3)

11. विश्व में सबसे कम जनसंख्या घनत्व वाला महाद्वीप है ?
(1) एशिया (2) अफ्रीका
(3) लैटिन अमेरिका (4) ओशिनिया (4)

12. निम्नलिखित में किस महाद्वीप में जनसंख्या वृद्धि सर्वाधिक है ?
(1) अफ्रीका (2) एशिया
(3) दक्षिण अमेरिका (4) उतरी अमेरिका (1)

13. निम्नलिखित में कौनसा प्रतिकर्ष कारक नहीं है ?
(1) जलाभाव (2) बेरोजगारी
(3) चिकित्सा/शैक्षणिक सुविधाएं (4) महामारियाँ (3)

14. विश्व जनसंख्या को 5 अरब से 6 अरब होने में कितना समय लगा ?
(1) 150 वर्ष (2) 47 वर्ष
(3) 7 वर्ष (4) 12 वर्ष (4)

15. विश्व की 90 प्रतिशत जनसंख्या कितने प्रतिशत स्थलभाग पर निवास करती है?
(1) 10 प्रतिशत (2) 25 प्रतिशत
(3) 40 प्रतिशत (4) 60 प्रतिशत (1)

रिक्त स्थानों की पूर्ती कीजिए-

16. भारत की वार्षिक जनसंख्या वृद्धि दर ..... प्रतिशत है-
उत्तर- 1.64 प्रतिशत

17. जनांकिकीय संक्रमण की ..... में उच्च प्रजननशीलता व उच्च मर्त्यता होती है।
उत्तर- प्रथम अवस्था

18. जनसंख्या वृद्धि को ..... में व्यक्त किया जाता है-
उत्तर- प्रतिशत

19. विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश ..... है-
उत्तर- चीन

20. जनसंख्या परिवर्तन धनात्मक एवं ..... होता है।
उत्तर- ऋणात्मक

21. एशिया का जनसंख्या घनत्व ..... है।
उत्तर- 146

22. प्रवासी जो एक स्थान से बाहर चले जाते है ..... कहलाते है-
उत्तर- उत्प्रवासी

लघुत्तरात्मक प्रश्न-

1. जनसंख्या वितरण प्रारूप क्या है ?
उत्तर- जनसंख्या वितरण का शाब्दिक अर्थ है भूपृष्ठ पर लोग किस प्रकार वितरित है मोटे तौर पर विश्व की जनसंख्या का 90% इसके 10 प्रतिशत स्थलभाग में निवास करता है। विश्व जनसंख्या असमान रूप से वितरित है।

2. जनसंख्या घनत्व को परिभाषित कीजिए एवं जनसंख्या घनत्व का सूत्र लिखिए-
उत्तर- प्रतिवर्ग किलोमीटर में रहने वाल व्यक्तियों की संख्या को जनसंख्या घनत्व कहते है।
जनसंख्या घनत्व = जनसंख्या/क्षेत्रफल

3. जनसंख्या वितरण को जलवायु किस प्रकार प्रभावित करती है ?
उत्तर- अति उष्ण अथवा ठंडे मरूस्थलों की विषम जलवायु मानव बसाव के लिए असुविधाजनक होती है सुविधाजनक जलवायु वाले क्षेत्र जिनमें अधिक मौसमी जनसंख्या पाई जाती है भूमध्यसागरीय प्रदेश सुखद जलवायु के कारण इतिहास के आरंभिक कालों से बसे हुए है।

4. औद्योगीकरण जनसंख्या वितरण को कैसे प्रभावित करता है ?
उत्तर- औद्योगिक पेटियाँ रोजगार के अवसर उपलब्ध कराती है इसमें कारखानों के श्रमिक ही नहीं बल्कि परिवहन परिचालक, दुकानदार, बैककर्मी, डॉक्टर, अध्यापक तथा अन्य सेवाएं उपलब्ध कराने वाले भी होते है जापान का कोबे ओसाका प्रदेश अनेक उद्योगों की उपस्थिति के कारण सघन बसा हुआ है।

5. जनसंख्या वृद्धि से आप क्या समझते है ?
उत्तर- जनसंख्या वृद्धि अथवा जनसंख्या परिवर्तन का अभिप्राय किसी क्षेत्र में समय की निश्चित अवधि के दौरान बसे हुए लोगों की संख्या में परिवर्तन से है यह परिवर्तन धनात्मक भी हो सकता है और ऋणात्मक भी, इसे निरपेक्ष संख्या अथवा प्रतिशत के रूप में अभिव्यक्त किया जा सकता है।

शेखावाटी मिशन-100

6. प्रवास किसे कहते है इसके प्रतिकर्ष व अपकर्ष कारक बताइये ?

उत्तर- जब लोग एक स्थान से दूसरे स्थान पर आवागमन करते है इसे प्रवास कहते है।

प्रवास के प्रतिकर्ष कारक- बेराजगारी, रहन-सहन की निम्न दशाएँ, राजनीतिक उपद्रव, प्रतिकूल जलवायु विपदाएँ, महामारियां।

अपकर्ष कारकः- काम के बेहतर अवसर, रहन-सहन की अच्छी दशाएँ, शांति व स्थायित्व, जीवन व संपति की सुरक्षा तथा अनुकूल जलवायु।

7. जनांकिकीय संक्रमण सिद्धांत क्या है ?

उत्तर- यह सिद्धांत ग्रामीण समाज, खेतिहर और अशिक्षित अवस्था से उन्नति करके नगरीय, औद्योगिक और साक्षर बनता है तो किसी प्रदेश की जनसंख्या उच्च जन्म दर और उच्च मृत्यु से निम्न जन्म और निम्न मृत्यु दर में परिवर्तित होती है।

8. जनसंख्या नियंत्रण के कोई चार उपाय लिखिए?

उत्तर- 1. परिवार नियोजन - इसमें बच्चों के जन्म को रोकना व अन्तराल रखना।

2. महिलाओं के स्वास्थ्य का बेहतर रख रखाव

3. गर्भ निरोधक की सुगम उपलब्धता

4. जनसंख्या वृद्धि के प्रभावों का जन-जागरूकता फैलाना।

अध्याय-3 जनसंख्या संघटन

वस्तुनिष्ठ एवं अतिलघुतरात्मक प्रश्न

1. संयुक्त अरब अमीरात के लिंग अनुपात निम्न होने का कारण है ?

(1) पुरूष कार्यशील जनसंख्या का चयनित प्रवास

(2) पुरूषों की उच्च जन्म दर

(3) स्त्रियों की निम्न जन्म दर

(4) स्त्रियों का उच्च उत्प्रवास (1)

2. निम्नलिखित में से कौनसी संख्या जनसंख्या के कार्यशील आयु वर्ग का प्रतिनिधित्व करती है ?

(1) 15 से 65 वर्ष (2) 15 से 66 वर्ष

(3) 15 से 64 वर्ष (4) 15 से 59 वर्ष (4)

3. निम्नलिखित में किस देश का लिंग अनुपात विश्व में सर्वाधिक है ?

(1) लैटविया (2) जापान

(3) संयुक्त अरब अमीरात (4) फ्रांस (1)

4. विश्व की जनसंख्या का औसत लिंगानुपात प्रति 100 स्त्रियों पर पुरूषों की संख्या है ?

(1) 90 (2) 110

(3) 102 (4) 85 (3)

5. युरोप के अनेक देशों में स्त्रियों की बेहतर स्थिति का कारण है ?

(1) स्त्रियों की उच्च जन्म दर (2) पुरूषों की निम्न जन्म दर

(3) पुरूषों का उत्प्रवास (4) स्त्रियों का अप्रवास (3)

6. नाइजीरिया का आयु लिंग पिरामिड का आकार कैसा है ?

(1) आयताकार (2) त्रिभुजाकार

(3) घंटी के आकार का (4) शुंडाकार शीर्ष (2)

7. ग्रामीण व नगरीय जनसंख्या में विभाजन का आधार है ?

(1) आयु-लिंग संघटन (2) व्यवसायिक संरचना

(3) जनसंख्या का घनत्व (4) उपर्युक्त सभी (4)

8. संयुक्त राष्ट्र संघ में सुचीबद्ध देशों में कितने देशों का लिंग अनुपात स्त्रियों के लिए अनुकूल है ?

(1) 72 (2) 139

(3) 148 (4) 68 (2)

9. जनसंख्या पिरामिड प्रत्येक आयुवर्ग में बायां भाग ..... का प्रतिशत तथा दायां भाग ..... का प्रतिशत दर्शाता है ?

उत्तर- पुरूषा, स्त्रियों

10. आस्ट्रेलिया का आयु लिंग पिरामिड ..... आकार का है ?

उत्तर- घंटी के

11. किसी देश में साक्षर जनसंख्या का अनुपात उसके ..... विकास का सूचक होता है ।

उत्तर- सामाजिक-आर्थिक

12. न्यूजीलैण्ड का ग्रामीण-नगरीय लिंग संघटन ..... , ... है?

उत्तर- 1051, 955

13. जापान का आयुलिंग पिरामिड ..... दर्शाता है ?

उत्तर- ह्रासमान जनसंख्या

14. लिंग अनुपात कैसे ज्ञात किया जाता है ? सूत्र लिखिए

उत्तर- विदेशों में = $\frac{\text{पुरूष जनसंख्या}}{\text{स्त्री जनसंख्या}} \times 1000$

भारत में - $\frac{\text{स्त्रियों की जनसंख्या}}{\text{पुरूषों की जनसंख्या}} \times 1000$

15. एशिया के दो देशों का नाम बताइये जहां लिंगानुपात निम्न है ?

उत्तर- 1. चीन 2. भारत

16. भारत में साक्षरता दर से अभिप्राय है ?

उत्तर- भारत में साक्षरता दर 7 वर्ष से अधिक आयु वाले जनसंख्या प्रतिशत से जो पढ़ लिख सकता है समझ के साथ अंकगणितीय परिकलन कर सकता है।

17. कनाडा का ग्रामीण-नगरीय लिंग अनुपात कितना है ?

उत्तर- ग्रामीण लिंगानुपात-1069 एवं नगरीय लिंगानुपात-968

18. किसी देश में लिंग-अनुपात प्रतिकूल होने के क्या कारण है ?

उत्तर- 1. स्त्री भ्रूण हत्या 2. स्त्री-शिशु हत्या

3. घरेलु हिंसा

4. स्त्रियों की सामाजिक आर्थिक स्तर का निम्न होना।

19. किसी देश में लिंग-अनुपात अनुकूल होने के क्या कारण है ?

उत्तर- 1. स्त्री-शिक्षा 2. रोजगार के अवसर

3. स्त्री-पुरूष भेदभाव नहीं होना

4. स्त्रियों का सामाजिक आर्थिक स्तर उच्च होना

20. आयु संरचना विभिन्न आयु वर्ग में लोगों की संख्या को कैसे प्रदर्शित करता है ?

उत्तर- 1. 0-14 आयु वर्ग- अर्जित जनसंख्या बच्चों को शामिल किया जाता है।

2. 15-59 आयु वर्ग - यह जनसंख्या का बड़ा आकार विशाल कार्यशील एवं युवा जनसंख्या को इंगित करता है।

3. 60 वर्ष से अधिक - यह वृद्ध जनसंख्या को प्रदर्शित करता है।

शेखावाटी मिशन-100

21. यूरोप, कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका में नगरीय क्षेत्रों में महिलाओं की अधिकता का क्या कारण है ?

उत्तर- इन देशों में महिलाएं रोजगार के अवसरों की अधिकता के कारण नगरीय क्षेत्रों में आगमन के कारण महिलाओं की अधिकता है।

22. ग्रामीण व नगरीय जनसंख्या में अंतर का मापदण्ड क्या है ?

उत्तर- ग्रामीण क्षेत्रों में लोग प्राथमिक क्रियाओं में संलग्न हाते है जबकि नगरीय जनसंख्या अधिकांश गैर प्राथमिक क्रियाओं में संलग्न होती है।

23. आयु लिंग पिरामिड से क्या अभिप्राय है ?

उत्तर- आयु लिंग पिरामिड एक रेखाचित्र है जो स्त्रियों व पुरूषों की जनसंख्या को आयु-लिंग संरचना दर्शाने के लिए किया जाता है।

24. जनसंख्या के व्यवसायिक संरचना से क्या अभिप्राय है-

उत्तर- कार्यशील जनसंख्या (15-59 आयुवर्ग में स्त्री व पुरूष) विभिन्न व्यवसायों में संलग्न जनसंख्या के अनुपात को व्यवसायिक संरचना कहते है।

अध्याय-04 मानव विकास

1. मानव विकास की अवधारणा निम्नलिखित में से किस विद्वान की देन है ?
(1) प्रो. अमर्त्य सेन (2) डॉ. महबूब उल हक
(3) एलन सी. सेम्पुल (4) रैटजेल (2)

2. मानव विकास की अवधारणा निम्न में किस संकल्पना पर आश्रित है ?
(1) सतत पोषणियता (2) उत्पादकता
(3) सशक्तिकरण (4) उपरोक्त सभी (4)

3. उच्च मानव विकास सूचकांक वाले देशों का सूचकांक स्कोर होता है ?
(1) 0.800 से ऊपर (2) 0.700 से 0.799 के बीच
(3) 0.550 से 0.699 के बीच (4) 0.549 के नीचे (2)

4. निम्न में से किस देश ने सकल राष्ट्रीय प्रसन्नता को देश की प्रगति का अधिकारिक माप घोषित किया है ?
(1) भारत (2) नार्वे
(3) भूटान (4) श्रीलंका (3)

5. अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) ने मानव विकास के किस उपागम का प्रतिपादन किया गया ?
(1) आय उपागम
(2) कल्याण उपागम
(3) आधारभूत आवश्यकता उपागम
(4) क्षमता उपागम (3)

6. प्रो. अमर्त्यसेन का संबंध किस मानव विकास उपागम से है ?
(1) आय उपागम
(2) कल्याण उपागम
(3) आधारभूत आवश्यकता उपागम
(4) क्षमता उपागम (4)

7. सर्वोच्च मानव विकास सूचकांक वाला देश है ?
(1) नार्वे (2) भारत
(3) आयरलैण्ड (4) स्वीडन (1)

8. मध्यम मानव विकास सूचकांक वर्ग में कितने देश है ?
(1) 66 (2) 53
(3) 37 (4) 33 (3)

9. मानव विकास का महत्वपूर्ण पक्ष है-
(1) दीर्घ व स्वस्थ जीवन (2) ज्ञान अर्जित करना
(3) जीवन जीने के पर्याप्त साधन (4) उपरोक्त सभी (1)

10. प्रतिवर्ष मानव विकास प्रतिवेदन प्रकाशित करता है ?
(1) UNEP (2) UNDP
(3) UNESCO (4) WHO (2)

लघुतरात्मक प्रश्न

1. बुद्धि और विकास में क्या अन्तर है ?

उत्तर- 1. बुद्धि धनात्मक एवं ऋणात्मक, दोनों प्रकार की हो सकती है परन्तु विकास के अन्तर्गत गुणवता में सकारात्मक परिवर्तन होता है।

2. वृद्धि मात्रात्मक और मूल्य निरपेक्ष होती है जबकि विकास गुणात्मक होता है इसका मूल्य सापेक्ष होता है।

2. मानव विकास क्या है स्पष्ट कीजिए ?

उत्तर- मानव विकास लोगों के जीवन में सुधार लाता है उनके विकल्पों में वृद्धि करता है किसी देश के लोग जीवन की गुणवता का आनंद लेते है उन्हें जो अवसर उपलब्ध है और स्वतंत्रताओं का भोग करते है।

3. मानव विकास के आय उपागम से आप क्या समझते है ?

उत्तर- यह मानव विकास के सबसे पुराने उपागमों में से एक है इसमें मानव विकास को आय के साथ जोड़कर देखा जाता है आय का स्तर किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता को परिलक्षित करता है आय का स्तर ऊँचा होने पर मानव विकास का स्तर भी ऊँचा होगा ।

4. मानव विकास के कल्याण उपागम से आप क्या समझते है ?

उत्तर- यह उपागम मानव को लाभार्थी अथवा सभी विकासात्मक गतिविधियों के लक्ष्य के रूप में देखता है। यह उपागम शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और सुख साधनों पर उच्चतर सरकारी व्यय का तर्क देता है। लोग विकास के प्रतिभागी नहीं है किन्तु वे केवल निष्क्रिय प्राप्तकर्ता है।

5. मानव विकास सूचकांक का मापन किस प्रकार किया जाता है ?

उत्तर- मानव विकास सूचकांक के मापन के तीन आयाम है प्रत्येक आयाम को $\frac{1}{3}$ भारिता दी जाती है।

1. स्वास्थ्य- इसके मूल्यांकन के लिए यह सूचक उच्चतर जीवन प्रत्याशा दीर्घ तथा स्वस्थ जीवन जीने के अवसरों का द्योतक है।

2. शिक्षा- इसके मूल्यांकन के लिए प्रौढ़ साक्षरता दर तथा विद्यालयों में नामांकित बच्चों की संख्या को आधार माना जाता है।

3. संसाधनों तक पहुँच- इसको मानव की क्रयशक्ति के आधार पर मापा जाता है।

6. मानव विकास के संदर्भ में सतत पोषणीयता से क्या आशय है ?

उत्तर- सतत पोषणीयता का अर्थ है अवसरों की उपलब्धता में निरंतरता। प्रत्येक पीढ़ी को समान अवसर मिले समस्त पर्यावरणीय वित्तीय एवं मानव संसाधनों का उपयोग भविष्य को ध्यान में रखकर करना चाहिए। ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए अवसरों की कमी ना रहे।

7. मानव विकास के संदर्भ में समता से क्या आशय है ?

उत्तर- समता का आशय प्रत्येक व्यक्ति को उपलब्ध अवसरों के लिए समान पहुँच की व्यवस्था करना है। लोगों को उपलब्ध अवसर लिंग, प्रजाति, आय और भारत के संदर्भ में जाति के भेदभाव के विचार के बिना समान होने चाहिए।

शेखावाटी मिशन-100

अध्याय-5 प्राथमिक क्रियाएँ

1. निम्न में से कौनसा एक प्राथमिक क्रियाओं में शामिल नही है-
(1) पशुचारण (2) आखेट
(3) कृषि (4) विनिर्माण (4)

2. निम्न में से कौनसी फसल रोपण कृषि में सम्मिलित है-
(1) रबड़ (2) गन्ना
(3) चाय (4) उपरोक्त सभी (4)

3. निम्न में से कौनसी विशेषता रोपण कृषि की नहीं है-
(1) कृषि क्षेत्र का विस्तृत आकार
(2) अधिक पूंजी निवेश
(3) निम्न प्रबंधन एवं तकनीकी आधार
(4) सस्ते श्रमिक (3)

4. निम्न में भूमध्यसागरीय कृषि से सम्बन्धित क्षेत्र नहीं है-
(1) मध्य कैलीफोर्निया
(2) मध्यवर्ती चिली
(3) दक्षिणी अफ्रीका का दक्षिणी पश्चिमी भाग
(4) भूमध्यसागर तटीय क्षेत्र (1)

5. निम्नलिखित देशों में से किसमें सहकारी आंदोलन सर्वाधिक सफल रहा-
(1) भारत (2) डेनमार्क
(3) रूस (4) चीन (2)

6. खट्टेरसदार फलों की कृषि किस कृषि क्षेत्र की विशेषता है-
(1) वाणिज्यिक कृषि (2) रोपण कृषि
(3) जीवन निर्वाह कृषि (4) भूमध्यसागरीय कृषि (4)

7. वाणिज्य डेयरी कृषि का सबसे बड़ा प्रदेश कौनसा है-
(1) दक्षिणी अफ्रीका (2) उत्तर पश्चिमी यूरोप
(3) कनाडा (4) न्यूजीलैण्ड (2)

8. सामूहिक कृषि का प्रारम्भ सर्वप्रथम कहां से हुआ था-
(1) भारत (2) चीन
(3) सोवियत संघ (4) जर्मनी (3)

9. ट्यूलिप पुष्प की कृषि के लिए विख्यात देश कौनसा है-
(1) नीदरलैण्ड (2) डेनमार्क
(3) स्वीडन (4) ब्रिटेन (1)

10. निम्न में से कौनसी एकल कृषि नहीं है-
(1) रोपण कृषि (2) जीवन निर्वाह कृषि
(3) डेयरी कृषि (4) मिश्रित कृषि (4)

11. प्राथमिक क्रियाओं में संलग्न लोग ..... कहलाते है।
उत्तर- लाल कॉलर श्रमिक

12. ब्राजील में कॉफी के बागान ..... कहलाते है।
उत्तर- फेजेन्डा

13. मिश्रित कृषि में ..... एवं ..... क्रियाएं शामिल है।
उत्तर- फसल उत्पादन, पशुपालन

14. सोवियत संघ के सामूहिक कृषि को ..... कहा जाता है-
उत्तर- कोलखहोज

15. अंगूर की कृषि ..... क्षेत्र की विशेषता है।
उत्तर- भूमध्यसागरीय

16. कुनैन ..... नामक वृक्ष की छाल से बनाई जाती है ?
उत्तर- सिनकोना

17. आर्थिक क्रिया किसे कहते है ?
उत्तर- मानव के वो सभी क्रियाकलाप जिनसे आय प्राप्त होती है आर्थिक क्रिया कहते है।

18. ऋतुप्रवास किसे कहते है ?
उत्तर- पशुचारकों द्वारा ऋतुओं के अनुरूप पशुओं को लेकर चरागाह क्षेत्रों की ओर प्रवास करना ऋतुप्रवास कहलाता है। ग्रीष्म ऋतु में मैदानी भाग से पर्वतीय चरागाह की ओर एवं शीत ऋतु में पर्वतीय भाग से मैदानी चरागाहों की ओर प्रवास करते है।

19. भारत के हिमालय पर्वतीय क्षेत्र में ऋतुप्रवास करने वाली पशुचारक जातियों के नाम बताइये।
उत्तर- गुज्जर, बकरवाल, गद्दी एवं भूटिया।

20. चलवासी पशुचारकों की संख्या एवं क्षेत्र में कमी के दो कारण बताइये।
उत्तर- 1. राजनीतिक सीमाओं का अधिरोपण
2. कई देशों द्वारा नई बस्तियों की योजना बनाना।

21. विश्व में भोजन संग्रह करने वाले दो क्षेत्र बताइये।
उत्तर- 1. उच्च अक्षांश के क्षेत्र- उत्तरी कनाडा, उत्तरी यूरेशिया दक्षिणी चिली।
2. निम्न अक्षांश के क्षेत्र- अमेजन बेसिन, उष्णकटिबंधीय अफ्रीका।

22. पश्चिमी यूरोप एवं उत्तरी अमेरिका के औद्योगिक क्षेत्रों में की जाने वाली दो कृषि के नाम लिखिए।
उत्तर- 1.उद्यान कृषि 2. कारखाना कृषि

23. खनन की दो विधियों के नाम लिखिए।
उत्तर- 1. धरातलीय या विवृत खनन विधि।
2. भूमिगत या कूपकी खनन विधि

24. चिकल क्या है? इसका निर्माण कैसे होता है ?
उत्तर- चुविंगगम को चूसने के बाद शेष बचे भाग को चिकल कहते है। यह जेपोटा वृक्ष से बनता है।

25. सहकारी कृषि किसे कहते है ?
उत्तर- जब कृषकों के समूह द्वारा स्वेच्छा से सहकारी संस्था बनाकर कृषि से अधिक लाभ प्राप्त करने के लिए कृषि कार्य किया जाता है उसे सहकारी कृषि कहते है।

26. आदिमकालीन मानव जीवन निर्वाह के लिए कौनसी दो प्राचीनतम ज्ञात आर्थिक क्रियाओं पर निर्भर था ?
उत्तर- 1. आखेट 2. भोजन संग्रह

27. खनन कार्य को प्रभावित करने वाले दो कारक लिखिए।
उत्तर- 1. भौतिक कारक- खनिज निक्षेपों का आकार श्रेणी, एवं उपस्थिति की अवस्था।
2. आर्थिक कारक- खनिज की मांग, तकनीक, पूंजी।

28. ट्रक कृषि क्या है ?
उत्तर- कृषकों द्वारा उत्पादित सब्जियों को ट्रक द्वारा उत्पादन क्षेत्र से बाजार तक रातभर दूरी तय करके पहुंचाया जाता है। इसलिए इसे ट्रक कृषि कहते है।

शेखावाटी मिशन-100

29. विकसित अर्थव्यवस्था वाले देश उत्पादन की खनन प्रसंस्करण एवं शोधन कार्य से पीछे हट रहे है जबकि विकासशील देश नहीं। कारण बताइये।

उत्तर- उत्पादन की खनन प्रसंस्करण एवं शोधन में श्रमिक लागत अधिक आती है जो विकासशील देशों के पास श्रम शक्ति की उपलब्धता के कारण खनन कार्य को महत्व दिया जा रहा है।

30 प्राथमिक क्रियाएँ किसे कहते है ? इसमें कौन-कौनसे क्रियाकलाप शामिल किये जाते है ?

उत्तर- पर्यावरण में प्रकृति प्रदत्त संसाधनों पर प्रत्यक्ष रूप से मानव द्वारा क्रिया प्राथमिक क्रियाएँ कहलाती है। प्राथमिक क्रियाओं में निम्न क्रियाकलाप शामिल किये जाते है- कृषि, आखेट, भोजन संग्रह, पशुचारण, मछली पकड़ना, खनन, लकड़ी काटना आदि।

31. चलवासी पशुचारण एवं वाणिज्य पशुधन पालन में अन्तर लिखिए।

उत्तर-

चलवासी पशुचारण	वाणिज्य पशुधन पालन
1. यह जीवन निर्वाह आधारित व्यवसाय है।	1. यह व्यापार आधारित व्यवसाय है।
2. पानी व चरागाह की उपलब्धता के अनुसार स्थानान्तरित होते रहते है।	2. विस्तृत क्षेत्र में फैले स्थायी फार्मो में पशुओं को रखा जाता है।
3. पशुओं पर विशेष ध्यान नहीं दिया जाता है।	3. पशुओं पर वैज्ञानिक तरीके से देखभाल की जाती है।
प्रमुख क्षेत्र- सहारा मरुस्थल, मध्य एशिया, यूरोप व एशिया के टुण्ड्रा प्रदेश	प्रमुख क्षेत्र- न्यूजीलैण्ड, ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त राज्य अमेरिका, अर्जेंटिना

32. आदि कालीन निर्वाह कृषि या स्थानांतरित कृषि का वर्णन कीजिए।

उत्तर- स्थानांतरित कृषि मुख्य रूप से उष्णकटिबन्धीय क्षेत्र में पायी जाने वाली सघन वनस्पति में निवास करने वाली जनजातीय समूह द्वारा की जाती है। इन क्षेत्रों में वनस्पति को जलाकर खेत तैयार किये जाते है। जली हुई राख की परत उर्वरक का कार्य करती है। इसे कर्तन एवं दहन कृषि भी कहते है। उसे 5 वर्ष पश्चात् मिट्टी का उपजाऊपन समाप्त होने पर दूसरी जगह पर खेत तैयार करके कृषि की जाती है। इसे भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों में झूमिंग, मध्य अमेरिका एवं मैक्सिकों में मिल्पा एवं मलेशिया व इंडानेशिया में लादांग कहते है।

33. विस्तृत वाणिज्य अनाज कृषि की विशेषताएं बताते हुए इसके प्रमुख क्षेत्रों के नाम लिखिए।

उत्तर- 1. यह कृषि मध्य अक्षांशों के आंतरिक अर्धशुष्क प्रदेशों में की जाती है।
2. इस कृषि की मुख्य फसल गेहूँ है। अन्य फसलें मक्का, जौ, राई एवं जई है।
3. खेतों का आकार बड़ा होता है।
4. खेत जोतने से फसल काटने तक सभी कार्य यंत्रों द्वारा किये जाते है।
5. प्रति एकड़ उत्पादन कम परन्तु प्रति व्यक्ति उत्पादन अधिक होता है।

प्रमुख क्षेत्रः-
यूरेशिया के स्टेपीज
उत्तरी अमेरिका के प्रेयरीज
अर्जेंटाइना के पम्पाज
दक्षिणी अफ्रीका के वेल्डस
आस्ट्रेलिया के डाउन्स
न्यूजीलैण्ड के केंटरबरी

34. डेयरी कृषि की विशेषताएं लिखते हुए विश्व के प्रमुख वाणिज्य डेयरी क्षेत्र बताइये।

उत्तर- 1. दुधारू पशुओं का पालन पोषण उन्नत व दक्ष तरीके से किया जाता है।
2. इसमें पूंजी की अधिक आवश्यकता होती है।
3. पशुओं के प्रजनन स्वास्थ्य व पशु चिकित्सा पर अधिक ध्यान दिया जाता है।
4. इसमें गहन श्रम की आवश्यकता होती है।
5. डेयरी कृषि कार्य नगरीय व औद्योगिक केन्द्रों के समीप किया जाता है क्योंकि ये क्षेत्र ताजा दूध एवं डेयरी उत्पादन के अच्छे बाजार होते है।

प्रमुख क्षेत्रः- उत्तरी पश्चिमी यूरोप, कनाडा, न्यूजीलैण्ड, दक्षिणी पूर्वी ऑस्ट्रेलिया।

अध्याय-6 द्वितीयक क्रियाएँ

1. निर्माण की सबसे छोटी इकाई है-
(1) कुटीर उद्योग (2) लघु उद्योग
(3) वृहद् उद्योग (4) इनमें से कोई नहीं (1)

2. रूहर कोयला क्षेत्र कौनसे देश में स्थित है-
(1) जापान (2) इटली
(3) फ्रांस (4) जर्मनी (4)

3. निम्न में से आधारभूत उद्योग है-
(1) सूती वस्त्र (2) चीनी
(3) लौह इस्पात (4) रसायन (3)

4. संयुक्त राज्य अमेरिका का कौनसा क्षेत्र ''जंग का कटोरा'' के नाम से प्रसिद्ध है-
(1) शिकागों (2) डेट्राइट
(3) पीट्स बर्ग (4) गैरी (3)

5. कौनसी अर्थव्यवस्था में उत्पादन का स्वामित्व व्यक्तिगत होता है-
(1) पूंजीवाद (2) मिश्रित
(3) समाजवाद (4) इनमें से कोई नहीं (1)

6. रसायन आधारित उद्योग है-
(1) पेट्रोरसायन (2) नमक, गंधक
(3) कृत्रिम रेशे, प्लास्टिक निर्माण (4) उपरोक्त सभी (4)

7. पशु आधारित उद्योग है-
(1) चमड़ा (2) ऊनी वस्त्र
(3) हाथीदांत (4) उपरोक्त सभी (4)

8. निम्न में से धुँए की चिमनी वाला उद्योग है-
(1) भारी इंजीनियरिंग (2) धातु पिघलाने वाले उद्योग
(3) रसायन निर्माण (4) उपरोक्त सभी (4)

9. विनिर्माण से आशय किसी वस्तु का ..... है।

उत्तर- उत्पादन

10. कच्चे लोहे में ..... मिलाकर इस्पात तैयार किया जाता है-

उत्तर- मैंगनीज

11. विनिर्माण का शाब्दिक अर्थ है .....

उत्तर- हाथ से बनाना।

शेखावाटी मिशन-100

12. महान झील औद्योगिक प्रदेश ..... देश में स्थित है।

उत्तर- संयुक्त राज्य अमेरिका

13. सिलिकॉन घाटी USA के ..... नगर के पास स्थित है।

उत्तर- सेन फ्रांसिस्को

14. द्वितीयक क्रियाएँ किसे कहते है ? उदाहरण लिखिए।

उत्तर- प्रकृति में पाये जाने वाले कच्चे माल को परिष्कृत कर मूल्यवान बनाना द्वितीयक क्रिया कहलाती है।

उदा. विनिर्माण, प्रंसस्करण, निर्माण (अवसंरचना) उद्योग।

15. यंत्रीकरण से क्या तात्पर्य है ?

उत्तर- यंत्रीकरण से तात्पर्य है किसी कार्य को पूर्ण करने के लिए मशीनों का प्रयोग करना।

16. वनों पर आधारित तीन उद्योगों के नाम लिखिए।

उत्तर- फर्नीचर उद्योग, कागज उद्योग, लाख उद्योग

17. विश्व के महत्वपूर्ण निर्माण उद्योगों के उदाहरण लिखिए।

उत्तर- लौह इस्पात, वस्त्र, मोटर गाड़ी, पेट्रो रसायन, इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग आदि।

18. कृषि कारखाने किसे कहते है ?

उत्तर- कृषि व्यापार फार्म जो आकार में बड़े यंत्रीकृत, रसायनों पर निर्भर एवं अच्छी संरचना वाले होते है कृषि कारखाने कहलाते है। इसका वितपोषण वह व्यापार करता है जिसकी मुख्य रूचि कृषि के बाहर हो।

19. प्रौद्योगिकी ध्रुव किसे कहते है। उदाहरण लिखिए।

उत्तर- वह उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग जो प्रादेशिक संकेन्द्रित, आत्मनिर्भर एवं उच्च विशिष्टता लिए होते है प्रौद्योगिकी ध्रुव कहलाते है।

उदा. सेन फ्रांसिस्को के समीप सिलिकन घाटी,
सिएटल के समीप सिलिकन वन।

20. सूती वस्त्र उद्योग कम विकसित/विकासशील दशों में क्यों स्थानांतरित हो रहा है।

उत्तर- श्रम लागत कम होने के कारण।

21. आधुनिक निर्माण/विनिर्माण की चार विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर- 1. एक जटिल प्रौद्योगिक तंत्र 2. अधिक पूंजी
3. बड़े संगठन
4. प्रशासकीय अधिकारी वर्ग की प्रमुख भूमिका।

22. स्वच्छंद उद्योग की चार विशेषताएं लिखिए।

उत्तर- 1. इनकी स्थापना किसी भी स्थान पर की जा सकती है।
2. यह उद्योग संघटक पूर्जो पर निर्भर है जो कहीं से भी प्राप्त कर सकते है।
3. प्रदूषण नहीं फैलातें है।
4. इनमें उत्पादन कम मात्रा में होता है एवं श्रमिकों की कम आवश्यकता होती है।

उदाहरण- इलेक्ट्रॉनिक उद्योग।

23. आधारभूत एवं गैर आधार भूत उद्योगों में अन्तर बताइये।

उत्तर- वे उद्योग जिनके उत्पाद को अन्य वस्तुएं बनाने के लिए कच्चे माल के रूप में प्रयोग में लाया जाता है आधारभूत उद्योग कहलाते है।

उदाहरण- लौह-इस्पात उद्योग।

- वे उद्योग जिनसे उत्पादित सामान प्रत्यक्ष रूप से उपभोक्ता द्वारा उपयोग किया जाता है गैर आधारभूत उद्योग कहलाते है।

उदाहरण- बिस्कुट, चाय, साबुन वाले उद्योग।

24. परम्परागत वृहद औद्योगिक प्रदेश की पहचान के चार बिन्दु लिखिए।

उत्तर- 1. रोजगार की अधिक उपलब्धता
2. पर्यावरण प्रदूषण
3. उच्च गृह घनत्व
4. बेरोजगारी की समस्या, उत्प्रवास, विश्वव्यापी मांग कम होने से कारखाने बन्द होने के कारण पवरित्यक्त भूमि के क्षेत्र।

25. उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग की चार विशेषताएं बताइये।

उत्तर- 1. गहन शोध एवं विकास द्वारा उन्नत वैज्ञानिक एवं इंजीरियरिंग उत्पादों का निर्माण।

2. उच्च, दक्ष एवं विशिष्ट व्यावसायिक श्रमिकों (सफेद कॉलर) का योगदान अधिक होता है।

3. इसमें यंत्र मानव, कम्प्यूटर आधारित डिजाइन तथा निर्माण, धातु पिघलाने एवं शोधन के इलेक्ट्रॉनिक नियंत्रण आदि कार्य सम्मिलित है।

4. इन उद्योगों के लिए नियोजित व्यवसाय पार्क का निर्माण किया जा रहा है।

26. स्वामित्व के आधार पर उद्योगों का वर्गीकरण कीजिए।

उत्तर- **1. सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योगः**- सरकार का नियत्रण, समाजवादी देशों में।

2. निजी क्षेत्र के उद्योगः- व्यक्तिगत निवेशकों का नियंत्रण, पूंजीवादी देशों में अधिक।

3. संयुक्त क्षेत्र के उद्योगः- निजी व सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी के संयुक्त प्रयासों से संचालित।

27. प्राथमिक एवं द्वितीयक क्रियाओं में तीन अन्तर लिखिए।

उत्तर-

प्राथमिक क्रियाएँ	**द्वितीयक क्रियाएँ**
1. पर्यावरण से प्राप्त पदार्थो का सीधा उपयोग किया जाता है।	1. पर्यावरण से प्राप्त पदार्थो को परिष्कृत करके उपयोग किया जाता है।
2. प्राप्त उत्पाद कम मूल्यावान होते है।	2. प्राप्त उत्पाद अधिक मूल्यवान होते है।
3. कम पूंजी की आवश्यकता होती है।	अधिक पूंजी की आवश्यकता होती है।
उदा. कृषि, आखेट, खनन	उदा. विनिर्माण प्रसंस्करण।

28. आकार के आधार पर उद्योगों का वर्गीकरण कीजिए।

उत्तर- **1. कुटीर उद्योगः**- स्थानीय कच्चे माल का उपयोग
- परिवार के सदस्य ही श्रमिक के रूप में कार्य करते है।
- अधिक पूंजी की आवश्यकता नहीं।

उदा. खाद्य पदार्थ, चटाइयाँ, बर्तन, औजार ।

2. लघु उद्योगः- कारखाना घर से बाहर होता है।
- अर्द्धकुशल श्रमिक व यंत्रों का उपयोग।
- स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध होता है।

उदा. कूलर बनाना, चमड़ा उद्योग, एल्युमिनियम की सामग्री बनाना आदि।

3. वृहद उद्योगः- विशाल बाजार, कुशलश्रमिक, की आवयकता।
- विभिन्न प्रकार का कच्चा माल व उच्च तकनीक की आवश्यकता।
- अधिक पूंजी की आवश्यकता।
- अधिक उत्पादन।

उदा. लौह-इस्पात उद्योग सूती वस्त्र उद्योग चीनी उद्योग।

शेखावाटी मिशन-100

29. कच्चे माल पर आधारित उद्योगों का वर्गीकरण कीजिए।

उत्तर- 1. कृषि आधारित- चीनी, अचार, मसाले, तेल, पेय।
2. खनिज आधारित- लौह इस्पात, एल्युमिनियम तांबा, सीमेंट।
3. वनों पर आधारित - इमारती लकड़ी, कागज उद्योग बांस।
4. पशु आधारित उद्योग- चमड़ा, ऊनी वस्त्र, हाथी दांत।

30. विश्व में लौह-इस्पात उद्योग के स्थानीयकरण के कारक एवं वितरण को बताइये।

उत्तर- विश्व में लौह-इस्पात उद्योग के स्थानीयकरण के प्रमुख कारक निम्नलिखित है-
1. कच्चे माल की उपलब्धता- लौह अयस्क, कोयला, मैंगनीज।
2. बाजार का समीप होना।
3. विशाल संघटित संयन्त्रों का उपयोग करना।
4. पूंजी, परिवहन श्रमिकों की उपलब्धता।

विश्व में लौह इस्पात उद्योग का वितरण-

1. संयुक्त राज्य अमेरिका:- उत्तर अप्लेशियन प्रदेश (पीट्सबर्ग)
- महान झील क्षेत्र (शिकागों गैरी इरी, क्लीवलैंड, लोरेन, ब्फैलो)
- एटलांटिक तट (स्पैरोज पोइंट, मोरिस विले)

2. ग्रेट ब्रिटेन- बरमिंघम, शैफील्ड

3. सोवियत रूस- मास्को, सेंटपीट्रसबर्ग, तुला।

4. यूक्रेन - क्रिबोइरॉग, दोनेत्सक

5. जापान- नागासाकी, टोकियो, योकोहामा

6. चीन - शंघाई तियनस्तिन, बुहान

7. भारत- जमशेदपुर, दुर्गापुर, राउरकेला, भिलाई बोकारो।

31. अफ्रीका में अपरिमित प्राकृतिक संसाधन है फिर भी औद्योगिक दृष्टि से यह बुहत पिछड़ा महाद्वीप है। समीक्षा कीजिए।

उत्तर- अफ्रीका महाद्वीप के औद्योगिक दृष्टि से पिछड़ा होने के निम्न कारण है-
1. अधिकतर देश सामाजिक एवं आर्थिक रूप से पिछड़े हुए है इसलिए मूलभूत संरचनाओं का विकास नहीं हुआ है।
2. इस महाद्वीप में उच्च तकनीकी ज्ञान व पर्याप्त पूंजी के अभाव में औद्योगिक क्षेत्रों का विकास नहीं हो पाया है।
3. प्रतिकूल जलवायु व विषम उच्चावच के कारण परिवहन मार्गो का विकास नहीं हुआ।

32. सूती कपड़ा उद्योग के विकास एवं वितरण पर भौगोलिक निबन्ध लिखिए।

उत्तर- सूती कपड़ा उद्योग के विकास के प्रमुख कारक निम्नलिखित है-
1. श्रमिकों की आवश्यकता।
2. यंत्रों का प्रयोग करना।
3. पूंजी की आवश्यकता होना।
4. कच्चे माल के रूप में कपास की उपलब्धता।
5. आयातित कपास से वस्त्र निर्माण करना।
6. कृत्रिम रेशे से प्रतिस्पर्धा करना।
7. परिवहन की उपलब्धता।
8. उत्तम जलवायु

वितरण:- विश्व में सूती वस्त्र उत्पादन के प्रमुख केन्द्र संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, भारत, ब्रिटेन आदि देशों में है। भारत में गुजरात एवं महाराष्ट्र वस्त्र उत्पादन करने की दृष्टि से प्रमुख उत्पादक राज्य है।

33. उद्योगों की स्थिति को प्रभावित करने वाले किन्हीं चार कारकों का विस्तार से वर्णन कीजिए।

उत्तर- **1. बाजार तक अभिगम्यता** - उद्योगों की स्थापना में प्रमुख कारक उसके द्वारा उत्पादित माल के लिए बाजार का उपलब्ध होना है। बाजार से तात्पर्य उस क्षेत्र में तैयार वस्तुओं की मांग एवं उस क्षेत्र के निवासियों में खरीदने की क्षमता अर्थात् क्रय शक्ति है।

2. कच्चे माल की प्राप्ति तक अभिगम्यता:- उद्योगों के लिए कच्चा माल अपेक्षाकृत सस्ता एवं सरलता से परिवहन योग्य होना चाहिए। भारी वजन, सस्ते मूल्य एवं वजन घटने वाले पदार्थो पर आधारित उद्योग कच्चे माल के स्त्रोत स्थल के समीप ही स्थित होते है। यथा- इस्पात, चीनी एवं सीमेण्ट उद्योग।

3. श्रम आपूर्ति तक अभिगम्यता:- उद्योगों की अवस्थिति में कुशल श्रमिकों की उपलब्धता एक महत्वपूर्ण कारक है।

4. शक्ति के साधनों तक अभिगम्यता:- वे उद्योग जिनमें अधिक ऊर्जा अर्थात् शक्ति की आवश्यकता होती है वे ऊर्जा के स्त्रोतों के समीप ही स्थापित किये जाते है। यथा एल्यूमिनियम उद्योग।

अध्याय-7 तृतीयक और चतुर्थ क्रियाकलाप

1. निम्न में से कौनसा एक तृतीयक क्रियाकलाप है-
(1) व्यापार (2) परिवहन
(3) संचार (4) उपरोक्त सभी (4)

2. निम्न में से कौनसा क्रियाकलाप चतुर्थ सेक्टर से सम्बन्धित है-
(1) सूचना का संग्रहण (2) उत्पादन और प्रकीर्णन
(3) अनुसंधान और विकास (4) उपरोक्त सभी (4)

3. वैश्विक संचार तंत्र में वास्तविक क्रांति का सूत्रपात किसके माध्यम से हुआ है-
(1) टेलीफोन (2) इंटरनेट
(3) रेडियो (4) ईमेल (2)

4. कुल पंजीकृत रोजगारों एवं राजस्व की दृष्टि से विश्व का सबसे बड़ा तृतीयक क्रियाकलाप है-
(1) पर्यटन (2) संचार
(3) परिवहन (4) अनुसंधान (1)

5. संचार सेवाओं में किसका प्रेषण सम्मिलित है -
(1) शब्दों और संदेशों का (2) तथ्यों और विचारों
(3) उपरोक्त दोनों (4) इनमें से कोई नहीं (3)

6. निम्नलिखित में से कौनसा सेक्टर दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई एवं कोलकाता में सर्वाधिक रोजगार प्रदान करता है-
(1) प्राथमिक (2) द्वितीयक
(3) पर्यटन (4) सेवा (4)

7. परिवहन दूरी को मापने का प्रकार है-
(1) किलोमीटर दूरी (2) समय दूरी
(3) लागत दूरी (4) उपरोक्त सभी (4)

8. प्रत्येक सड़क जो दो नगरों को जोड़ती है कहलाती है-

उत्तर- योजक

9. विश्वविद्यालयी अध्यापन क्रियाकलाप ..... सेक्टर से सम्बन्धित है।

उत्तर- चतुर्थ

शेखावाटी मिशन-100

10. फुटकर व्यापार में वृहतम स्तर पर सर्वप्रथम नवाचार लाने वाले .....समुदाय थे।

उत्तर- उपभोक्ता सहकारी

11. परिवहन के सभी रूपों को ..... पथ कहा जाता है।

उत्तर- संचार

12. अंतरिक्ष से सूचना का प्रसारण ..... संचार करता है।

उत्तर- उपग्रह

13. जनसंचार माध्यम के उदाहरण लिखिए।

उत्तर- रेडियो, दूरदर्शन, समाचार पत्र, टेलीफोन आदि।

14. विश्व में चिकित्सा पर्यटन के क्षेत्रों में उभरते देशों के नाम लिखिए।

उत्तर- भारत, थाइलैण्ड, सिंगापुर, मलेशिया

15. व्यावसायिक सेवाओं के उदाहरण लिखिए।

उत्तर- स्वास्थ्य की देखभाल, अभियांत्रिकी, विधि, प्रबन्धन आदि।

16. नोड किसे कहते है ?

उत्तर- दो या अधिक मार्गो का संधि स्थल, एक उद्गम बिन्दु एक गंतव्य बिन्दु और मार्ग के सहारे बड़ा कस्बा नोड कहलाता है।

17. पर्यटकों के घरों में रूकने की व्यवस्था का गोवा व कर्नाटक में नाम बताइये।

उत्तर- गोवा-हेरीटेज होम्स, कर्नाटक-मैडीकेरे और कूर्ग

18. विकासशील देश जैसे भारत में अंकीय विभाजक को कम करने हेतु सुझाव दीजिए।

उत्तर- महानगरों के समीप स्थित ग्रामीण क्षेत्रों में सूचना एवं प्रौद्योगिकी की पहुंच बढ़ायी जानी चाहिए।

19. द्वितीयक एवं तृतीयक क्रिया कलापों में मुख्य अन्तर लिखिए।

उत्तर- द्वितीयक क्रियाकलाप में उत्पादन तकनीक, मशीनरी और फैक्ट्री प्रक्रिया पर ध्यान दिया जाता है जबकि तृतीयक क्रियाकलाप कर्मियों की विशिष्टकृत कुशलताओं, अनुभव और ज्ञान पर निर्भर है।

20. परिवहन एवं संचार में अन्तर लिखिए।

उत्तर- परिवहन में व्यक्तियों, विनिर्मित माल को भौतिक रूप से एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जाता है जबकि संचार में संदेशों, विचारों का विनिमय होता है।

21. परिवहन को प्रभावित करने वाले कारक लिखिए।

उत्तर- 1. जनसंख्या का आकार 2. उच्चावच
3. जलवायु का प्रकार
4. विभिन्न केन्द्रों के मध्य व्यापार का प्रारूप।

22. पर्यटन को प्रभावित करने वाले कारक लिखिए।

उत्तर- 1. अवकाश की मांग 2. परिवहन सुविधाओं का विकास।

23. फुटकर व्यापार क्या है ।

उत्तर- यह वह व्यापारिक क्रियाकलाप है जो उपभोक्ताओं को वस्तुओं का प्रत्यक्ष विक्रय किया जाता है। उदाहरण- फेरी, रहड़ी, ट्रक, डाक आदेश, दूरभाष, इंटरनेट आदि।

24. थोक व्यापार की प्रमुख विशेषताएं लिखिए।

उत्तर- 1. थोक व्यापार का गठन बिचौलियों, सौदागरों द्वारा होता है।
2. थोक विक्रेता प्रायः फुटकर भंडारों को उधार देते है।
3. बहुसंख्यक फुटकर भण्डार बिचौलिया स्त्रोत से पूर्ति करते है।

25. सुमेलित कीजिए-

1. द्वितीयक क्रियाकलाप	2. गुलाबी कॉलर श्रमिक
2. तृतीय क्रियाकलाप	1. नीला कॉलर श्रमिक
3. चतुर्थ क्रियाकलाप	4. स्वर्ण कॉलर श्रमिक
4. पंचम क्रियाकलाप	3. सफेद कॉलर श्रमिक

26. पर्यटन एवं पर्यटक प्रदेश को परिभाषित कीजिए।

उत्तर- पर्यटन- यह एक यात्रा है जो मनोरंजन एवं प्रमोद के उद्देश्यों के लिए की जाती है।

पर्यटक प्रदेशः- ऐसा क्षेत्र जो स्मारकों, विरासत स्थलों, सांस्कृतिक, पर्यावरणीय विशेषताओं के कारण पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते है।

27. पर्यटन आकर्षण को प्रभावित करने वाले कारक लिखिए।

उत्तर- 1. जलवायु 2. भू-दृश्य
3. इतिहास एवं कला 4. संस्कृति और अर्थव्यवस्था

28. अंकीय विभाजक क्या है ?

उत्तर- विकसित देशों द्वारा अपने नागरिकों को सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी तक पहुँच एवं इससे प्राप्त लाभ उपलब्ध करा दिये जबकि विकासशील देश अभी सभी नागरिकों तक ICT की पहुँच सुनिश्चित नहीं कर सके। इसी को अंकीय विभाजक कहा जाता है।

29. चिकित्सा पर्यटन किसे कहते है ? भारत में चिकित्सा पर्यटन को बढ़ाने के लिए तीन सुझाव दीजिए।

उत्तर- जब चिकित्सा उपचार को पर्यटन गतिविधि से जोड़ा जाता है तो इसे चिकित्सा पर्यटन कहा जाता है। विश्व स्तर पर सस्ती चिकित्सा सुविधाओं के कारण वर्ष 2005 में USA से 55,000 रोगियों ने भारत में चिकित्सा सुविधाओं का लाभ उठाया।

सुझावः-

1. चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार गुणवता में वृद्धि की जानी चाहिए।
2. चिकित्सकों को अत्यधिक तकनीकों में प्रशिक्षित किया जाना चाहिए।
3. चिकित्सा पर्यटन सुविधाओं का प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए।

30. व्यापारिक केन्द्र किसे कहते है? प्रकारों का वर्णन कीजिए।

उत्तर- वे नगर एवं कस्बे जहाँ से व्यापार सम्बन्धित सम्पूर्ण गतिविधियां सम्पन्न होती है। व्यापारिक केन्द्र कहलाते है।

व्यापारिक केन्द्रों के प्रकारः-

1. ग्रामीण विपणन केन्द्रः-
- निकटवर्ती ग्रामीण बस्तियों का पोषण करते है।
- ये अर्धनगरीय केन्द्र होते है।
- व्यक्तिगत व व्यावसायिक सेवाएं विकसित नहीं होती है।

2. नगरीय बाजार केन्द्रः-
- ये नगरीय बस्तियों का पोषण करते है।
- ये नगरीय व्यापारिक केन्द्र होते है।
- यहाँ सभी प्रकार की वस्तुएं व सेवाएं उपलब्ध होती है।

31. चतुर्थ एवं पंचम क्रियाकलापों में अन्तर लिखिए।

उत्तर- चतुर्थ क्रियाकलापः-	पंचम क्रियाकलाप
1. यह अनुसंधान एवं विकास केन्द्रित हाते है।	1. यह नवीन विचार व प्रौद्योगिक पर केन्द्रित होते है।
2. इसमें ज्ञानोन्मुखी कार्यो का	2. इसमें निर्णय लेने एवं नीति निर्माण

शेखावाटी मिशन-100

समावेश होता है।	संबंधी कार्यों का समावेश होता है।
3. इसमें शिक्षक, चिकित्सक, लेखाकार शामिल है।	3. इसमें नीति निर्माता वैज्ञानिक शामिल है।

32. बाह्यस्त्रोतन के कारण विभिन्न देशों में रोजगार के अवसरों का सृजन हुआ है। स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- दक्षता को सुधारने एवं लागतों को घटाने के लिए किसी बाहरी अभिकरण या निकाय को काम सौपना बाह्यस्त्रोतन कहलाता है। जब बाह्य स्त्रोतन में कार्य समुद्रपार के स्थानों पर स्थानांतरित किया जाता है तो इसे अपरतन (आफशोरिंग) कहा जाता है। बाह्य स्त्रोतन का विकास उन देशों में हो रहा है जहां सस्ता एवं कुशल श्रम उपलब्ध है। अतः उन देशों से उत्प्रवास में भी कमी आयी है एवं रोजगार के नये अवसरों का सृजन हुआ है।

33. ज्ञान प्रक्रमण बाह्य स्त्रोतन एवं व्यवसाय प्रक्रमण बाह्य स्त्रोतन में अन्तर लिखिए।

उत्तर- ज्ञान प्रक्रमण बाह्य स्त्रोतन में व्यवसाय प्रक्रमण बाह्य स्त्रोतन की तुलना में उच्च कुशलकर्मी सम्मिलित होते है एवं बेहतर व्यवसायिक अवसर होते है। ज्ञान प्रक्रमण बाह्य स्त्रोतन में अनुसंधान एवं विकास क्रियाएं, ई-लर्निंग, बौद्धिक सम्पदा, अनुसंधान, कानूनी व्यवसाय और बैंकिंग सेक्टर आते है।

अध्याय- 08 परिवहन एवं संचार

1. यदि आपको लम्बी दूरी तक यात्रा कम समय में तय करनी है तो आप किस परिवहन साधन का चयन करेंगे ?
(1) जल परिवहन (2) वायु परिवहन
(3) सड़क परिवहन (4) रेल परिवहन (2)

2. संचार की वह विद्या जो संचार के अन्य साधनों का नियमन करती है, वह है ?
(1) दूरभाष (2) इंटरनेट
(3) उपग्रह संचार (4) टेलीविजन (3)

3. विश्व का सबस लम्बा रेलमार्ग है-
(1) कनाडियन पेसेफिक रेलमार्ग
(2) पार साइबेरियन रेलमार्ग
(3) ओरिएंट एक्सप्रेस
(4) आस्ट्रेलियाई पारमहादीपीय रेलमार्ग (2)

4. स्वेज नहर जिन सागरों को जोड़ती है, वे है-
(1) भूमध्य सागर तथा लाल सागर
(2) उतरी सागर तथा बाल्टिक सार
(3) बाल्टिक सागर तथा श्वेत सागर
(4) काला सागर तथा भूमध्य सागर (1)

5. पनामा नहर जिन महासागरों को आपस में जोड़ती है वे है-
(1) अटलांटिक महासागर तथा हिन्द महासागर
(2) प्रशान्त महासागर तथा हिन्द महासागर
(3) भूमध्य सागर तथा लाल सागर
(4) अटलांटिक महासागर तथा प्रशांत महासागर (4)

6. विश्व का व्यवस्तम व्यापरिक जल मार्ग है-
(1) भूमध्यसागर हिन्द महासागरीय समुद्री मार्ग
(2) आंतरिक समुद्री मार्ग
(3) उतरी अटलांटिक समुद्री मार्ग
(4) दक्षिणी अटलांटिक समुद्री मार्ग (3)

7. कौनस समुद्री मार्ग प्राचीन विश्व के हृदय स्थल कहे जाने वाले क्षेत्रों से गुजरता है।
(1) उतमाशा अंतरीप
(2) दक्षिणी अटलांटिक समुद्री मार्ग
(3) उतरी अटलांटिक समुद्री मार्ग
(4) भूमध्यसागर-हिन्द महासागरीय समुद्री मार्ग (4)

8. पनामा नहर में कितने जलबंधक है ?
(1) 6 (2) 5
(3) 3 (4) 4 (1)

9. भारत द्वारा आर्यभट्ट का प्रक्षेपण किया गया था-
(1) 19 अप्रैल 1978 को (2) 19 अप्रैल 1984 को
(3) 18 जून 1981 को (4) 19 अप्रैल 1975 को (4)

10. राष्ट्रीय महामार्ग संख्या -7 कौनसे दो स्थानों को जोड़ता है।
(1) वाराणसी को मुम्बई से (2) मुम्बई को चेन्नई से
(3) दिल्ली को मुम्बई से (4) वाराणसी को कन्याकुमारी से (4)

11. रेलमार्गो में मानक लाइन (दोनों पटरियों के बीच की दूरी 1.44 मीटर) का उपयोग किस देश में किया जाता है।
(1) ब्रिटेन (2) भारत
(3) बांग्लादेश (4) इरान (1)

12. किस देश में रेल घनत्व सर्वाधिक पाया जाता है।
(1) भारत (2) बेल्जियम
(3) ब्रिटेन (4) फ्रांस (2)

13. एफिल टावर के सामने कौनसी नदी आन्तरिक जलमार्ग बनाती है ?
(1) गंगा नदी (2) नील नदी
(3) वोल्गा नदी (4) साइने नदी (4)

14. किस वर्ष स्वेज नहर का निर्माण किया गया था ?
(1) 1893 (2) 1911
(3) 1869 (4) 1831 (3)

15. इंग्लैण्ड में स्थित यूरो टनल ग्रुप द्वारा प्रचलित सुरंग मार्ग कौनसे दो स्थानों को जोड़ती है।
(1) लंदन-बर्लिन (2) बर्लिन-पेरिस
(3) पेरिस-लंदन (4) बार्सीलोना- बर्लिन (3)

16. विश्व में प्रथम सार्वजनिक रेलमार्ग कब शरू किया गया।
(1) 1911 (2) 1853
(3) 1863 (4) 1825 (4)

17. विश्व में प्रथम सार्वजनिक रेलमार्ग किन दो स्थानों के बीच शुरू किया गया
(1) स्टॉकटन और डर्लिंग्टन (2) लंदनऔर स्टॉकटन
(3) पेरिस और डर्लिंग्टन (4) बर्लिन और पेरिस (1)

18. हिमाच्छादित मैदानों में स्लेज गाड़ी खीचने हेतु कौन से पशुओं का उपयोग किया जाता है।
(1) बैल (2) ऊँट
(3) खच्चर (4) कुत्ते व रेंडियर (4)

शेखावाटी मिशन-100

19. छोटी दूरियों के लिए परिवहन का कौनसा साधन सर्वाधिक उपर्युक्त होता है।
(1) रेल परिवहन (2) सड़क परिवहन
(3) वायु परिवहन (4) जल परिवहन (2)

20. जर्मनी में अच्छी गुणवता वाली तथा तीव्रगामी सड़कों को कहा जाता है ?
(1) आटोवाहन (2) मोटर मार्ग
(3) राष्ट्रीय महामार्ग (4) उपरोक्त सभी (1)

21. ट्रांस कनाडियन महामार्ग कौनसे दो नगरों को जोड़ता है ?
(1) एडमंटन और एंकारेज (2) बर्लिन और पेरिस
(3) बैकूवर और सेंटजोन (4) लंदन एवं स्टॉकटन (3)

22. अलास्का राजमार्ग कौनसे दो नगरों को जोडता है।
(1) पेरिस और डर्लिंग्टन (2) एडमंटन और एकारेज
(3) लंदन और स्टॉकटन (4) वर्लिन और पेरिस (2)

23. भारत का सबसे लम्बा महामार्ग है ?
(1) 4 (2) 6
(3) 5 (4) 7 (4)

24. वोल्गा जलमार्ग स्थित है ?
(1) रूस (2) भारत
(3) जर्मनी (4) अमेरिका (1)

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

1. ..... महाद्वीप में विश्व का सघनतम रेलमार्ग पाया जाता है ?

उत्तर- यूरोप

2. दूरस्थ स्थानों को जोड़ने वाली पक्की सड़के जो 80 मीटर चौड़ी होती है ..... कहलाती है ?

उत्तर- महामार्ग।

3. देश में महामार्ग प्रमुख नगरों को जोड़ते हुए देश में क्रिस-क्रोस करते है?

उत्तर- चीन

4. अन्तर्राष्ट्रीय सीमाओं के सहारे बनाई गई सड़कों को ..... सड़के कहा जाता है।

उत्तर- सीमावर्ती

5. ..... नहर में कुल छः जलबंधक तंत्र है।

उत्तर- पनामा

लघुतरात्मक प्रश्नः-

1. 'बिग इंच' क्या है ?

उत्तर- यह एक पाइपलाइन है जिससे मैक्सिकों की खाड़ी में स्थित तेल के कुओं से संयुक्त राज्य अमेरिका के उत्तरी राज्यों तक तेल पहुंचाया जाता है।

2. 'वृहद ट्रंक मार्ग' क्या है ?

उत्तर- उत्तरी अटलांटिक समुद्री मार्ग जो विश्व का सबसे व्यस्ततम समुद्री मार्ग है, को वृहद ट्रंक मार्ग कहा जाता है।
इस मार्ग से विश्व का एक चौथाई व्यापार होता है।
- यह मार्ग औद्योगिक दृष्टि से विकसित विश्व के दो प्रदेशों उतरी पूर्वी संयुक्त अमेरिका और पश्चिमी यूरोप को जोड़ता है।

3. परिवहन का सबसे सस्ता साधन कौनसा है व क्यों ?

उत्तर- परिवहन का सबसे सस्ता साधन जल परिवहन है। जल परिवहन के सबसे सस्ता होने के निम्नलिखित कारण है।
1. इसमें जल का घर्षण स्थल की अपेक्षा बहुत कम होता है।
2. परिवहन के इस साधन में ऊर्जा लागत भी बहुत कम है।

4. वर्तमान समय में भारत में आन्तरिक जलमार्ग के रूप में नदी मार्ग अपनी महता खो चुका है, व्याख्या कीजिए।

उत्तर- वर्तमान समय में भारत में आन्तरिक जलमार्ग के रूप में नदी मार्ग अपनी महता खो चुका है इसके निम्नलिखित कारण है।
1. नदी जल मार्ग की रेलमार्ग के संदर्भ में प्रतिद्वंदता।
2. सिंचाई इत्यादि कार्यो में जल के उपयोग से जल की पर्याप्त मात्रा सुलभ न होना।
3. नदी जल मार्ग का रखरखाव अत्यंत खराब।

5. विकसित देशों में आन्तरिक जलमार्ग के रूप में नदियों की सार्थकता व्यापार व परिवहन में पुनः स्थापित होने के कारण लिखिए।

उत्तर- विकसित देशों में आंतरिक जलमार्ग के रूप में नदियों की सार्थकता व्यापार व परिवहन में पुनः स्थापित होने के कारण निम्नलिखित है।
1. नदी तल का गहरा करके।
2. नदी तल को स्थिर करके।
3. बांध बनाकर जल प्रवाह को नियंत्रित करके।

6. विभिन्न देशों में बोझा ढोने वाले पशुओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर- 1. घोड़ाः- इसका उपयोग पश्चिमी देशों में भारवाही पशुओं के रूप में किया जाता है।
2. कुत्ते व रेण्डियर - इनका उपयोग उतरी अमेरिका, उतरी यूरोप और साइबेरिया के हिमाचल मैदानों में स्लेज को खीचने के लिए किया जाता है।
3. खच्चर- पर्वतीय क्षेत्रों में
4. ऊँट- इसका उपयोग मरूस्थलीय क्षेत्रो में किया जाता है।
5. बैल- भारत में बैलों का प्रयोग छकड़ों को खींचने के लिए किया जाता है।

7. परिवहन एक संगठित सेवा उद्योग है, व्याख्या कीजिए-

उत्तर- परिवहन एक संगठित सेवा उद्योग है इसकी व्याख्या निम्नलिखित पक्षों (तर्को) द्वारा की जा सकती है।
1. परिवहन के माध्यम से लोगों तथा समाज की आधारभूत आवश्यकताओं की पूर्ति की जाती है।
2. परिवहन के अन्तर्गत विभिन्न संस्थाओं का समावेश किया गया है जो परिवहन मार्गो के निर्माण तथा उनके रखरखाव का कार्य करती है।
3. विभिन्न प्रकार के परिवहन के साधन देश की प्रतिरक्षा को मजबूत करते है।
4. दक्ष संचार व्यवस्था तथा तीव्रगामी परिवहन देश के विभिन्न इलाकों (क्षेत्रों) में फैले लोगों के बीच सहयोग तथा एकता बढ़ाते है।

8. परिवहन (यातायात) के अन्य साधनों से मंहगा होते हुए भी वायु परिवहन (यातायात) अपरिहार्य (जरूरी) है क्यों? दो कारण लिखिए-

उत्तर- वायुपरिवहन के अपरिहार्य होने के निम्नलिखित कारण है।
1. यह तीव्रगामी परिवहन का साधन होने के कारण लम्बी दूरी की यात्रा हेतु यात्री इसे वरीयता देते है।
2. मूल्यवान वस्तुओं को तेजी से पूरे विश्व में कहीं भी भेजी जा सकती है।
3. अगम्य क्षेत्रों जैसे पर्वतीय, हीमक्षेत्र तथा विषम मरूस्थलों में पहुंचने का एकमात्र साधन।
4. प्राकृतिक आपदा जैसे- भू-स्खलन, ऐवेलांश, बाढ़ तथा भूकम्प के समय वायु परिवहन ही एकमात्र विकल्प होता है।

शेखावाटी मिशन-100

9. यदि आप तीव्रगामी परिवहन का विकास करना चाहते है तो आप कौनसे परिवहन का चयन करेंगे तथा उसके विकास हेतु दो सुझाव दीजिए-

उत्तर- तीव्रगामी परिवहन के विकास हेतु वायु परिवहन का चयन सर्वाधिक उपर्युक्त होगा। वायु परिवहन के विकास हेतु सुझाव निम्नलिखित है-

1. वायुयानों के निर्माण तथा उनकी कार्यप्रणाली हेतु अत्यंत विकसित अवस्थापनात्मक सुविधाओं जैसे- विमानशाला, भूमि पर उतारने, ईंधन तथा रख-रखाव की सुविधाओं का निर्माण करके।
2. अत्यधिक संख्या में हवाई पतनों का निर्माण करके।

10. यदि आप सीमेंट का अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार करना चाहते है तो आप परिवहन के किस साधन का चयन करेंगे व क्यों ?

उत्तर- सीमेंट के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार हेतु जल परिवहन का चयन करेंगे। इसके निम्नलिखित कारण है-

1. जल परिवहन भारी व स्थूल सामग्री को परिवहन करने का सर्वाधिक उपर्युक्त साधन है।
2. यह परिवहन का सबसे सस्ता साधन है।

11. विश्व के किन्हीं तीन ट्रांस महाद्वीपीय रेलमार्गो के नाम लिखिए-

उत्तर- विश्व के प्रमुख ट्रांस महाद्वीपीय रेलमार्ग-

1. पार-साइबेरियन रेलमार्ग
2. पार-कनेडियन रेलमार्ग
3. आस्ट्रेलियाई पार-महाद्वीपीय रेलमार्ग
4. ओरियण्ट एक्सप्रेस
5. संघ एवं प्रशांत रेलमार्ग

12. न्यूयार्क से सैनफ्रांसिस्को की यात्रा हेतु किस रेलमार्ग का उपयोग करेंगे तथा किन दो शहरों से गुजरेंगे।

उत्तर- न्यूयार्क से सैनफ्रांसिस्को की यात्रा हेतु संघ एवं प्रशांत रेलमार्ग का उपयोग करेंगे।

इस मार्ग के दो शहरों के नाम-

1. क्लीवलैंड
2. शिकागो
3. ओमाह
4. आग्डन
5. सेक्रामेंटो

13. सेंट पीटसबर्ग से ब्लाडिबोस्टक की यात्रा हेतु किस रेलमार्ग का उपयोग करेंगे तथा किन दो शहरों से गुजरेंगे।

उत्तर- सेंट पीटसबर्ग से ब्लाडिवोस्टक की यात्रा हेतु पार साइबेरियन रेलमार्ग का उपयोग करेंगे।

- प्रमुख शहर - मोस्को, कजान, ट्यूमिन, नोवोसिबिर्स्क।

14. ट्रांस साइबेरियन रेलमार्ग की व्याख्या निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर कीजिए।

अ. रेलमार्ग का विस्तार

ब. मार्ग से आने वाले प्रमुख पर्वत व नदियां

स. महत्वपूर्ण केन्द्र।

उत्तर- अ. रेलमार्ग का विस्तार- रूस में स्थित एशिया का सबसे महत्वपूर्ण एवं विश्व का सर्वाधिक लम्बा 9322 किमी. दोहरे मार्ग युक्त विद्युतिकृत पार महाद्वीपीय रेलमार्ग है जो पीटसबर्ग को ब्लाडिवास्टक से जोड़ता है। यह एशियाई प्रदेश को पश्चिमी यूरोपीय बाजारों से जोड़ता है।

ब. मार्ग में आने वाले प्रमुख पर्वत व नदियां-

प्रमुख पर्वत- यूराल पर्वत

प्रमुख नदियां - ओब व येनेसी

स. महत्वपूर्ण केन्द्र- 1. चिता (महत्वपूर्णकृषि केन्द्र)

2. इरकुस्टस्क (फर केन्द्र)

15. एशियाई प्रदेश के बाजार को पश्चिमी यूरोपीय बाजारों से जोड़ने वाला पार महाद्वीपीय रेलमार्ग कौनसा है ?

उत्तर- पार साइबेरियन रेलमार्ग

16. पर्थ से सिडनी तक की यात्रा हेतु किस रेलमार्ग का उपयोग करेंगे तथा किन दो शहरों से गुजरेंगे।

उत्तर- पर्थ से सिडनी तक यात्रा हेतु आस्ट्रेलियाई पारमहाद्वीपीय रेलमार्ग का उपयोग करेंगे।

प्रमुख शहर- कलगुर्ली, ब्रोकनहिल, पोर्ट अगस्ता।

17. ओरिएंट एक्सप्रेस रेलमार्ग पर टिप्पणी लिखिए।

उत्तर- 1. विस्तारः- पेरिस से इस्ताम्बुल तक।

2. प्रमुख शहरः- स्ट्रैस्बर्ग, म्यूनिख, विएना, बुडापेस्ट और बेलग्रेड।

3. प्रमुख निर्यातित वस्तुएं- पनीर, सुअर का मास, सुई,शराब, फल तथा मशीनरी।

18. पार कैनेडियन रेलमार्ग की व्याख्या निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर कीजिए।

अ. विस्तार
ब. प्रमुख शहर
स. निर्माण का उद्देश्य
द. रेलमार्ग का महत्व
य. निर्यातित वस्तुएं

उत्तर- अ. विस्तार- कनाडा में स्थित 7050 किलोमीटर लम्बा रेलमार्ग जो पूर्व में हैलीफैक्स को पश्चिम से बैंकूवर से जोड़ता है।

ब. प्रमुख शहर - माण्ट्रियल, ओटावा, विनीपेग तथा कैलगरी।

स. निर्माण का उद्देश्य - 1886 में ब्रिटिश कोलम्बिया को दो राज्यों के संघ में शामिल करने के उद्देश्य से निर्मित किया गया।

द. रेलमार्ग का महत्व- क्यूबेक- मॉण्ट्रियल औद्योगिक प्रदेश की गेहूं मेखला और उत्तर में शुंकधारी वन प्रदेश से जोड़ने के कारण इस रेलमार्ग का महत्व बढ़ गया है।

य. निर्यातित वस्तुएं- गेहूं व माँस।

19. स्वेज नहर की व्याख्या निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर कीजिए-

अ. स्थिति
ब. जल बंधक
स. प्रभावित देश
द. लम्बाई व गहराई,
य. प्रमुख पतन

उत्तर- अ. स्थिति - स्वेज नहर मिश्र देश में स्थित है जिसका निर्माण 1869 में भूमध्यसागर एवं लाल सागर को जोड़ने के लिए किया गया है।

ब. जलबंधक - स्वेज नहर में कोई जलबंधक नहीं है।

स. प्रभावित होने वाले क्षेत्र - स्वेज नहर से यूरोप तथा दक्षिणी एशिया के देशों को अत्यधिक लाभ मिला है। इनमें इंग्लैण्ड, फ्रांस, मिश्र, इजराइल, भारत, श्रीलंका, म्यांमार आदि देश है।

द. लम्बाई व गहराई - इस नहर की लम्बाई 160 किलोमीटर है तथा गहराई 11 से 15 मीटर है।

य. प्रमुख पतन - पोर्ट सईद, पोर्ट स्वेज, अल कटारा पतन, इस्माइलिया पतन पोर्ट फईद आदि प्रमुख पतन है।

शेखावाटी मिशन-100

20. पनामा नहर की व्याख्या निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर कीजिए-

अ. स्थिति — ब. जलबंधक

स. प्रभावित होने वाले देश — द. लम्बाई व गहराई

उत्तर- अ. स्थिति- पनामा नहर पूर्व में अटलांटिक महासागर को पश्चिम में प्रशांत महासागर से जोड़ती है। इसका निर्माण पनामा जलडमरू के आर-पार पनामा नगर एवं कोलोन के बीच संयुक्त राज्य अमेरिका के द्वारा किया गया।

ब. जलबंधक - पनामा नहर में कुल 6 जल बंधक है।

स. प्रभावित होने वाले देश- इस नहर से सबसे अधिक प्रभावित देश संयुक्त राज्य अमेरिका तथा पनामा है। इनके अलावा पश्चिमी यूरोप तथा पूर्वी एवं दक्षिणी पूर्वी एशिया के देश भी प्रभावित हुए है।

द. लम्बाई व गहराई - यह नहर लगभग 72 किलोमीटर लम्बी है।

21. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए।

आंतरिक जलमार्ग	अवस्थित देश
अ. राइन जलमार्ग	1. पूर्वी यूरोपीय देश
ब. डेन्यूब जलमार्ग	2. रूस
स. वोल्गा जलमार्ग	3. उतरी अमेरिका के उतरी देश
द. वृहद झील एवं सेंटलारेंस समुद्री मार्ग	4. जर्मनी, नीदरलैण्ड, स्वीटजरलैण्ड, फ्रांस, बेल्जियम

उत्तर-

आन्तरिक जलमार्ग	अवस्थित देश
अ. राइन जलमार्ग	1. जर्मनी, नीदरलैण्ड, स्वी., फ्रांस., बे.
ब. डेन्यूब जलमार्ग	2. पूर्वी यूरोपीय देश
स. वोल्गा जलमार्ग	3. रूस
द. वृहदझील एवं सेंटलारेंस समुद्री मार्ग	4. उतरी अमेरिका के उतरी भाग

22. साइबर स्पेस-इंटरनेट से आप क्या समझते है ?

उत्तर- साइबर स्पेस विद्युत द्वारा कम्प्यूटरीकृत स्पेस का संसार है। यह वर्ल्ड वाइड वेबसाइट जैसे इंटरनेट द्वारा आवृत है। यह भेजने वाले और प्राप्त करने वाले के शारीरिक संचलन के बिना कम्प्यूटर पर सूचनाओं के प्रेषण और प्राप्ति की विद्युतीय अंकीय दुनिया है। इसे इंटरनेट के नाम से भी जाना जाता है साइबर स्पेस प्रत्येक जगह विद्यमान है।

23. उपग्रह विकास के क्षेत्र में भारत द्वारा उठाये गये कदमों के विषय में संक्षेप में लिखिए।

उत्तर- उपग्रह विकास में भारत द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण कदम-

1. 1975 में आर्यभट्ट, 1979 में भास्कर प्रथम का एवं 1980 में रोहिणी का प्रक्षेपण किया।

2. 1981 में एप्पल को प्रक्षेपण एरियन राकेट द्वारा किया गया।

3. भास्कर, चैलेंजर तथा इन्सेट-1 बी नामक उपग्रहों के प्रक्षेपण ने लम्बी दूरी के संचार, दूरदर्शन तथा रेडियो को अत्यधिक प्रभावी बना दिया है।

24. सीमावर्ती सड़कों से आप क्या समझते है तथा इनका महत्व बताइए।

उत्तर- अन्तर्राष्ट्रीय सीमाओं के सहारे बनाई गई सड़कों को सीमावर्ती सड़के कहा जाता है।

महत्वः- यह सड़के सीमावर्ती गाँवों तथा सैन्य शिविरों तक वस्तुएं पहुंचाने हेतु बनाई जाती है।

25. परिवहन एवं संचार में अन्तर बताइये।

उत्तर- परिवहन	संचार
1. वस्तुओं तथा व्यक्तियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक लाने व ले जाने के साधन परिवहन कहलाते है।	1. संदेश व विचारों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक भेजने के माध्यम को संचार कहते है।
2. परिवहन के प्रमुख साधन- रेल सड़क जलमार्ग, वायुमार्ग एवं पाइप लाइन है।	2. संचार के प्रमुख साधन तार, टेलिविजन, रेडियो, इंटरनेट आदि है।

26. विश्व के किन्हीं तीन आंतरिक जलमार्गो के नाम लिखिए।

उत्तर- विश्व के प्रमुख आन्तरिक जलमार्ग

1. राइन जलमार्ग — 2. डेन्यूब जलमार्ग
3. वोल्गा जलमार्ग
4. वृहदझील एवं सेंट लारेंस समुद्री मार्ग
5. मिसीसिपी जलमार्ग

27. पाइपलाइन से परिवहित किये जाने वाले तीन पदार्थो के नाम लिखिए।

उत्तर- 1. जल — 2. पैट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस
3. दूध (न्यूजीलैण्ड में)

28. परिवहन जाल से आप क्या समझते है ?

उत्तर- अनेक स्थान जिन्हें परस्पर मार्गों की श्रेणियों द्वारा जोड़ दिये जाने पर जिस प्रारूप का निर्माण होता है उसे परिवहन जाल कहते है।

29. आन्तरिक जलमार्ग के विकास की कोई दो अनुकूल दशाएं लिखिए।

उत्तर- 1. नदी या नहर चौड़ी, गहरी एवं गाद से मुक्त होनी चाहिए।
2. जल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होना चाहिए।

अध्याय-9 अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार

1. पतन कौन-कौन सी सुविधाएँ प्रदान करता है तथा विशिष्टीकृत क्रियाकलापों के आधार पर तीन प्रकार के पतनों के नाम लिखिए ?

उत्तर- पतन जहाज के लिए गोदी लादने, उतारने तथा भण्डारण की सुविधा प्रदान करते है।

- विशिष्टीकृत क्रियाकलापों के आधार पर पतनों के प्रकार-

1. तेल पतन — 2. मार्ग पतन (विश्राम पतन)
3. पैकेट स्टेशन फेरी पतन) — 4. आंत्रपो पतन 5. नौसेना पतन।

2. व्यापार से क्या अभिप्राय है, व्यापार कौनसी आर्थिक क्रिया है तथा व्यापार के दो स्तर लिखिए ?

उत्तर- व्यापार- व्यापार से अभिप्राय वस्तुओं तथा सेवाओं के स्वैच्छिक आदान-प्रदान से है।

- व्यापार तृतीयक आर्थिक क्रिया है।
- व्यापार के दो स्तर- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार तथा राष्ट्रीय व्यापार

3. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से क्या अभिप्राय है ?

उत्तर- विभिन्न राष्ट्रों के बीच राष्ट्रीय सीमाओं के आर-पार वस्तुओं और सेवाओं के आदान-प्रदान को अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार कहा जाता है।

4. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के कोई तीन आधार लिखिए

उत्तर- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के आधार-

1. राष्ट्रीय संसाधनों में भिन्नता — 2. जनसंख्या कारक
3. आर्थिक विकास की प्रावस्था — 4. विदेशी निवेश की सीमा
5. परिवहन

शेखावाटी मिशन-100

5. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के लाभ लिखिए ?
अथवा अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से कोई राष्ट्र किस प्रकार लाभ प्राप्त कर सकता है ?

उत्तर- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से लाभ - 1. यह वस्तुओं एवं सेवाओं के मूल्य नियंत्रण में प्रभावी भूमिका निभाता है।
2. इसमें बाह्यस्रोत जैसे कार्यों से रोजगार सृजन होता है।
3. इससे राष्ट्रों का आर्थिक विकास होता है।
4. इससे राष्ट्रों के अन्तर्राष्ट्रीय सम्बंधों में सुधार होता है, साथ ही सामाजिक व सांस्कृतिक विकास होता है।

6. किन्हीं तीन प्रादेशिक व्यापार समूहों के नाम लिखिए ?

उत्तर- प्रादेशिक व्यापार समूह (संगठन)-
1. आसियान (ASEAN)
2. ओपेक (OPEC) - आर्गेनाइजेशन ऑफ पैट्रोलियम एक्सपोर्टिंग कंट्रीज
3. नाफ्टा (NAFTA) - नॉर्थ अमेरिकन फ्री ट्रेड एसोसिएशन
4. साफ्टा (SAFTA) - साऊथ एशियन फ्री ट्रेड एग्रीमेंट
5. ई. यू. (E. U.) - यूरोपीय यूनियन
6. CIS
7. LAIA लैटीन अमेरिकन इंटीग्रेशन ऐसोसिएशन ।

7. एशिया महाद्वीप के दो प्रादेशिक व्यापार समूहों के नाम लिखिए।

उत्तर- 1. आसियान (ASEAN) - ऐसोसिएशन ऑफ साऊथइस्ट एशियन नेशन्स
2. साफ्टा (SAFTA)- साऊथ एशियन फ्री ट्रेड एग्रीमेंट

8. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए-

प्रादेशिक समूह (संगठन)	मुख्यालय
अ. ओपेक	1. जकार्ता
ब. ई. यू.	2. ब्रुसेल्स
स. आसियान	3. मान्टेविडियो
द. LAIA	4. वियना

उत्तर-

प्रादेशिक समूह	मुख्यालय
अ. ओपेक	1. वियना
ब. ई. यू.	2. ब्रुसेल्स
स. आसियान	3. जकार्ता
द. LAIA	4. मोन्टे विडियों

9. ओपेक क्या है ?

उत्तर- पैट्रोलियम उत्पादक 13 देशों का संगठन है जिसका मुख्यालय वियना (आस्ट्रिया) में है।

10. प्राचीन काल में व्यापार हेतु विनिमय व्यवस्था क्या थी ?

उत्तर- प्राचीन काल में विनिमय व्यवस्था आदिम समाज में व्यापार का तरीका भी जिसमें वस्तु के बदले वस्तु का आदान-प्रदान होता था। यह व्यवस्था वर्तमान समय में गुवाहाटी के पास जॉन बील मेले में देखने को मिलती है।

11. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रकार लिखिए ?
अथवा
द्विपार्श्विक व बहुपार्श्विक व्यापार में क्या अन्तर है ?

उत्तर- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के दो प्रकार है-
1. द्विपार्श्विक व्यापार- इसमें व्यापार दो देशों द्वारा एक-दूसरे के साथ किया जाता है।
2. बहुपार्श्विक व्यापार- इसमें व्यापार बहुत से व्यापारिक देशों के साथ किया जाता है।

12. रेशम मार्ग से आप क्या समझते है ?

उत्तर- प्राचीनकाल में रोम को चीन से जोड़ने वाले 6000 किलोमीटर लम्बे मार्ग को रेशम मार्ग कहा जाता था। इस मार्ग से भारत, पर्शिया (इरान) और मध्य एशिया के व्यापारी चीन में बने रेशम, रोम की ऊन तथा बहुमूल्य धातुओं एवं अन्य महंगी वस्तुओं का व्यापार करते थे।

13. दास व्यापार से क्या तात्पर्य है ?

उत्तर- 15 वीं शताब्दी में पुर्तगाली, डच, स्पेनिश तथा अंग्रेज लोगों द्वारा अफ्रीकी मूल के लोगों को जबरन पकड़कर दूसरे देशों में बागानों में श्रमिकों के रूप में कार्य करवाया जाता था जिसे दास व्यापार कहा गया।

14. मुक्त व्यापार से आप क्या समझते है, इसका अर्थव्यवस्था पर क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर- व्यापार हेतु अर्थव्यवस्थाओं को खोलने का कार्य मुक्त व्यापार अथवा व्यापार उदारीकरण कहलाता है। यह कार्य व्यापारिक अवरोधों जैसे सीमा शुल्क घटाकर किया जाता है।
- मुक्त व्यापार का प्रभावः- विकासशील देशों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है क्योंकि इसमें उन देशों के बाजारों को विकसित होने के समान अवसर प्राप्त नहीं होते।

15. 'डंप करना' से आप क्या समझते है ?

उत्तर- एक ही वस्तु को दो देशों में अलग-अलग कीमत पर बेचने (विक्रय) की प्रथा को डप करना कहा जाता है। यह लागत कारण से नहीं अपितु अन्य कारणों से किया जाता है।

16. पतन अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रवेश द्वार है, कथन की व्याख्या कीजिए ?

उत्तर- इन पतनों द्वारा जहाजी माल तथा यात्री विश्व के एक भाग से दूसरे भाग को जाते है। साथ ही पतन जहाज के लिए गोदी लादने, उतारने तथा भण्डारण की सुविधा प्रदान करते है।

17. पैकेट स्टेशन (फेरी पतन) क्या है तथा इन पतनों के उदाहरण लिखिए?

उत्तर- पैकेट स्टेशन (फेरी पतन) का छोटे समुद्री मार्ग से आवागमन करने वाले यात्रियों को उतारने तथा चढ़ाने तथा डाक लाने व ले जाने के लिए प्रयोग किया जाता है।
उदाहरण- इंग्लिस चैनल के आर-पार इंग्लैण्ड में डोवर तथा फ्रांस में कैलाइस।

18. आन्त्रपो पतन क्या है तथा इन पतनों के उदाहरण लिखिए ?

उत्तर- ये पतन एकत्रण के केन्द्र के रूप में कार्य करते है जहां विभिन्न देशों से निर्यात हेतु वस्तुएं लाई जाती है।
उदाहरण- सिंगापुर, कोपेनहेगेन, रोटरडम पतन।

19. विश्राम पतन (मार्ग पतन) क्या है तथा इन पतनों के उदाहरण लिखिए ?

उत्तर- ये पतन मुख्य समुद्री मार्गो पर विश्राम केन्द्र के रूप में कार्य करते है जहाँ पर जहाज ईधन भरने, जल भरने तथा खाद्य सामग्री के लिए रूकते है।
उदाहरण - सिंगापुर, अदन, होनोलूलू पतन

20. तेल पतन क्या है तथा इसके उदाहरण लिखिए।
अथवा
तेलशोधन पतन तथा टैंकर पतन क्या है ?

उत्तर- ये पतन तेल प्रक्रमण तथा नौ परिवहन का कार्य करते है जिन्हें क्रमशः तेल शोधन पतन तथा टैंकर पतन कहा जाता है।
उदाहरण - मराकाइबा, एस्कार, त्रिपोली पतन।

शेखावाटी मिशन-100

21. नौसेना पतन क्या है तथा इसके उदाहरण लिखिए।

उत्तर- ये केवल सामाजिक पतन है जो केवल युद्धक जहाजों को सेवाएं देते है।
उदाहरण- कोच्चि तथा कारवाड़

22. भारत के किन्हीं दो नौसेना पतनों के नाम लिखिए।

उत्तर- 1. कोच्चि 2. कारवाड़

23. विश्व व्यापार संगठन (WTO) का स्थापना वर्ष, मुख्यालय तथा सदस्य राष्ट्र के बारे में लिखिए।

उत्तर- विश्व व्यापार संगठन की स्थापना - जनवरी 1995 में।
मुख्यालय- जिनेवा (स्विट्जरलैण्ड) में।
सदस्य राष्ट्रों की संख्या- 2016 में इसके सदस्य राष्ट्र 164 थे।

24. विश्व व्यापार संगठन (WTO) का उद्देश्य लिखिए ?

उत्तर- विश्व व्यापार संगठन का उद्देश्य राष्ट्रों के बीच मुक्त व निष्पक्ष व्यापार को बढ़ावा देना है।

25. विश्व व्यापार संगठन (WTO) के कार्य लिखिए?

उत्तर- WTO के कार्य- 1. यह देशों के बीच व्यापार के वैश्विक नियमों को विनियमित करता है।
2. सदस्य राष्ट्रों के बीच व्यापार के विवादों का निपटारा करता है।
3. विश्व व्यापारी तंत्र के नियमों को नियत करता है।

26. ऋणात्मक भुगतान संतुलन का होना किसी देश के लिए हानिकारक क्यों होता है ?

उत्तर- ऋणात्मक भुगतान संतुलन से तात्पर्य है कि कोई देश वस्तुओं के क्रय पर व्यय अधिक करता है, जितना की उसे विक्रय से प्राप्त होता है। ऋणात्मक भुगतान संतुलन से धीरे-धीरे उस देश का वितीय संचयन (मुद्रा भण्डार) समाप्त होता जाता है।

27. व्यापार संतुलन से क्या तात्पर्य है ? ऋणात्मक (प्रतिकूल) तथा धनात्मक (अनुकूल) व्यापार संतुलन क्या है।

उत्तर- व्यापार संतुलन - एक देश द्वारा अन्य देशों को आयात व निर्यात की गई वस्तुओं एवं सेवाओं का लेखा-जोखा है।
ऋणात्मक (प्रतिकूल) व्यापार संतुलन- जब आयात का मूल्य देश के निर्यात के मूल्य से अधिक हो तो ऐसी स्थिति ऋणात्मक (प्रतिकूल) व्यापार संतुलन कहलाती है।

28. 'सर्वाधिक अनुकूल राष्ट्र' से आप क्या समझते है ?

उत्तर- सर्वाधिक अनुकूल राष्ट्र का अर्थ विशेष तरजीह (विशेष सुविधा) देना। इसके तहत कोई भी देश अपने व्यापारिक साझेदार देशों को सीमा शुल्क के मामले में विशेष सुविधा (रियायत अथवा तरजीह) देता है। यह दर्जा व्यापार को बढ़ाने के लिए दिया जाता है।

29. GATT क्या है ? (जनरल एग्रीमेंट ऑन ट्रेड एण्ड टैरिफ)

उत्तर- 1948 में गठित संगठन जिसका उद्देश्य व्यापार को उच्च सीमा शुल्क तथा विभिन्न अन्य बाधाओं से मुक्त करना था। 1995 में GATT को WTO में बदल दिया गया।

30. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के तीन पक्ष लिखिए।

उत्तर- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के पक्ष-
1. व्यापार का परिमाण- व्यापार की गई वस्तुओं एव सेवाओं के कुल मूल्य को व्यापार का परिमाण कहा जाता है।
2. व्यापार संयोजन - देशों द्वारा आयातित तथा निर्यातीत वस्तुओं और सेवाओं के प्रकार में परिवर्तन होता रहता है आरम्भ में प्राथमिक उत्पादों का व्यापार प्रधान था, बाद में विनिर्मित वस्तुओं का व्यापार प्रमुखता से तथा वर्तमान में सेवा क्षेत्र की प्रमुखता है।
3. व्यापार की दिशा- समय के साथ व्यापार की दिशा में परिवर्तन होता रहता है।

31. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के आधार में ''राष्ट्रीय संसाधनों में भिन्नता'' से क्या तात्पर्य है ?

उत्तर- भौतिक संरचना जैसे भूविज्ञान, उच्चावच, मृदा व जलवायु में भिन्नता के कारण विश्व के राष्ट्रीय संसाधन असमान रूप से वितरित है। जैसे - खनिज संसाधनों की उपलब्धता, औद्योगिक विकास का आधार है।

32. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के आधार में जनसंख्या कारक का क्या महत्व है।

उत्तर- विभिन्न देशों में जनसंख्या के आकार, वितरण तथा उसकी विविधता व्यापार की गई वस्तुओं के प्रकार तथा मात्रा को प्रभावित करती है जैसे सघन बसे देशों में आन्तरिक व्यापार अधिक जबकि बाह्य व्यापार न्यून होता है।

33. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के आधार में परिवहन का क्या महत्व है ?

उत्तर- रेल, समुद्री, वायु परिवहन के विस्तार होने से तथा प्रशीतन एवं परिरक्षण के बेहतर साधनों के विकास से व्यापार का विस्तार हुआ है।

34. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार तथा राष्ट्रीय व्यापार में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार- विभिन्न देशों के बीच राष्ट्रीय सीमाओं के आर-पार वस्तुओं और सेवाओं के आदान-प्रदान को कहा जाता है।
राष्ट्रीय व्यापार- किसी देश के विभिन्न राज्यों के मध्य वस्तुओं एवं सेवाओं का आदान-प्रदान होता है। उसे राष्ट्रीय व्यापार कहा जाता है।

35. विश्व व्यापार में सम्मिलित किन्हीं तीन व्यापारिक वस्तुओं के नाम लिखिए।

उत्तर- विश्व व्यापार में शामिल प्रमुख व्यापारिक वस्तुएं-
1. मशीनरी व परिवहन उपकरण
2. ईंधन एवं खनिज
3. रसायन
4. लौह इस्पात तथा वस्त्र
5. स्वचालित उत्पाद

36. अवस्थिति के आधार पर पतनों के प्रकार बताइये?

अथवा

अन्तर्देशिय पतन तथा बाह्य पतन में अन्तर बताइये ?

उत्तर- अन्तर्देशिय पतन - ये पतन समुद्र तल से दूर स्थित होते है जो नदी या नहर द्वारा समुद्र से जुड़े रहते है। अन्तर्देशिय पतन कहलाते है।
बाह्य पतन -ये पतन गहरे जल के पतन है जो वास्तविक पतन से दूर बने होते है यहां पर जहाज पहुंचते है बाह्य पतन कहलाते है।

37. व्यापार संयोजन के दो उद्देश्य लिखिए।

उत्तर- 1. व्यापार संयोजन से विभिन्न प्रकार के उत्पादों के आयात-निर्यात में हुए परिवर्तनों का ज्ञान प्राप्त होता है।
2. इससे विश्व व्यापार में महाद्वीपों एवं विभिन्न देशों की हिस्सेदारी में हुए परिवर्तन की जानकारी प्राप्त होती है।

38. पतनों के पृष्ठ प्रदेश से क्या तात्पर्य है ?

उत्तर- पृष्ठ प्रदेश किसी पतन का स्थल की ओर विस्तृत भाग है जिससे आयात की जाने वाले वस्तुओं का वितरण तथा निर्यात की जाने वाली वस्तुओं का संग्रह किया जाता है।

शेखावाटी मिशन-100

39. व्यापारिक समूहों द्वारा राष्ट्रों को प्राप्त होने वाले लाभ बताइये।

उत्तर- 1. व्यापारिक समूहों द्वारा राष्ट्रों के बीच होने वाले व्यापार में विभिन्न मदों में भौगोलिक सामीप्य, समरूपता तथा पूरकता प्राप्त होती है।

2. इसके द्वारा विभिन्न देशों के बीच व्यापार बढ़ाने तथा व्यापारिक प्रतिबंध हटाने में मदद मिलती है।

3. इनके सदस्य देशों को व्यापार शुल्क से मुक्ति मिलती है तथा मुक्त व्यापार को प्रोत्साहन मिलता है।

अध्याय - 10 मानव बस्ती

1. वर्ष 2017 के अनुसार विश्व में नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत है-
(1) 48 (2) 54
(3) 37 (4) 61 (2)

2. किस प्रकार की बस्तियाँ सड़क नदी या नहर के किनारे होती है ?
(1) वृत्ताकार (2) चौक पट्टी
(3) रेखीय (4) वर्गाकार (3)

3. ग्रामीण बस्तियों की मुख्य आर्थिक क्रिया है ?
(1) प्राथमिक (2) द्वितीयक
(3) तृतीयक (4) चतुर्थ (1)

4. 2006 के प्रारम्भ में भारत में कितने मिलियन सिटी थे ?
(1) 40 (2) 41
(3) 42 (4) 43 (1)

5. सन् 1915 में सन्नगर शब्दावली का प्रयोग किसने किया ?
(1) लेविस ममफोर्ड (2) ग्रिफिथ टेलर
(3) जीन गोटमेन (4) पैट्रिक गिडिज (4)

6. सन् 1957 में विश्वनगरी (मेगालोपोलिस) शब्द का प्रयोग किसने किया?
(1) लेविस ममफोर्ड (2) ग्रिफिथ टेलर
(3) जीन गोटमेन (4) पेट्रिक गिडिज (3)

7. ''वास्तव में शहर उच्च एवं अधिक जटिल प्रकार के सहचारी जीवन का भौतिक रूप है।'' यह कथन किसका है ?
(1) लेविस ममफोर्ड (2) ग्रिफिथ टेलर
(3) जीन गोटमेन (4) पेट्रिक गिडिज (1)

8. जब सड़के एक दूसरे को समकोण पर काटती है तो ग्रामीण बस्तियों के किस प्रतिरूप का विकास होगा ?
(1) रेखीय (2) आयताकार
(3) वृत्ताकार (4) ताराकार (2)

9. झीलों एवं तालाबों के चारों ओर किस प्रकार का ग्रामीण बस्ती प्रतिरूप का निर्माण होता है ?
(1) आयताकार (2) रेखीय
(3) वर्गाकार (4) वृत्ताकार (4)

10. सन् 1950 में विश्व की प्रथम मेगासिटी होने का श्रेय किसने प्राप्त किया था ?
(1) टोक्यों (2) लंदन
(3) न्यूयार्क (4) पेरिस (3)

11. मिलियन सिटी किसे कहते है ? विश्व का प्रथम मिलियन सिटी बनने का श्रेय किसे प्राप्त हुआ ?

उत्तर- ऐसे शहर जो वित्तीय संस्थान, प्रादेशिक प्रशासकीय कार्यालय एवं यातायात के केन्द्र होते है एवं उनकी जनसंख्या 10 लाख से अधिक होती है मिलियन सिटी कहलाते है। विश्व का प्रथम मिलियन सिटी बनने का श्रेय सन् 1800 में लंदन को प्राप्त हुआ।

12. मानव बस्ती किसे कहते है ?

उत्तर- मानव आवासों के संगठित समूह को मानव बस्ती कहा जाता है। मानव बस्ती मानव भूगोल के अध्ययन का केन्द्र है।

13. उपनगरीकरण क्या है ?

उत्तर- मानव द्वारा मुख्य नगर से हटकर बाहर स्वच्छ एवं खुले क्षेत्रों में अधिवासों का निर्माण करना जिसके उपरान्त शहर के समीप उपनगर का निर्माण हो जाता है जहां से प्रतिदिन हजारों व्यक्ति अपने घरों से कार्य स्थलों पर आते-जाते रहते है।

14. सन्नगर किसे कहते है। उदाहरण दीजिए।

उत्तर- अलग-अलग नगर आपस में मिलकर विशाल नगरीय क्षेत्र का निर्माण करते है जिसे सन्नगर कहते है। उदाहरण- ग्रेटर लन्दन, शिकागो, टोक्यों।

15. प्रशासनिक नगर क्या है ?

उत्तर- राष्ट्र की राजधानियां जहां पर केन्द्रीय सरकार के प्रशासनिक कार्यालय होते है उन्हें प्रशासनिक नगर कहते है।
उदाहरण- नई दिल्ली, केनबरा, बीजिंग, वांशिगटन डी. सी. लंदन।

16. विश्वनगरी (मेगालोपोलिस) क्या है ?

उत्तर- सन्नगर आपस में जुड़कर बड़े महानगर प्रदेश का निर्माण करते है जिसे विश्वनगरी कहते है इसका सबसे अच्छा उदाहरण यू. एस. ए. में है जहां उत्तर में बोस्टन से दक्षिण में वांशिगटन तक नगरीय भूदृश्य के रूप में दिखाई देता है।

17. केनबरा नगर की योजना का वास्तुकार कौन था ?

उत्तर- अमेरिकन वास्तुविद वाल्टर बरली ग्रिफिन ने 1912 में ऑस्ट्रेलिया की राजधानी के लिए इस उद्यान नगर की योजना बनायी।

18. सांस्कृतिक नगर के उदाहरण लिखिए।

उत्तर- जैरूसलम, मक्का, जगन्नाथ, पुरी, बनारस आदि।

19. 1991 की जनगणना के अनुसार नगरीय बस्ती हेतु निर्धारित मापदण्ड बताइये।

उत्तर- 1. ऐसे स्थान जहां नगरपालिका, निगम छावनी बोर्ड या अधिसूचित नगरीय क्षेत्र समिति हो।
2. कम से कम 5000 व्यक्ति निवास करते हो।
3. 75 प्रतिशत पुरूष श्रमिक गैर कृषि कार्य में सलग्न हो।
4. जनसंख्या घनत्व 400 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी हो।

20. WHO के अनुसार एक स्वस्थ शहर क्या है ?

उत्तर- 1. स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण।
2. सभी निवासियों को आधारभूत आवश्यकताओं की पूर्ति।
3. सभी के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता।

21. संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम ने नगर रणनीति में क्या प्राथमिकताएं बताई है।

उत्तर- 1. नगरीय निर्धनों के लिए आश्रय स्थल में वृद्धि।
2. आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता।
3. वायु प्रदूषण को कम करना।

शेखावाटी मिशन-100

22. अदीस अबाबा (नवीन पुष्प) पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उत्तर- 1. यह इथोपिया की राजधानी है जिसकी स्थापना 1878 में हुई थी।
2. सम्पूर्ण नगर पर्वत घाटी स्थलाकृति पर स्थित है।
3. मरकाटो में बहुत विकसित बाजार है।
4. जिबूती-अदीस अबाबा रेलमार्ग का अंतिम स्टेशन है।

23. ग्रामीण बस्तियों के बसाव को प्रभावित करने वाले कारक लिखिए।

उत्तर- 1. जल आपूर्ति 2. भूमि
3. उच्च भूमि के क्षेत्र 4. गृह निर्माण सामग्री 5. सुरक्षा।

24. आकृति के आधार पर ग्रामीण बस्तियों का वर्गीकरण कीजिए।

उत्तर- आकृति के आधार पर ग्रामीण बस्तियां दो प्रकार की होती है।
1. संहत बस्तीः- इन बस्तियों में मकान एक-दूसरे के समीप होते है। इनका विकास नदी घाटियों के उपजाऊ मैदानों में होता है।
2. प्रकीर्ण बस्तीः- मकान दूर-दूर होते है।
- प्रायः खेतों के द्वारा आवास एक दूसरे से अलग होते है।

25. ग्रामीण एवं नगरीय बस्तियों में अन्तर लिखिए।

उत्तर- ग्रामीण बस्तियाँ	नगरीय बस्तियाँ
1. अधिकतर लोग प्राथमिक क्रियाकलाप में संलग्न होते है।	1. द्वितीयक, तृतीयक, चतुर्थ क्रियाकलाप में संलग्न होते है।
2. जनसंख्या घनत्व कम होता है।	2. जनसंख्या घनत्व अधिक होता है।

26. नम बिन्दु बस्तियाँ क्या है ?

उत्तर- जल स्त्रोतों जैसे नदियाँ, झीले, झरने के समीप स्थित बस्तियाँ नम बिन्दु बस्तियां कहलाती है। नम बिन्दु बस्तियों में पीने खाना बनाने, सिंचाई, मछली पकड़ने इत्यादि कार्यो के लिए जल की आपूर्ति हो जाती है।

27. शुष्क बिन्दु बस्तियाँ क्या है?

उत्तर- मानव द्वारा बाढ़ के द्वारा हाने वाली क्षति से बचाव के लिए ऊँचे क्षेत्र जैसे नदी वैदिकाओं एवं तटबंधों पर निर्मित बस्तियां शुष्क बिन्दु बस्तियां कहलाती है। उष्णकटिबंधीय देशों के दलदली क्षेत्रों के निकट लोग अपने मकान स्तम्भों पर बनाते है ताकि बाढ़ एवं कीडे-मकोड़ों से बचा जा सके।

28. नियोजित बस्तियाँ क्या है ? उदाहरण लिखिए।

उत्तर- सरकार द्वारा अधिगृहित की गई भूमि पर लोगों को आधरभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराकर बस्तियों का विकास करना।
उदाहरण- इथोपिया में सरकार द्वारा ग्रामीणीकरण योजना एवं भारत में इंदिरा गांधी नहर क्षेत्र में नहरी बस्तियों का विकास।
नियोजित नगरः- चंडीगढ़ एवं केनबरा।

29. ग्रामीण बस्तियों की मुख्य समस्याएं लिखिए।

उत्तर- 1. पर्याप्त जल आपूर्ति का अभाव।
2. शौचघर एवं कूड़ा-कचरा निस्तारण का अभाव।
3. कच्ची सड़क व आधुनिक संचार साधनों की कमी।
4. स्वास्थ्य एवं शिक्षा सम्बन्धी सुविधाओं का अभाव।

30. नगरीय बस्तियों की प्रमुख समस्याएँ लिखिए।

उत्तर- 1. गंदी बस्तियों का प्रादुर्भाव।
2. पीने योग्य जल की कमी।
3. जल व वायु प्रदूषण।
4. आवासों की कमी।

31. विकासशील देशों में मानव बस्तियों की प्रमुख समस्याएँ बताइये।

उत्तर- 1. आर्थिक समस्याएँः- रोजगार के घटते अवसर, अकुशल, अर्धकुशल श्रमिकों की संख्या में वृद्धि।, आर्थिक संसाधनों पर दबाव।
2. सामाजिक-सांस्कृतिक समस्याएँः-
- स्वास्थ्य एवं शिक्षा सुविधाओं का गरीब लोगों की पहुंच से बाहर होना।
- बेरोजगारी के कारण अपराधों में बढ़ोतरी।
- लिंगानुपात असंतुलित होना।
3. पर्यावरण सम्बन्धी समस्याएँः-
- घरेलू व औद्योगिक अपशिष्ट के निस्तारण की समस्या।
- वायु प्रदूषण एवं जल प्रदूषण की समस्या।
- जनसंख्या को आवास प्रदान करने के लिए विशाल कंकरीट ढाँचों का निर्माण जिससे नगरों में उष्मद्वीप का निर्माण होता है।

32. ग्रामीण बस्तियों में उत्पन्न समस्याओं के समाधान के लिए उचित सुझाव दीजिए।

उत्तर- 1. रोजगार के अवसरों का सृजन।
2. चिकित्सा एवं शिक्षा सुविधाओं का विस्तार।
3. जल आपूर्ति सुनिश्चित करना।
4. संचार सुविधाओं का विस्तार करना।

33. स्थान (साइट) एवं स्थिति (सिचुएशन) के मध्य अन्तर बताइये।

उत्तर- स्थान (साइट):- स्थान से तात्पर्य उस वास्तविक भूमि से है जिस पर बस्ती विकसित हुई है।
स्थिति (सिचुएशन):- अपने परिवेश के संदर्भ में किसी स्थान पर अवस्थित कोई बस्ती, जिन सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक परिवेश के बीच बसी होती है उन दशाओं को बस्ती की स्थिति कहते है।

34. नगरीय बस्तियों के वर्गीकरण का आधार लिखिए।

उत्तर- 1. जनसंख्या का आकार।
2. व्यावसायिक संरचना।
3. प्रशासन

35. ग्रामीण बस्तियों के सभी प्रतिरूपों का चित्र बनाइये।

उत्तर-

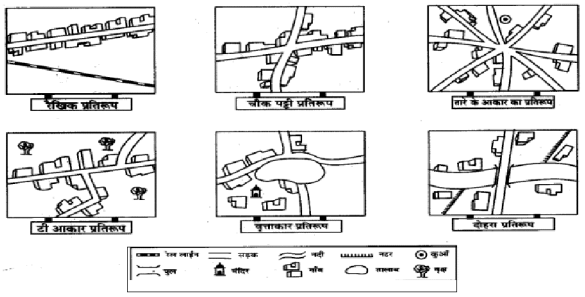

मानचित्र कार्य (विश्व)

1. विश्व के रेखा मानचित्र में निम्नांकित लौह इस्पात के प्रमुख केन्द्रों को दर्शाइये।

उत्तर- 1. शिकागों 2. जमशेदपुर
3. शंघाई 4. मास्को
5. बरमिंघम 6. टोक्यों
7. सेंटपीट्सबर्ग 8. राउरकेला
9. तुला 10. शैफील्ड

शेखावाटी मिशन-100

11. पीट्सबर्ग 12. दुर्गापुर

2. विश्व के रेखा मानचित्र में निम्नलिखित नगरों को दर्शाइये।

उत्तर- 1. सेन फ्रांसिस्को 2. केनबरा
3. लंदन 4. बीजिंग
5. न्यूयार्क 6. नई दिल्ली
7. कराची 8. केपटाउन
9. सिंगापुर 10. पर्थ
11. सिडनी 12. डरबन

3. विश्व के रेखा मानचित्र में निम्नांकित देशों को दर्शाइये-

उत्तर- 1. संयुक्त राज्य अमेरिका 2. ग्रेट ब्रिटेन
3. फ्रांस 4. जापान
5. ऑस्ट्रेलिया 6. अर्जेन्टिना
7. न्यूजीलैण्ड 8. कनाडा
9. दक्षिणी अफ्रीका 10. नीदरलैण्ड
11. डेनमार्क 12. जर्मनी
13. भारत 14. चीन
15. रूस 16. युरूग्वे

4. विश्व के मानचित्र में भूमध्यसागरीय कृषि के निम्नलिखित क्षेत्रों को दर्शाइये।

उत्तर- 1. दक्षिणी कैलीफोर्निया
2. मध्यवर्ती चिली
3. दक्षिणी अफ्रीका का दक्षिणी पश्चिमी भाग
4. ऑस्ट्रेलिया का दक्षिण व दक्षिणी पश्चिमी भाग

अध्याय-1 जनसंख्या-वितरण, घनत्व, वृद्धि और संघटन

(लघुतरात्मक प्रश्न)

1. जेंडर संवेदनशीलता क्या है ? समझाइए-

उत्तर- मानव में विशेष रूप से जेंडर के आधार पर होने वाले भेदभाव अलगाव तथा बहिष्कार से होने वाले दुष्प्रभावों को ध्यान में रखकर राष्ट्र, सरकार तथा समाज द्वारा अनेक प्रयास किये जा रहे है जिसे जेंडर संवेदनशीलता के प्रति बढ़ावा दिया जा रहा है।

- समाज में सभी जेंडरों के लिए अलग-अलग निर्धारित की जाती है जो सामाजिक भेदभाव, अलगाव तथा बहिष्कार का आधार बन जाती है। यह एक अपराध है। इसलिए सभी के लिए समान शिक्षा, रोजगार, राजनीतिक प्रतिनिधित्व, समान कार्य के प्रति समान वेतन, समान जीवन जीने के अवसर सभी को मिले, इसके लिए प्रयास किये जाने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय स्तर पर ''बेटी बचाओं बेटी पढाओं'' सामाजिक अभियान चलाया जा रहा है।

2. भारत में कृषि सेक्टर के श्रमिकों के अनुपात में हो रही लगातार कमी का प्रमुख कारण लिखिए-

उत्तर-भारत में कुछ दशकों से कृषि सेक्टर के श्रमिकों के अनुपात में लगातार कमी आ रही है। (2001 में 58.2% से घटकर 2011 में 54.6%) कृषि सेक्टर के श्रमिक द्वितीयक और तृतीयक सेक्टर में सहभागिता बढ़ा रहे है जिसका मुख्य कारण सीमित कृषि भूमि की उपलब्धता नगरीकरण और औद्योगीकरण है इसके साथ ही वर्षा की अनियमितता, भौम जलस्तर का लगातार गीरना, कृषि से आर्थिक लाभ कम प्राप्त होना प्रमुख कारण है।

3. मुख्य श्रमिक तथा सीमांत श्रमिक में अन्तर स्पष्ट कीजिए-

उत्तर- 1. मुख्य श्रमिक- वह व्यक्ति है जो एक वर्ष में कम से कम 183 दिन या इससे अधिक कार्य करता है। उसे मुख्य श्रमिक कहा जाता है।

2. सीमांत श्रमिक- वह व्यक्ति जो एक वर्ष में 183 दिनों से कम दिनों तक कार्य करता है उसे सीमांत श्रमिक कहा जाता है।

4. जनसंख्या के व्यावसायिक संघटन को समझाएँ-

उत्तर- किसी व्यक्ति के खेती, विनिर्माण, व्यापार, सेवाओं अपना किसी भी प्रकार की व्यावसायिक क्रियाओं में लगे होने से है। 2011 की जनगणना के अनुसार श्रमजीवी जनसंख्या को चार प्रमुख संवर्गो में बाँटा गया है।

1. कृषक 2. कृषि मजदूर
3. घरेलू औद्योगिक श्रमिक 4. अन्य श्रमिक

- प्राथमिक सेक्टर में श्रमजीवी जनसंख्या काअनुपात सर्वाधिक है कुल श्रमजीवी का 54.6% कृषक और कृषि मजदूर जबकि घरेलू उद्योगों में केवल 3.8% श्रमिक लगे है। 41.6% श्रमिक अन्य है।

5. भारत में धार्मिक संघटन का वितरण लिखिए- (जनगणना-2011 के अनुसार)

उत्तर- 1. हिन्दू = 79.8% - जम्मू-कश्मीर, भारत-पाक सीमा, भारत-बांग्लादेश सीमा, उत्तर-पूर्वी राज्यों को छोड़कर सम्पूर्ण भारत में 70 से 90% जनसंख्या के रूप में पाये जाते है।

2. मुस्लिम = 14.2% - जम्मू-कश्मीर, पश्चिम बंगाल, केरल, उत्तरप्रदेश।

3. ईसाई = 2.3%- गोआ, केरल, मेघालय, मिजोरम।

4. सिक्ख = 1.7% - पंजाब, हरियाणा, दिल्ली।

5. बौद्ध = 0.7% - महाराष्ट्र, सिक्किम, अरूणाचल प्रदेश।

6. जैन = 0.4% - राजस्थान के नगरीय क्षेत्र, गुजरात व महाराष्ट्र।

6. जनसंख्या वृद्धि किसे कहते है ? जनसंख्या वृद्धि के दो प्रमुख कारण लिखिए-

उत्तर- निश्चित स्थान/क्षेत्र में निश्चित समय अन्तराल में होने वाले जनसंख्या परिवर्तन को जनसंख्या वृद्धि कहते है। जनसंख्या वृद्धि के दो प्रमुख कारण निम्नलिखित है-

1. भारत के ग्रामीण व कमजोर शैक्षणिक स्तर वाले राज्यों में पुरूष प्रधान समाज की धारणा से लगातार जनसंख्या वृद्धि हो रही हैं अतः अशिक्षा जनसंख्या वृद्धि का प्रमुख कारण है।

2. भारत के कुछ राज्यों में प्रवास भी जनसंख्या वृद्धि का प्रमुख कारण बन रहा है।

शेखावाटी मिशन-100

7. ''जनसंख्या विस्फोट की प्रावस्था'' पर टिप्पणी कीजिए-

उत्तर- भारत में 1951-1981 के दशकों को जनसंख्या विस्फोट की प्रावस्था माना जाता है। इस समय अवधि में उच्च प्रजनन दर तथा मृत्यु दर में तीव कमी के कारण जनसख्या की औसत वार्षिक वृद्धि दर 2.2 प्रतिशत तक रही।

इस समय अवधि में जनसंख्या में प्राकृतिक वृद्धि उच्च रहने के साथ ही पाकिस्तान, नेपाल, बाग्लादेश से आने वाले प्रवासियों की संख्या अधिक होने के कारण भारत की जनसंख्या में तीव्र वृद्धि दर्ज की गई।

8. ''राष्ट्रीय युवा नीति- 2014'' पर टिप्पणी कीजिए-

उत्तर-''राष्ट्रीय युवा नीति-2014'' फरवरी 2014 में आरम्भ की गई है जो भारत के युवाओं के लिए समग्र दूरदर्शी प्रस्ताव रखती है ''देश के युवाओ को अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करने के लिए सक्षम बनाना और उनके द्वारा भारत को राष्ट्रों के समूह में अपना उचित स्थान प्राप्त करने में सक्षम बनाना है''

- राष्ट्रीय युवा नीति 2014 में 15-29 आयु वर्ष समूह के व्यक्ति को 'युवा' के रूप में परिभाषित करती है।

9. जनसंख्या वितरण में जलवायु की भूमिका स्पष्ट कीजिए-

उत्तर- जनसख्या वितरण को प्रभावित करने वाले कारकों में जलवायु सर्वाधिक प्रभावी कारक है भारत में अनुकूल जनसंख्या वाले क्षेत्रों जैसे- उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा राज्यों में जनसंख्या सर्वाधिक तथा उच्च घनत्व पाया जाता है।

* भारत में प्रतिकूल जलवायु क्षेत्रों जैसे- पहाड़ी प्रदेशों वाले राज्यों (अरूणाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, नागालैंड, मिजोरम, मणिपुर, हिमाचल) मरूस्थलीय भागों (पश्चिम राजस्थान) में जनसंख्या कम तथा निम्न जनसंख्या घनत्व पाया जाता है।

10. भारत के कुछ राज्यों में अन्य राज्यों की अपेक्षा श्रम सहभागिता उच्च होने के दो प्रमुख कारण लिखिए-

उत्तर- भारत अनेक भौतिक स्वरूप, जलवायु, उच्चावच वाला विस्तृत, भौगोलिक भाग है जिसमें अनेक राज्यों में अनेक भिन्नताएं पाई जाती है। कुछ राज्यों में श्रम सहभागिता उच्च होने के निम्न कारण है-

1. भारत के गुजारात, महाराष्ट्र राज्यों में द्वितीयक व तृतीय व्यवसाय को पूर्ण करने के लिए अधिक श्रमिकों की आवश्यकता है जिससे इन राज्यों की श्रम सहभागिता अन्य राज्यों से उच्च है।

2. भारत के पहाड़ी तथा मरूस्थलीय प्रदेशों वाले राज्यों में व्यवसायिक क्रियाएँ कम होने के कारण यहाँ श्रम सहभागिता निम्न पाई जाती है।

अध्याय-02 प्रवास-प्रकार, कारण और परिणाम

(लघुतरात्मक प्रश्न)

1. प्रवास किसे कहते है ? प्रवास के प्रकार लिखिए-

उत्तर- लोगों का रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य या अन्य कारणों से एक स्थान से दूसरे स्थान पर आना/जाना/बसना प्रवास कहलाता हैं प्रवास मुख्यतः दो प्रकार का होता है-

1. आप्रवास- लोगों का किसी स्थान पर रोजगार, स्वास्थ्य व शिक्षा के लिए आना उस स्थान के लिए आप्रवास कहलाता है।

2. उत्प्रवास- लोगों का किसी स्थान को छोड़कर रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य के लिए जाना उस स्थान के लिए उत्प्रवास कहलाता है।

2. प्रवास की धाराएं स्पष्ट कीजिए-

उत्तर- देश के आंतरिक भागों में प्रवास की चार धाराएँ पहचानी गई है जो निम्नप्रकार है-

1. ग्रामीण क्षेत्रों से ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाला प्रवास। (स्त्रियों का प्रवास सर्वाधिक होता है)

2. ग्रामीण से नगरीय क्षैत्रों में होने वाला प्रवास।

3. नगरीय क्षेत्रों से नगरीय क्षेत्रों में होने वाला प्रवास।

4. नगरीय क्षेत्रों से ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाला प्रवास।

3. प्रवास के कारक/कारण समझाएं-

उत्तर- लोग अपने जन्म स्थान से भावात्मक रूप से जुड़े होते है लेकिन अनेक कारण है जिससे लोग अपने जन्म स्थान को छोड़ देते है। प्रवास के निम्न कारक/कारण है।

1. प्रतिकर्ष कारक- ऐसे कारक जो लोगों को निवास/जन्म स्थान छोड़ने का कारण बनते है जैसे- स्वास्थ्य सेवाये, जनसख्या का अधिक दबाव, बाढ़, सूखा, भूकम्प, स्थानीय संघर्ष आदि।

2. अपकर्ष कारक- ऐसे कारक जो लोगों को दुसरे स्थान से आने के लिए आकर्षिकत करते है जैसे- बेहतर रोजगार के अवसर, शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाएं, मनोरंजन के स्त्रोत, उच्च वेतन आदि।

4. प्रवास के परिणाम समझाइए- (परीक्षा में कोई एक परिणाम पुछा जा सकता है)

उत्तर- प्रवास के कारण आप्रवास व उत्प्रवास वाले स्थानों पर अनेक परिणाम हानि व लाभ के रूप में उत्पन्न होते है। प्रवास के प्रमुख परिणाम निम्न प्रकार है-

1. आर्थिक परिणाम- उद्गम स्थान के लिए प्रवासियों द्वारा भेजी गई हुंडी (राशी) मुख्य लाभ का कारण है भारत के पंजाब, केरल व तमिलनाडु में अंतर्राष्ट्रीय प्रवास से अत्यधिक राशि प्राप्त होती है जो उद्गम क्षेत्र की आर्थिक वृद्धि, उच्च स्वास्थ्य, अच्छी शिक्षा, गृह निर्माण तथा विवाह में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। देशों में राष्ट्रीय प्रवासियों द्वार भी अपने उद्गम स्थान पर राशी भेजकर हजारों निर्धन परिवारों को पाला जाता है।

2. जनांकिकीय परिणाम- प्रवास के कारण देश में जनसंख्या का वितरण प्रभावित होता है। ग्रामीण से नगरीय प्रवास के दौरान नगरों की जनसंख्या में अत्यधिक वृद्धि होती है। प्रवास के कारण उद्गम व गंतव्य दोनों ही स्थानों पर आयु व लिंग संरचना में अत्यधिक असंन्तुलन पैदा हो जाता है। देश के अनेक राज्यों में प्रवास के कारण लिंगानुपात असंन्तुलित हो जाता है।

3. सामाजिक परिणाम- प्रवासी सामाजिक परिवर्तन करने वाले अभिकर्ता के रूप में कार्य करते है। प्रवास के कारण नवीन तकनीकी, परिवार नियोजन, बालिका शिक्षा जैसे नये विचार नगरों से ग्रामीण क्षेत्रों की और प्रवाहित होते है। प्रवास से धर्म, संस्कृति, रहन-सहन, खान-पान, रीति-रिवाजों का भी एक स्थान से दुसरे स्थान पर प्रसारण होता है।

शेखावाटी मिशन-100

4. पर्यावरणीय परिणाम- ग्रामीण से नगरीय प्रवास के कारण अत्यधिक संकुचित स्थानों पर रहकर भौतिक संरचना पर दबाव डालना जिससे नगरीय बस्तीयों का अनियमित तथा अनियोजित वृद्धि होना तथा गंदी व संकीर्ण कच्ची बस्तीयों का निर्माण होता है तथा प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन के कारण वायु प्रदुषण, जल प्रदुषण, कुड़े-कचरे के प्रबंधन जैसी अनेक समस्याएँ उत्पन्न हो जाती है।

5. भारत की जनगणना में प्रवास की गणना किन आधारों पर की जाती है ? लिखिए-

उत्तर- भारत की जनगणना में प्रवास की गणना दो आधारों पर की जाती है जो निम्न प्रकार है।

1. जन्म का स्थान- यदि जन्म का स्थान गणना के स्थान से भिन्न है (इन्हें जीवन पर्यन्त प्रवासी के नाम से जना जाता है)

2. निवास का स्थान, यदि निवास का पिछला स्थान गणना के स्थान से भिन्न है (इन्हें निवास के पिछले स्थान से प्रवासी के रूप में जाना जाता है)

अध्याय- 03 मानव विकास

1. मानव विकास सूचकांक में भारत के निम्नलिखित राज्यों में किस एक की कोटि उच्चतम है ?
(1) तमिलनाडू (2) केरल
(3) पंजाब (4) हरियाणा (2)

2. भारत में निम्नलिखित राज्यों में किस एक की मानव विकास सूचकांक की कोटि न्यूनतम है ?
(1) केरल (2) पंजाब
(3) राजस्थान (4) झारखण्ड (4)

3. मानव विकास सूचकांक (2018) के संदर्भ में विश्व के देशों में भारत की निम्नलिखित में से कौनसी कोटि थी ?
(1) 126 (2) 130
(3) 128 (4) 129 (2)

4. भारत के निम्नलिखित राज्यों में किस एक की साक्षरता निम्नतम है ?
(1) जम्मू और श्रीनगर (2) झारखंड
(3) अरूणाचल प्रदेश (4) बिहार (4)

5. भारत की साक्षरता दर (2011) कितनी है?
(1) 68.74 (2) 65.46
(3) 74.04 (4) 86.34 (3)

6. भारत में निम्नलिखित में से किस राज्य में जनसंख्या का उच्चतम अनुपात गरीबी रेखा से नीचे है ?
(1) बिहार (2) छतीसगढ़
(3) झारखण्ड (4) राजस्थान (2)

7. भारत के किस राज्य में 0-6 आयु वर्ग के बच्चों का लिंगानुपात निम्नतम है?
(1) केरल (2) बिहार
(3) पंजाब (4) तमिलनाडु (3)

8. भारत के लिए मानव विकास रिपोर्ट कौन तैयार करता है ?
(1) सांख्यिकी विभाग (2) नीति आयोग
(3) वित्त विभाग (4) UNDP (2)

9. भारत में निम्नलिखित केन्द्र शासित प्रदेशों में से किस एक की साक्षरता दर उच्चतम है ?
(1) लक्षद्वीप (2) दमन और दीव
(3) चंड़ीगढ़ (4) अंडमान और निकोबार द्वीप (1)

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

10. ..... ई. में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) द्वारा प्रथम मानव विकास रिपोर्ट का प्रकाशन किया गया?

उत्तर- 1990

11. वर्ष 2011-12 में गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों का पूरे देश में ..... प्रतिशत अनुमानित किया गया था।

उत्तर- 21.9

12. भारत सरकार ने स्वास्थ्य संबंधी खतरे एवं प्रदूषण रहित बनाने के विचार से ..... अभियान चलाया है।

उत्तर- स्वच्छ भारत

13. पंजाब और ..... जैसे विकसित राज्यों में लिंग अनुपात चिन्ताजनक है?

उत्तर- हरियाणा

14. ..... मानव विकास में प्राप्तियों का मापन करता है।

उत्तर- मानव विकास सूचकांक

15. ..... और प्रति व्यक्ति उपलब्धता को किसी देश के संसाधन आधार का माप माना जाता है।

उत्तर- सकल राष्ट्रीय उत्पाद।

अध्याय- 04 मानव बस्ती

1. आर्थिक वृद्धि के नोड के रूप में कार्य करते है-
(1) गाँव (2) संचार
(3) नगर (4) ये सभी (3)

2. निम्न में से ग्रामीण बस्ती का प्रकार है-
(1) गुच्छित (2) अर्द्धगुच्छित
(3) पल्लीकृत (4) ये सभी (4)

3. सन् 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की कुल नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत रहा-
(1) 26.87 (2) 31.16
(3) 28.78 (4) 29.87 (2)

4. ग्रामीण बस्तियां सम्बन्धित होती है-
(1) प्राथमिक आर्थिक क्रियाओं से
(2) द्वितीयक आर्थिक क्रियाओं से
(3) तृतीयक आर्थिक क्रियाओं से
(4) चतुर्थक आर्थिक क्रियाओं से (1)

5. 'नंगला' क्या है ?
(1) गुच्छित बस्तियों का स्थानी नाम
(2) पल्लीकृत बस्तियों का स्थानीय नाम
(3) एक पोशाक
(4) स्थान का नाम (2)

शेखावाटी मिशन-100

6. एक लाख से अधिक जनसंख्या वाले नगरीय केन्द्रों को क्या कहा जाता है?
(1) प्रथम वर्ग का नगर (2) द्वितीय वर्ग का नगर
(3) चतुर्थ वर्ग का नगर (4) पंचम वर्ग का नगर (1)

7. भारत की जनगणना के अनुसार निम्न में से कौनसी एक विशेषता नगर की परिभाषा का अंग नहीं है ?
(1) जन घनत्व 400 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी
(2) नगरपालिका, नगर-निगम का होना
(3) 75 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या का प्राथमिक कार्यो से संलग्न होना
(4) जनसंख्या आकार 5000 से अधिक (3)

8. जनगणना-2011 के अनुसार भारत का सबसे बड़ा नगरीय संकुल है ?
(1) दिल्ली (2) चेन्नई
(3) बंगलुरू (4) मुंबई (4)

9. राजस्थान के किन्हीं दो महानगरीय शहरों के नाम लिखिए।

उत्तर- जयपुर, जोधपुर व कोटा

10. प्रशासनिक नगर किसे कहा जाता है ?

उत्तर- उच्च कार्यो के प्रशासनिक मुख्यालय प्रशासनिक नगर कहलाते है जैसे- राज्यों की राजधानियाँ

11. किन्हीं दो गैरीसन नगरों के उदाहरण दीजिए।

उत्तर- अम्बाला, जालन्धर, उद्यमपुर।

12. पल्ली बस्तियों के स्थानीय नाम लिखिए।

उत्तर- ढ़ाणी, पाली, पाड़ा, नगला

13. नगरीय बस्तियाँ किसे कहते है ?

उत्तर- ऐसे बड़े अधिवास जिनमें मुख्यतः द्वितीयक व तृतीयक क्रिया-कलाप किये जाते है, नगरीय बस्तियां कहलाती है।

14. ग्रामीण बस्तियों के प्रकार किसके आधार पर निर्धारित होते है ?

उत्तर- 1. उच्चावच 2. स्थलाकृति 3. जलवायु 4. जल की उपलब्धता

15. भारत में नगरों का अभ्युदय किस काल में हुआ ?

उत्तर- भारत में नगरों का अभ्युदय प्रागैतिहासिक काल में हुआ।

16. ग्रामीण बस्तियाँ कितने प्रकार की होती है ? नाम लिखिए।

उत्तर- ग्रामीण गस्तियों के चार प्रकार है-
1. गुच्छित 2. अर्द्धगुच्छित बस्तियाँ
3. पल्लीकृत बस्तियाँ 4. एकाकी बस्तियाँ

17. खनन नगर क्या है ? उदाहरण दीजिए।

उत्तर- ऐसे नगर जो खनिज समूह क्षेत्रों में विकसित हुए है, खनन नगर कहलाते है, जैसे- खेतड़ी, झरीया, रानीगंज, सिंहभूमि

18. गैरीसन नगर क्या होते है ?

उत्तर- ऐसे नगर जिनमें सैनिक छावनियाँ स्थित होती है, गैरीसन नगर कहलाते है।

19. जनसंख्या के आधार पर नगरों का वर्गीकरण कीजिए।

उत्तर-

जनसंख्या	नगर
एक लाख से दस लाख तक	नगर
10 लाख से 50 लाख तक	महानगर
50 लाख से अधिक	मेगानगर

20. प्रकार्यात्मक क्षेत्र के आधार पर नगरों का वर्गीकरण कीजिए।

उत्तर- प्रकार्यात्मक आधार पर नगरों का वर्गीकरण निम्न प्रकार किया गया है-
1. प्रशासनिक नगर 2. औद्योगिक नगर
3. खनन नगर 4. परिवहन नगर
5. पतन नगर 6. पर्यटन नगर
7. शैक्षिक नगर

21. निम्न को सुमेलित कीजिए-

उत्तर- 1. प्रशासनिक नगर- चण्डीगढ़
2. औद्योगिक नर - भिलाई
3. शैक्षिक नगर - कोटा
4. पर्यटन नगर शिमला

22. ग्रामीण व नगरीय बस्तियों में कोई दो आधारभूत अन्तर कीजिए।

उत्तर- ग्रामीण एवं शहरी बस्तियों में मुख्य अन्त निम्न है-

ग्रामीण बस्तियाँ	नगरीय बस्तियाँ
1. ग्रामीण बस्तियाँ अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति भूमि-आधारित प्राथमिक क्रियाओं से करती है।	1. नगरीय बस्तियों अपनी आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति द्वितीयक एवं तृतीयक आर्थिक क्रियाओं से करती है।
2. ग्रामीण लोग कम गतिशील होते है जबकि इनके सामाजिक सम्बन्ध घनिष्ठ होते है।	2. नगरीय क्षेत्रों में जीवन का ढंग जटिल और तीव्र होता है जबकि सामाजिक सम्बंध औपचारिक होते है।

23. स्मार्ट सिटी मिशन से आप क्या समझते है ?

उत्तर- भारत सरकार द्वारा देश के कुछ चुनिन्दा शहरों में आधारभूत सुविधाएँ, स्वच्छ पर्यावरण तथा नागरिकों को बेहतर जीवन स्तर प्रदान करने हेतु अभियान शुरू किया गया है, जिसे स्मार्ट सिटी मिशन के नाम से जाना जाता है। स्मार्ट सिटी मिशन का उद्देश्य सेवाओं के लिए स्मार्ट समाधान लागू करना, प्राकृतिक आपदाओं के जोखिम को कम करना तथा कुछ नगरों को उच्च सुविधायुक्त मॉडल के रूप में विकसित करना है।

24. भारत में पाई जाने वाली ग्रामीण बस्तियों के प्रकार एवं उनकी विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर- भारत में चार प्रकार की ग्रामीण बस्तियाँ पायी जाती है जो निम्नलिखित है-

1. **गुच्छित बस्तियाँ**- इन बस्तियों में आवासीय क्षेत्र स्पष्ट रूप से चारों और फैले खेत, खलिहान तथा चारागाहों से अलग होता है। गुच्छित बस्तियाँ उपजाऊ जलोढ़ मैदानों तथा उतरी-पूर्वी राज्यों में पाई जाती है।

2. **अर्द्धगुच्छित बस्तियाँ**- इस प्रकार की बस्तियों को विखण्डित बस्तियाँ भी कहा जाता है। इन बस्तियों में ग्रामीण समाज का एक या अधिक वर्ग स्वेच्छा या मजबूरीवश मुख्य गुच्छित बस्ती से अलग बस्ती बनाकर रहने लगे है। ऐसी बस्तियाँ राजस्थान एवं गुजरात के कुछ भू-भागों में पाई जाती है।

3. **पल्लीकृत बस्तियाँ**- इन बस्तियों को पूरवा, पान्ना, पाड़ा, पाली, नंगला व ढ़ाणी आदि नामों से जाना जाता है। इनका निर्माण जातीय व्यवस्था के कारण उत्पन्न सामाजिक अलगाव से होता है। ऐसी बस्तियाँ गंगा के मैदान, छत्तीसगढ़, हिमालय की निचली घाटियों में पाई जाती है।

4. **परिक्षिप्त बस्तियाँ**- परिक्षिप्त बस्तियों को एकाकी बस्तियों के नाम से भी जाना जाता है। ये बस्तियाँ प्रारूप विहिन होती है क्योंकि इनमें कुछ ही घर होते है। इस प्रकार की बस्तियाँ मुख्य रूप से मेघालय, उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, केरल, जम्मू-कश्मीर आदि क्षेत्रों में पाई जाती है।

शेखावाटी मिशन-100

25. भारतीय नगरों का प्रकार्यात्मक वर्गीकरण प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर- केन्द्रीय कार्यो को सम्पादित करने के अलावा भारत के अनेक नगर कुछ विशिष्ट कार्यो के कारण जाने जाते है उन्हीं विशिष्ट कार्यो की प्रधानता के कारण भारत के नगरों को नौ वर्गो में रखा गया है-

1. प्रशासनिक नगरः- ऐसे नगर जिनमें उच्च क्रम के प्रशासनिक कार्य सम्पादित किये जाते है, इनमें मुख्यतः राजधानियाँ शामिल है।
जैसे- जयपुर, दिल्ली, चंड़ीगढ़, लखनऊ आदि

2. औद्योगिक नगरः- ऐसे नगर जो विशिष्ट औद्योगिक इकाइयों के लिए जाने जाते है जैसे- मुम्बई, कानपुर, सूरत, भिलाई, जमशेदपुर आदि।

3. व्यापारिक नगर- नगर, जिनमें व्यापार एवं वाणिज्य की प्रधानता होती है जैसे- कोलकाता, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर।

4. परिवहन नगरः- ऐसे नगर जिनमें परिवहन सेवाएं ही प्रमुख केन्द्रीय कार्य है। इनमें देश के सभी बन्दरगाह नगर तथा आन्तरिक परिवहन के केन्द्र सम्मिलित है।

5. खनन नगरः- इस श्रेणी के नगर खनिज सम्पन्न क्षेत्रों में विकसित होते है। अंकलेश्वर, सिंगरौली, झरिया, रानीगंज आदि प्रमुख खनन नगर है।

6. गैरीसन (छावनी) नगरः- इन नगरों का विकास सैनिक छावनियों के रूप में हुआ। अम्बाला, नीमच, जालन्धर, उधमपुर इस श्रेणी के प्रमुख शहर है।

7. पर्यटन नगरः- ऐसे नगर जिनमें केन्द्रीय कार्यो में पर्यटन कार्य सर्वाधिक प्रभावी होते है जैसे नैनीताल, शिमला, मसूरी, पंचमढ़ी, माउण्टआबू आदि।

8. शैक्षणिक नगरः- ऐसे नगर शैक्षणिक कार्यो के लिए प्रसिद्ध होते है। रूडकी, ग्रेटर नोएडा, वाराणसी, पिलानी प्रमुख शैक्षणिक नगर है।

9. धार्मिक तथा सांस्कृतिक नगरः- इस श्रेणी में धार्मिक अथवा सांस्कृतिक महत्व रखने वाले नगर आते है। उदाहरण के लिए मथुरा, वृन्दावन, वाराणसी, अजमेर, तिरूपति आदि।

अध्याय-5 भूसंसाधन व कृषि

1. निम्न में से कौन-सा भू-उपयोग वर्गीकरण में सम्मिलित नहीं है ?
(1) परती भूमि (2) सीमांत भूमि
(3) निवल बायो गया क्षेत्र (4) बंजर व व्यर्थ भूमि (2)

2. शुष्क कृषि में निम्न में से कौनसी फसल नहीं बोई जाती है ?
(1) ज्वार (2) मूँगफली
(3) ज्वार (4) गन्ना (4)

3. निम्न में से कौनसा सिंचित क्षेत्रों में भू-निम्नीकरण का मुख्य प्रकार है ?
(1) अवनालिका अपरदन (2) मृदा लवणता
(3) वायु अपरदन (4) परत अपरदन (2)

4. भू-उपयोग सम्बन्धी अभिलेख कौनसा विभाग रखता है-
(1) नीति आयोग (2) भू-राजस्व विभाग
(3) वन विभाग (4) राष्ट्रीय विकास परिषद् (2)

5. भू-राजस्व विभाग द्वारा भू-उपयोग को कितने वर्गो में वर्गीकृत किया है ?
(1) 7 (2) 9
(3) 13 (4) 15 (2)

6. वह भूमि जो प्रचलित प्रौद्योगिक की मदद से कृषि योग्य नहीं बनायी जा सकती है-
(1) वर्तमान परती भूमि (2) पुरातन परती भूमि
(3) स्थायी चारागाह क्षेत्र (4) बंजर व व्यर्थ भूमि (4)

7. वह भूमि जिस पर फसले उगाई व काटी जाती है, कहलाती है ?
(1) सकल बोया क्षेत्र (2) निवल बोया क्षेत्र
(3) कृषि गहनता (4) चारागाह भूमि (2)

8. निम्न में से कौनसी रबी की फसल है ?
(1) चावल (2) गेहूँ
(3) कपास (4) मक्का (2)

9. निम्न में से कौनसी खरीफ की फसल है-
(1) चावल (2) गेहूँ
(3) सरसों (4) चना (1)

10. भारत में सर्वाधिक चाय उत्पादन करने वाला राज्य है ?
अथवा
भारत में सर्वप्रथम चाय की कृषि कौनसे राज्य में प्रारम्भ की गयी-
(1) पश्चिमी बंगाल (2) असम
(3) आन्ध्रप्रदेश (4) तमिलनाडु (2)

11. गन्ना/चावल/कपास की दृष्टि से भारत का विश्व में स्थान है-
(1) पहला (2) दूसरा
(3) तीसरा (4) चौथा (2)

12. लाल चना एवं पिजन पी. के. नाम से जाना जाता है-
(1) चना (2) सोयाबीन
(3) अरहर (4) जौ (3)

13. निम्न में से कौनसी तिलहन फसल नहीं है ?
(1) मूँगफली (2) सरसों
(3) सूरजमुखी (4) अरहर (4)
नोटः- तिलहन फसले- मूंगफली, तोरिया, सरसों, सोयाबीन, सुरजमुखी, तारामीरा आदि।

14. शुष्क कृषि में निम्न में से कौनसी फसल नहीं बोई जाती है ?
(1) रागी (2) ज्वार
(3) बाजरा (4) गन्ना (4)

15. निम्न में से कौन-से देश में गेहूँ व चावल की अधिक उत्पादकता की किस्में विकसित की गयी थी ?
(1) मैक्सिकों तथा फिलिपींस
(2) जापान तथा संयुक्त राज्य अमेरिका
(3) जापान तथा सिंगापुर
(4) मैक्सिको तथा आस्ट्रेलिया (1)

16. अरेबिका, रोबस्ता व लिबेरिका है-
(1) चाय की किस्में (2) कॉफी की किस्में
(3) गन्ना की किस्में (4) चावल की किस्में (2)

17. निम्न में से भारतीय कृषि की समस्या नहीं है-
(1) अनियमित मानसून (2) भूमि सुधारों में कमी
(3) उच्च उत्पादकता (4) निम्न उत्पादकता (3)

18. औस, अमन तथा बोरो सम्बन्धित है ?
(1) गेहूँ से (2) चावल से
(3) चाय से (4) कॉफी से (2)

शेखावाटी मिशन-100

19. दक्षिण-पश्चिम मानसून के साथ बोयी जाने वाली फसल ऋतु है-
(1) रबी (2) खरीफ
(3) जायद (4) उपरोक्त सभी (2)

रिक्त स्थानों की पूर्ति करो-

20. भारत में सर्वाधिक उत्पादन उत्तम किस्म की ..... कॉफी का होता है-
उत्तर- अरेबिका
21. चाय एक ..... कृषि है।
उत्तर- रोपण
22. चाय-निर्यातक देशों में भारत का स्थान विश्व में ..... है।
उत्तर- दूसरा
23. भारत का सर्वाधिक कॉफी उत्पादक राज्य ..... है।
या
भारत में 2/3 से अधिक कॉफी उत्पादक राज्य ..... है।
उत्तर- कर्नाटक
24. ग्राम पंचायत या सरकार के स्वामित्व वाली भूमि को ..... कहा जाता है।
उत्तर- साझा सम्पति संसाधन
25. वह भूमि जो एक कृषि वर्ष या सबसे कम समय तक कृषि रहित रहती है ..... कहलाती है।
उत्तर- वर्तमान परती भूमि
26. वह भूमि जो एक वर्ष से अधिक लेकिन पाँच वर्षों से कम समय तक कृषि रहित है ..... कहलाती है।
उत्तर- पुरातन परती भूमि
27. भारत में रबी की फसल ..... में बोई जाती है।
उत्तर- अक्टूबर-नवम्बर में।
28. भारत में चावल के पश्चात् ..... दूसरा प्रमुख अनाज है।
उत्तर- गेहूँ
29. कपास ..... फसल है।
उत्तर- रेशेदार/उष्ण कटिबन्धीय।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न

30. कृषि गहनता की गणना का सूत्र लिखो ?
उत्तर- कृषि/फसल गहनता = $\frac{\text{सकल बोया गया क्षेत्र}}{\text{निवल बोया गया क्षेत्र}} \times 100$
31. आर्द्रता के आधार पर कृषि कितने प्रकार की होती है ?
उत्तर- दो प्रकार की 1. सिंचित कृषि 2. वर्षा निर्भर या बरानी कृषि
32. वर्षा निर्भर कृषि उपलब्ध आर्द्रता के आधार पर कितने भागों में बांटी जाती है ?
उत्तर- दो भागों में- 1. शुष्क कृषि भूमि (75 सेमी से कम वर्षा)
2. आर्द्र कृषि भूमि
33. पश्चिमी बंगाल में चाय उत्पादक क्षेत्र कौनसे है ? नाम लिखो?
उत्तर- 1. दार्जिलिंग 2. जलपाइगुड़ी
3. कूचबिहार
34. पश्चिमी बंगाल में चावल की कौनसी तीन फसलें लेते है ? नाम लिखिये।
उत्तर- 1. ओस, 2. अमन, 3. बोरो
35. नरमा क्या है ?
उत्तर- देश के उत्तर-पश्चिमी भाग में अमेरिकन कपास को 'नरमा' कहा जाता है।
36. चाय की पत्तियों में कौनसे तत्वों की प्रचुरता पायी जाती है ?
उत्तर- कैफिन तथा टेनिन
37. भारत में कॉफी की कृषि किन क्षेत्रों में की जाती है ?
अथवा
भारत में कॉफी उत्पादक राज्य है ?
उत्तर- कर्नाटक, केरल व तमिलनाडु में पश्चिमी घाट की उच्च भूमि पर इसकी कृषि की जाती है। देश के समस्त कॉफी उत्पादन का दो-तिहाई से अधिक भाग कर्नाटक राज्य से आता है।

लघुत्तरात्मक प्रश्नः-

38. साझा सम्पति संसाधनों पर टिप्पणी लिखिए।
उत्तर- ग्राम पंचायत या राज्य सरकार के स्वामित्व वाली भूमि को साझा सम्पति संसाधन कहा जाता है। सामुदायिक वन, चारागाह तथा अन्य सार्वजनिक क्षेत्र साझा सम्पति के उदाहरण है।
39. ''वर्तमान भारतीय कृषि में अत्यधिक ऋणग्रस्तता किसानों की आत्महत्या का कारण बनता जा रहा है।'' स्पष्ट करो ?
या
अत्यधिक ऋणग्रस्तता के क्या गंभीर परिणाम है? क्या आप मानते है कि देश के विभिन्न राज्यों में किसान द्वारा आत्महत्या ऋणग्रस्तता का परिणाम है?
उत्तर- भारतीय कृषक कृषि में पर्याप्त निवेश करने में असमर्थ होने तथा कृषि में कम होती आय व फसलों के खराब हो जाने से अत्यधिक ऋणग्रस्त हो जाते है। महाजनों तथा विविध वित्तीय संस्थाओं का कर्जा न चुका पाने की स्थिति में प्रति वर्ष भारत के विभिन्न राज्यों में हजारों कृषक आत्महत्या कर लेते है। वस्तुतः हमारा यह मानना है कि देश के विभिन्न राज्यों में किसानों द्वारा आत्महत्या ऋणग्रस्तता का परिणाम है। साथ ही किसानों की आर्थिक अत्यधिक निम्न होने से उनकी स्थिति दयनीय मिलती है।
40. भारत में भू-उपयोग पविर्तन के कारणों की विवेचना करो ?
या
भारत में भू-उपयोग परिवर्तन को अर्थव्यवस्था किस प्रकार प्रभावित कर रही है? स्पष्ट करो।
उत्तर- भारत में भू-उपयोग परिवर्तन के निम्नलिखित कारण है-
1. अर्थव्यवस्था का आकार समय के साथ बढ़ता है, जो बढ़ती जनसंख्या, बदलते आय स्तर, उपलब्ध प्रौद्योगिकी कारकों पर निर्भर है। परिणामस्वरूप समय के साथ भूमि पर दबाव बढ़ता है तथा सीमांत भूमि को भी प्रयोग में लाया जाता है।
2. समय के साथ अर्थव्यवस्था की संरचना में भी बदलाव होता है। द्वितीयक व तृतीयक सेक्टरों में, प्राथमिक सेक्टर की अपेक्षा अधिक तीव्रता से वृद्धि होती है। इस प्रक्रिया में कृषि भूमि गैर-कृषि सम्बन्धित कार्यों में प्रयुक्त होती है।
3. समय के साथ, कृषि क्रियाकलापों का अर्थव्यवस्था में योगदान कम होता जाता है।

शेखावाटी मिशन-100

41. बंजर भूमि तथा कृषि योग्य व्यर्थ भूमि में अन्तर स्पष्ट करो।

उत्तर- मरुस्थली, रेतीली, पथरीली भूमि, पहाड़ी भू-भाग तथा जल व वायु अपरदन से व्यर्थ/बेकार हो चुकी भूमि, जिसे वर्तमान में प्रचलित प्रौद्योगिकी की मदद से भी कृषि योग्य नहीं बनाया जा सकता है, बंजर भूमि कहलाती है, जबकि वह भूमि जो विगत पाँच वर्ष या अधिक समय तक परती या कृषि रहित है और जिसे कृषि उदार तकनीक के माध्यम से कृषियोग्य बनाया जा सकता है, कृषि योग्य व्यर्थ भूमि कहलाती है।

42. निवल बोया गया क्षेत्र तथा सकल बोया गया क्षेत्र में अन्तर स्पष्ट करो।

उत्तर- वह भूमि, जिस पर सिर्फ एक बार फसल उगाई व काटी जाती है निवल बोयी गयी भूमि या क्षेत्र कहलाता है जबकि एक कृषि वर्ष में विभिन्न फसलों के अन्तर्गत बोया गया कुल क्षेत्र सकल बोया गया क्षेत्र कहलाता है।

43. भारत जैसे देश में गहन कृषि नीति अपनाने की आवश्यकता क्यों है ?

उत्तर- चूँकि भारत जैसे देशों में भूमि की कमी तथा श्रम की अधिकता है अतः यहाँ गहन कृषि अपनाकर उत्पादन में वृद्धि करने के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी की समस्या को भी कम किया जा सकता है।

44. हरित क्रांति की उपलब्धियां क्या है ?

उत्तर- हरित क्रांति की महत्वपूर्ण उपलब्धियां निम्न प्रकार से है-

1. कृषि रासायनिक उर्वरक और पीड़कनाशियों का उपयोग शुरू किया।
2. सिंचाई की सुविधाओं में सुधार और विस्तार किया गया।
3. मैक्सिकों से गेहूँ और फिलीपींस से चावल के अधिक उपज देने वाले बीज भारत लाए गए।
4. कृषि आधारित उद्योग तथा छोटे पैमाने के उद्योगों के विकास को प्रोत्साहन दिया गया।

45. परती भूमि किसे कहते है ? भूमि को परती क्यों छोड़ा जाता है ?

उत्तर- **परती भूमिः**- निरन्तर फसल उत्पादित करते रहने से भूमि की उर्वरा शक्ति में कमी आती जाती है। इसलिए भूमि को कुछ समय के लिए कृषि रहित छोड़ दिया जाता है। इस भूमि को परती भूमि कहते है।

भूमि को परती छोड़ने का कारण- भूमि को परती इसलिए छोड़ा जाता है जिससे वह अपनी खोई हुई उर्वरता को प्राकृतिक रूप से पुनः प्राप्त कर सके।

46. स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् सरकार ने खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने के लिए कौन-कौन से उपाय अपनाये थे ?

उत्तर- स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् सरकार ने खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने हेतु अग्र उपाय अपनाये-

1. व्यापारिक फसलों के स्थान पर खाद्यान्न फसलों को उगाना।
2. कृषि गहनता को बढ़ाना।
3. कृषि योग्य बंजर तथा परती भूमि को कृषि भूमि में परिवर्तित करना।

47. भारत में निवल बोए गए क्षेत्र में किस प्रकार वृद्धि की जा सकती है ?

उत्तर- भारत में निवल बोए गए क्षेत्र को भूमि बचत प्रौद्योगिकी विकसित कर बढ़ाया जा सकता है। इस प्रौद्योगिकी को दो तरह से काम में लिया जा सकता है-

1. प्रति इकाई भूमि में फसल विशेष की उत्पादकता बढ़ाने में।
2. एक कृषि वर्ष में गहन भूमि उपयोग से सभी फसलों का उत्पादन बढ़ाने में।

48. भारतीय कृषि के प्रमुख प्रकारों का वर्णन कीजिए। या शुष्क कृषि भूमि व आर्द्र कृषि भूमि में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

या

रक्षित सिंचाई कृषि और उत्पादक सिंचाई कृषि में अन्तर स्पष्ट करो।

उत्तर- भारतीय कृषि के प्रकार-

आर्द्रता के प्रमुख उपलब्ध स्त्रोत के आधार पर कृषि को सिंचित कृषि तथा वर्षा-निर्भर (बारानी) कृषि में वर्गीकृत किया जाता है-

1. सिंचित कृषिः- सिंचित कृषि में भी सिंचाई के उद्देश्य के आधार पर दो प्रकार पाये जाते है। जैसे- रक्षित सिंचाई कृषि तथा उत्पादक सिंचाई कृषि।

- **रक्षित सिंचाई कृषिः**- रक्षित सिंचाई का मुख्य उद्देश्य आर्द्रता की कमी के कारण फसलों को नष्ट होने से बचाना है, जिसका अभिप्राय यह है कि वर्षा के अतिरिक्त जल की कमी को सिंचाई द्वारा पूरा किया जाता है।

- **उत्पादक सिंचाई कृषिः**- उत्पादक सिंचाई का उद्देश्य फसलों को पर्याप्त पानी उपलब्ध करवाकर अधिकतम उत्पादकता प्राप्त करना है।

2. वर्षा निर्भर (बारानी) कृषिः-

- **शुष्क भूमि कृषिः**- सामान्यतयाः 75 सेन्टीमीटर से कम वार्षिक वर्षा वाले प्रदेशों में होने वाली कृषि, शुष्क कृषि कहलाती है। इसके अन्तर्गत शुष्कता सहन करने वाली फसले जैसे- रागी, बाजरा, मूँग, चना, ग्वार आदि की कृषि की जाती है।

- **आर्द्र भूमि कृषिः**- फसलों की आवश्यकता से अधिक हाने वाली वर्षा वाले क्षेत्रों में की जाने वाली कृषि आर्द्र भूमि कृषि कहलाती है। इसमें चावल, जूट, गन्ना आदि अधिक जल की आवश्यकता वाली फसलों की कृषि की जाती है।

49. भारत में भू-उपयोग के किन संवर्गों में वृद्धि हुई है ? वृद्धि के कारणों की विवेचना कीजिए।

अथवा

वर्ष 1950 से 2014-15 के दौरान भारत में भू-उपयोग सवर्गों में हुए परिवर्तन की व्याख्या कीजिए।

उत्तर- भारत में भू-उपयोग संवर्गों में हुए परिवर्तनः- 1950-51 से 2014-15 के दौरान भारत में भू-उपयोग के तीन संवर्गों में वृद्धि तथा चार संवर्गों के अनुपात में गिरावट दर्ज की गई है।

वृद्धि दर्ज करने वाले संवर्ग - भारत में भू-उपयोग के प्रमुख संवर्गों में वृद्धि हुई है-

1. वन क्षेत्र- वन क्षेत्र 17 प्रतिशत से बढ़कर 23.3% हो गया है।
2. गैर कृषि कार्यों में प्रयुक्त भूमि- गैर कृषि कार्यों में प्रयुक्त भूमि 3.2% से बढ़कर 8.7% जो गई।
3. वर्तमान परती भूमि- यह 3.7% से बढ़कर 4.9% हो गई।
4. निवल बोया क्षेत्र - यह क्षेत्र में 41.7% से बढ़कर 45.5% हो गया।

वृद्धि के कारणः- भू-उपयोग के ऊपर दिये संवर्गो में वृद्धि के प्रमुख कारण निम्न है-

1. गैर-कृषि कार्यों में प्रयुक्त क्षेत्र में वृद्धि भारतीय अर्थव्यवस्था की निर्भरता औद्योगिक व सेवा सेक्टरों पर उत्तरोत्तर बढ़ रही है। इसके साथ ही ग्रामीण एवं नगरीय बस्तियों के अंतर्गत क्षेत्रफल भी बढ़ा है ।
2. वन क्षेत्र में वृद्धि उनके सीमांकन के कारण हुई है न कि वास्तविक वन आच्छादित क्षेत्र में वृद्धि के कारण
3. वर्तमान परती भूमि में वृद्धि वर्षा की अनियमितता तथा फसल चक्र में होने वाले परिवर्तन के कारण हुई है
4. कृषि हेतु कृषि योग्य व्यर्थ भूमि के उपयोग के कारण निवल बोए गए क्षेत्र

शेखावाटी मिशन-100

में वृद्धि हुई है।

गिरावट दर्ज करने वाले संवर्ग-

1. बंजर व व्यर्थ भूमि
2. कृषि योग्य व्यर्थ भूमि
3. चारागाहों फसल वृक्षों के अन्तर्गत क्षेत्र
4. वर्तमान परती के अतिरिक्त परती भूमि

कमी के कारण- इसके निम्न कारण हो सकते है-

1. समय के साथ जैसे-जैसे कृषि तथा गैर कृषि कार्यो हेतु भूमि पर दबाव बढ़ा, वैसे-वैसे व्यर्थ एवं कृषि योग्य व्यर्थ भूमि में समयानुसार कमी आई।
2. निवल बोए गए क्षेत्र में कमी का कारण गैर कृषि कार्यो में प्रयुक्त भूमि के अनुपात में वृद्धि का होना है।
3. चारागाह भूमि के अनुपात में कमी का कारण कृषि भूमि पर जनसंख्या का बढ़ता दबाव है।

50. भारत में उत्पादित तिलहन फसलों का वर्णन कीजिए।

उत्तर- तिलहनों की कृषि मुख्यतया खाद्य तेल निकालने के लिए की जाती है। देश में मालवा का पठार, मराठवाड़ा, गुजरात, राजस्थान के शुष्क भाग तथा आन्ध्र प्रदेश के तेलगाना व रायलसीमा प्रदेश प्रमख तिलहन पैदा करते है। भारत में 14 प्रतिशत कृषिगत भाग पर तिलहन की कृषि की जाती है। देश की प्रमुख तिलहन फसलों में मूंगफली, तोरिया-सरसों, सोयाबीन तथा सूरजमुखी फसलों को सम्मिलित करते है।

1. **मुँगफली**- भारत विश्व का 19.5% मूंगलफली का उत्पादन करता है गुजरात, राजस्थान, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश इसके अग्रणी उत्पादक राज्य है।

2. **सरसों**- सरसों और तोरिया में बहुत से तिलहन सम्मिलित है, जैसे - राई, सरसों, तोरिया व तारामीरा आदि। ये उपोष्ण कटिबंधीय फसले है तथा भारत के मध्य व उत्तर-पश्चिमी भाग में रबी की ऋतु में बोई जाती है।

3. **सोयाबीन एवं सूरजमुखी**:- सोयाबीन अधिकतर मध्यप्रदेश व महाराष्ट्र में बोया जाता है। दोनों राज्य मिलकर देश का लगभग 90 प्रतिशत सोयाबीन पैदा करते है। सूरजमुखी की फसल का सांद्रण कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, तेलगांना तथा इससे जुड़े हुए महाराष्ट्र के भागों में है।

51. भारतीय कृषि की किन्हीं चार समस्याओं की व्याख्या करे।

उत्तर- **1.अनियिमित मानसून पर निर्भरता**:- भारतीय कृषि वर्तमान में भी मानसून पर निर्भर है, देश में कृषि क्षैत्र का केवल एक-तिहाई भाग ही सिंचित है, शेष कृषि क्षेत्र में फसलों का उत्पादन प्रत्यक्ष रूप से वर्षा पर ही निर्भर है।

2. वित्तीय संसाधनो की बाध्यताएँ तथा ऋणग्रस्तता:- आधुनिक कृषि में लागत बहुत आती है सीमांत और छोटे किसानों की कृषि बचत, बहुत कम या न के बराबर होती है अतः कृषि में निवेश करने में असमर्थ है। साथ ही फसलों के खराब होने से ही किसान कर्ज के जाल में फँसते जाते है।

3. छोटे खेत तथा विखंडित जोत- देश में सीमांत तथा छोटे किसानों की संख्या अधिक है। बढ़ती जनसंख्या के कारण इन जोतों का औसत आकार निरन्तर सिकुड़ता जा रहा है इसकेअतिरिक्त भारत में अधिकांश भू-जोत बिखरी अवस्था में है।

4. कृषि योग्य भूमि का निम्नीकरण- भूमि संसाधनों का निम्नीकरण लगातार बढ़ता जा रहा है। सिचिंत क्षेत्रों में अत्यधिक सिंचाई के कारण कृषि भूमि का एक बड़ा भाग जलाक्रांतता, लवणता तथा मृदा क्षारकता के कारण बंजर हो चुका है।

52. किसान पोर्टल क्या है ?

उत्तर- यह किसानों को कृषि सम्बंधि जानकारी प्रदान करने का मंच है। जिसके माध्यम से किसानों को बीज कीटनाशक, फसल बीमा, फसल का बाजार मूल्य आदि जानकारी प्रदान की जाती है।

53. सतत् कृषि के लिए राष्ट्रीय मिशन (NMSA) पर टिप्पणी लिखिए।

अथवा

सतत् कृषि के लिए राष्ट्रीय मिशन का उद्देश्य बताइये

अथवा

जैविक खेती को बढ़ावा देने हेतु सरकार द्वारा चलाई जा रही दो योजनाओं के नाम लिखिए।

उत्तर- NMSA के उद्देश्य निम्नलिखित है-

1. इस मिशन का उद्देश्य कृषि को अधिक विशिष्ट, स्थायी एवं जलवायु अनुकूल बनाना है।
2. प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना।
3. परम्परागत कृषि विकास योजना (PKVY) तथा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (RKVY) जैसी योजनाओं के माध्यम से जैविक कृषि को बढ़ावा देना।

अध्याय-06 जल संसाधन

1. निम्नलिखित में से जल किस प्रकार का संसाधन है ?
(1) अजैव संसाधन (2) जैव संसाधन
(3) अनवीकरणीय संसाधन (4) अचक्रीय संसाधन (1)

2. देश में कुल जल का सबसे अधिक समानुपात निम्नलिखित सेक्टरों में से किस सेक्टर में है ?
(1) सिंचाई (2) घरेलू उपयोग
(3) उद्योग (4) इनमें से कोई नहीं (1)

3. पृथ्वी के कितने प्रतिशत धरातल पर जल है ?
(1) 64 (2) 71
(3) 55 (4) 84 (2)

4. धरातलीय जल का मुख्य स्त्रोत कैनसे है ?
(1) नदिया (2) तालाब
(3) झीले (4) उक्त सभी (4)

5. निम्न में से पश्चिम प्रवाह की नदियां है ?
(1) गोदावरी (2) कावेरी
(3) लूनी (4) गंगा (3)

6. धरातलीय और भौमजल का सबसे अधिक उपयोग किस सेक्टर में होता है?
(1) कृषि (2) उद्योग
(3) घरेलू कार्यो (4) पेयजल (1)

7. पर्यावरण सुरक्षा अधिनियम कब पारित हुआ था ?
(1) 1976 (2) 1986
(3) 1996 (4) 2006 (2)

शेखावाटी मिशन-100

8. प्रदूषण का निवारण और नियंत्रण सम्बन्धी जल अधिनियम कब बनाया गया था ?
(1) 1974 (2) 1964
(3) 1984 (4) 1994 (1)

9. हरियाली कार्यक्रम का सम्बन्ध है ?
(1) पर्यावरण (2) वन संसाधन
(3) जल संसाधन (4) भूमि संसाधन (3)

10. नीरू-मीरू कार्यक्रम कौनसे राज्य से सम्बन्धित है ?
(1) आन्ध्र प्रदेश (2) तमिलानाडु
(3) राजस्थान (4) गुजरात (1)

11. 'अरवारी पानी संसद' कार्यक्रम राजस्थान के किस क्षेत्र में चलाया गया है?
(1) जयपुर (2) अलवर
(3) सीकर (4) कोटा (2)

12. भारतीय राष्ट्रीय जल नीति कब घोषित की गयी ?
(1) 2001 (2) 2002
(3) 2003 (4) 2004 (2)

13. जल क्रांति अभियान कब प्रारम्भ किया गया ?
(1) 2015-16 (2) 2016-17
(3) 2017-18 (4) 2018-19 (1)

14. भौमजल के अत्यधिक उपयोग के कारण राजस्थान व महाराष्ट्र में भूमिगत जल में किस तत्व का सकेन्द्रण बढ़ गया है ?
(1) मैंगनीज (2) जिप्सम
(3) सोडियम (4) फ्लुओराइड (द)

15. निम्नलिखित दक्षिण भारतीय राज्यों में से किस राज्य में भौमजल उपयोग (% में) इसके कुल भौमजल सम्भाव्य से ज्यादा है ?
(1) तमिलनाडु (2) कर्नाटक
(3) आन्ध्र प्रदेश (4) केरल (1)

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. सिंचाई किसे कहते है ?
उत्तर- वर्षा की कमी या अभाव के कारण शुष्क मौसम में खेतों में कृत्रिम ढंग से जल आपूर्ति की क्रिया सिचाई कहलाती है।

2. गहन सिंचाई की एक मुख्य समस्या बताईए ?
उत्तर- मृदा में लवणता की वृद्धि होती है।

3. सी पी सी बी का पूरा नाम लिखें ?
उत्तर- सेन्ट्रल पोल्यूशन कन्ट्रोल बोर्ड (केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड)

4. एस पी सी बी का पूरा नाम लिखे?
उत्तर- स्टेट पोल्यूशन कन्ट्रोल बोर्ड (राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड)

5. भौमजल को प्रदूषित करने वाले मुख्य कारक बताइएं?
उत्तर- फ्लोराइड, नाइट्रेट एवं भारी विषैली धातुएं

6. जल चक्रीय प्रक्रम का लाभ क्या है ?
उत्तर- स्नान व बर्तन धोने वाले जल को बागवानी में उपयोग, उद्योगों में शीतलन में उपयोग, अग्निशमन आदि में उपयोग करना।

7. हरियाली परियोजना क्या है ?
उत्तर- केन्द्र सरकार द्वारा संचालित है जो ग्रामीण जनसंख्या को पीने, सिंचाई, मत्स्य पालन व वन रोपण के लिए जल संरक्षण के लिए योग्य बनाना है।

8. नीरू-मीरू कार्यक्रम किस राज्य से संबंधित है ?
उत्तर- आन्ध्र प्रदेश

9. महाराष्ट्र का ..... गाँव पूरे देश में जल-संभर विकास का एक उदाहरण है।
उत्तर- रालेगॅन सिद्धि (जिला अहमदनगर)

10. कृषि में जल का उपयोग मुख्य रूप से ..... होता है।
उत्तर- सिंचाई

11. अरवारी पानी संसद व नीरू-मीरू कार्यक्रम का सम्बन्ध ..... के संरक्षण से है।
उत्तर- जल संसाधन

12. हरियाली केन्द्र सरकार द्वारा प्रवर्तित ..... परियोजना है।
उत्तर- जल-संभर विकास

13. कुंड अथवा टाँका क्या है ?
उत्तर- राजस्थान में वर्षा जल संग्रहण ढाँचे जिन्हें कुंड या टाँका कहा जाता है।

14. जल क्रांति अभियान (2015-16) का मुख्य उद्देश्य क्या है ?
उत्तर- जल क्रांति अभियान (2015-16) भारत सरकार द्वारा आरम्भ किया गया जिसस मुख्य उद्देश्य देश में प्रति व्यक्ति जल की उपलब्धता को सुनिश्चित करना।

15. भारत में सिंचाई के प्रमुख साधनों के नाम लिखो।
उत्तर- नलकूप, कुएं, तालाब और नहरें।

16. धरातलीय जल के मुख्य स्त्रोत कौनसे है ?
उत्तर- नदियाँ, झीलें, तालाब और तलैया।

17. भौमजल संसाधन का अत्यधिक उपयोग करने वाले चार राज्यों के नाम बताइये।
उत्तर- पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और तमिलनाडु।

18. भारत की दो बहुउद्देश्य परियोजनाओं के नाम लिखो।
उत्तर- 1. भाखड़ा नागल परियोजना 2. हीराकुण्ड परियोजना

19. भारत की दो सबसे अधिक प्रदूषित नदियों के नाम लिखो।
उत्तर- 1. यमुना (दिल्ली और इटावा के बीच)
2. गंगा (कानपुर व वाराणसी के मध्य)

20. प्रायद्वीपीय पठारी भाग में सबसे महत्वपूर्ण सिंचाई के स्त्रोत कौनसा है ?
उत्तर- तालाब

21. यह कहा जाता है कि भारत में जल संसाधनों में तेजी से कमी आ रही है। जल संसाधनों की कमी के लिए उत्तरदायी कारकों की विवेचना कीजिए।
उत्तर- निम्नलिखित कारक है-
1. जनसंख्या में तीव्र वृद्धि 2. बढ़ता घरेलू उपयोग
3. औद्योगिक क्षेत्रों में जल संसाधनों का अत्यधिक उपयोग
4. सिंचाई की आवश्यकता 5. जल प्रदूषण

22. प्रदूषित जल/गंदे पानी के उपयोग के क्या प्रभाव हो सकते है-
उत्तर- ऐसे जल प्रयोग से कई प्रकार की महामारी रोग जैसे- आन्त्रशोथ, पीलिया, हैजा, टाइफाइड आदि उत्पन्न हो सकते है।

शेखावाटी मिशन-100

23. भारत में लैगून और पश्चजल कहां पाये जाते है ? इनके कोई दो उपयोग लिखिए।

या

भारत में मिलने वाले लैगूनों तथा पश्च झील के महत्व पर टिप्पणी लिखो।

उत्तर- केरल, उड़ीसा तथा पश्चिमी बंगाल के सागरीय तट बहुत ही दंतुरित (कटी-फटी) है। इसी कारण वहाँ बहुत-सी लैगून और पश्च झीले मिलती है। यद्यपि इन झीलों में खारा जल होता है। लेकिन इसका उपयोग-

1. मछली पालन में
2. चावल की कुछ निश्चित किस्मों तथा
3. नारियल आदि की सिंचाई

24. कुछ राज्यों में भौम जल संसाधन के अत्यधिक उपयोग के क्या दुष्परिणाम उभर कर हमारे समक्ष आये है ? बताइये ?

उत्तर- कुछ राज्यों में भौम जल संसाधन के अत्यधिक उपयोग से इसका स्तर नीचा हो गया है। राजस्थान एवं महाराष्ट्र राज्यों में भूमिगत जल के अधिक उपयोग से भूमिगत जल में फ्लुराइड का सकेन्द्रण बढ़ गया है तथा पश्चिमी बंगाल एवं बिहार के कुछ भागों में संखिया के संकेन्द्रण में वृद्धि हो गयी है।

25. जल के पुनः चक्र और पुनः उपयोग को समझाइये।

उत्तर- जल के पुनःचक्र और पुनः उपयोग के द्वारा भी अलवणीय जल की उपलब्धता को सुधारा जा सकता है। सामान्यतः कम गुणवता के जल का उपयोग, जैसे शोधित अपशिष्ट जल, नगरीय क्षेत्रों में स्नान और बर्तन धोने में प्रयुक्त जल तथा वाहनों को धोने के लिए प्रयुक्त जल आदि का उपयोग उद्योगों में शीतलन एवं अग्निशमन के लिए एवं बागवानी आदि कार्यों के लिए किया जा सकता है। इससे अच्छी गुणवत्ता वाले जल का पीने के उद्देश्य के लिए संरक्षण होगा।

26. भारत के कृषि क्षेत्र में सिंचाई हेतु जल की आवश्यकता का उल्लेख कीजिए।

उत्तर- सिंचाई की आवश्यकता के निम्न कारण है-

1. भारत में वर्षा के वितरण में असमानता।
2. देश के अधिकांश भागों में शीत एवं ग्रीष्म ऋतुओं में अत्यधिक शुष्कता पायी जाती है।
3. अनियमित मानसूनकालीन वर्षा।
4. कुछ फलसों जैसे कपास, गन्ना, जुट आदि को जल की अधिक आवश्यकता।

27. कृषि में सिंचाई की व्यवस्था के क्या-क्या लाभ है ?

उत्तर- निम्नलिखित लाभ है-

1. सिंचाई की व्यवस्था बहुफसलीकरण को सम्भव बनाती है।
2. फसलों को अधिक उपज देने वाली किस्मों के लिए आर्द्रता नियमित रूप से आवश्यक है जो केवल सिंचाई तंत्र से ही सम्भव है।
3. सिंचित कृषि भूमि की उत्पादकता असिंचित भूमि की अपेक्षा अधिक होती है।

28. ''हरियाली'' क्या है ?

उत्तर- **हरियाली परियोजना**- केन्द्र सरकार द्वारा संचालित।

उद्देश्य - ग्रामीण जनसंख्या को पीने, सिंचाई मत्स्य पालन और वन रोपण के लिए जल संरक्षण के लिए योग्य बनाना है। परियोजना लोगों के सहयोग से ग्राम पंचायतों द्वारा निष्पादित की जा रही है।

29. जल संभर प्रबन्धन क्या है ? क्या आप सोचते है कि यह सतत् पोषणीय विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है ?

या

जल-संभर प्रबन्धन से क्या तात्पर्य है? जलसंभर प्रबन्धन में केन्द्र तथा सरकारों के प्रयासों का उल्लेख कीजिए

या

निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखो ?

1. हरियाली कार्यक्रम 2. नीरु-मीरु कार्यक्रम 3. अरवारी पानी संसद

उत्तर- जल संभर प्रबन्धन से तात्पर्य धरातलीय और भौम जल संसाधनों के दक्ष प्रबंधन से है। इसके अन्तर्गत बहते जल को रोकना- तालाब, पुनर्भरण, कुओं आदि द्वारा भौम जल का संचयन और पुनर्भरण शामिल है।

उद्देश्य- जल संसाधनों का संरक्षण करके, प्राकृतिक संसाधनों और समाज के बीच सन्तुलन लाना है।

सतत् पोषणीय विकास में जल-संभर प्रबंधन की भूमिका:-

पोषणीय विकास से तात्पर्य ''एक ऐसे विकास से है, जिसमें भविष्य में आने वाली पीढ़ियों की आवश्यकता पूर्ति को प्रभावित करे बिना अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करना है।'' चूँकि जल संभर प्रबन्धन जल का उचित प्रबन्धन है, जिसमें अनावश्यक रूप से बहते जल को विभिन्न विधियों द्वारा संचयित किया जाता है। अतः सतत् पोषणीय विकास के अनुसार प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग की दर, इनके नवीनीकरण की दर से अधिक होनी चाहिए। अतः जल-संभर प्रबन्धन सतत् पोषणीय विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है। इस हेतु केन्द्र व राज्य सरकारों ने देश में बहुत से जल-संभर प्रबन्धन के विकास कार्यक्रम चलाए है, जैसे-

अन्तःस्त्रवण।

1. **हरियाली परियोजना**- केन्द्र सरकार द्वारा संचालित।

उद्देश्य - ग्रामीण जनसंख्या को पीने, सिंचाई मत्स्य पालन और वन रोपण के लिए जल संरक्षण के लिए योग्य बनाना है। परियोजना लोगों के सहयोग से ग्राम पंचायतों द्वारा निष्पादित की जा रही है।

2. नीरू-मीरू कार्यक्रम आन्ध्र प्रदेश में।
3. अरवारी पानी ससंद कार्यक्रम अलवर (राजस्थान) में।

30. वर्षा जल संग्रहण क्या है ? वर्षा जल संग्रहण के विभिन्न लाभों का उल्लेख करते हुए संग्रहण की विभिन्न विधियों का उल्लेख कीजिए

या

वर्षा जलसंग्रहण की कोई तीन विधियों का संक्षेप में वर्णन करो।

उत्तर- वर्षा जल संग्रहण विभिन्न उपयोगों के लिए वर्षा के जल को रोकने और एकत्र करने की विधि है। यह एक कम मूल्य और पारिस्थितिकी अनुकूल विधि है जिसके द्वारा पानी की प्रत्येक बूंद संरक्षित करने के लिए वर्षा जल को नलकूपों, गड्ढों और कुओं में एकत्र किया जाता है।

लाभ- 1. वर्षा जल संग्रहण पानी की उपलब्धता को बढ़ाता है।

2. भूमिगत जल स्तर को नीचा होने से रोकता है।

3. इससे फ्लुओराइड और नाइट्रेट्स जैसे संदूषकों को कम करके अवमिश्रित जल की गुणवत्ता को बढ़ा देता है।

4. मृदा अपरदन और बाढ़ को रोका जा सकता है।

शेखावाटी मिशन-100

वर्षा जलसंग्रहण की विधियाँ-

1. **टाँका**:- राजस्थान के अर्द्धशुष्क तथा शुष्क क्षेत्रों में स्थित बस्तियों में परम्परागत रूप से एक वर्षा जल संग्रहण ढाँचे का उपयोग किया जाता है। जिसे टाँका या कुण्ड कहां जाता है।

2. **तालाब एवं झील**- ग्रामीण क्षेत्रों में परम्परागत रूप से वर्षा जल संग्रहण के लिए धरातलीय संरचनाएँ जैसे - तालाब व झीलों का उपयोग किया जाता है।

3. सर्विस कूपों द्वारा घरों की छतों से वर्षा जल का संग्रहण।

4. प्रस्तर कूप व चैक डैम निर्मित कर जल संग्रहण।

5. पुनर्भरण कूपों द्वारा वर्षा जल का संग्रहण।

31. भारतीय राष्ट्रीय जल नीति-2002 की मुख्य विशेषतायें लिखिए।

उत्तर- भारतीय राष्ट्रीय जल नीति-2002 की विशेषतायें निम्न है-

1. सिंचाई और बहुउद्देश्य परियोजनाओं में पीने का जल घटक में सम्मिलित करना चाहिये।

2. पेय जल के सभी मानवजाति और प्राणियों को उपलब्ध करना पहली प्राथमिकता होनी चाहिये।

3. सतह और भौम जल दोनों की गुणवत्ता के लिए नियमित जाँच होनी चाहिये। जल की गुणवत्ता सुधारने के लिए एक चरणबद्ध कार्यक्रम शुरू किया जाना चाहिये।

4. शिक्षा विनिमय, उपक्रमणों, प्रेरकों और अनुक्रमणों द्वारा संरक्षण चेतना बढ़ानी चाहिये।

5. दुर्लभ संसाधन के रूप में, जल के लिए जागरूकता विकसित करनी चाहिए।

32. जल क्रांति अभियान पर टिप्पणी लिखिए।

उत्तर- जल क्रांति अभियान भारत सरकार द्वारा 2015-16 में आरम्भ किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य देश में प्रति व्यक्ति जल की उपलब्धता को सुनिश्चित करना है।

जल क्रांति अभियान का लक्ष्य स्थानीय निकायों और सरकारी संगठन एवं नागरिकों को सम्मिलित करके इस अभियान के उद्देश्य के बारे में जागरूकता फैलाना है। जल क्रांति अभियान के अन्तर्गत निम्नलिखित गतिविधियाँ प्रस्तावित है-

1. 'जल ग्राम' बनाने के लिए देश के 672 जिलों में से प्रत्येक जिले में एक ग्राम जिसमें जल की कमी है, उसे चुना गया है

2. भारत के विभिन्न भागों में 1000 हेक्टेयर मॉडल कमांड क्षेत्र की पहचान की गयी है।

3. प्रदूषण को कम करने के लिए-

- जल संरक्षण और कृत्रिम पुनर्भरण
- भूमिगत जल प्रदूषण को कम करना।
- देश के चयनित क्षेत्रों में आर्सेनिक मुक्त कुओं का निर्माण।

4. लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए जनसंचार माध्यम जैसे रेडियो, टीवी, प्रिंट मीडिया, पोस्टर प्रतियोगिता माध्यम है। जल क्रांति अभियान द्वारा खाद्य सुरक्षा और आजीविका प्रदान की जाए।

33. जल संसाधनों का ह्रास सामाजिक द्वंद्वों और विवादों को जन्म देते है। इसे उपयुक्त उदाहरणों सहित समझाइये।

उत्तर- जल एक प्राकृतिक और नवीकरण संसाधन होने के साथ-साथ किसी भी क्षेत्र के आर्थिक विकास में एक महत्वपूर्ण सहयोगी है। जल संसाधनों के अत्यधिक उपयोग के कारण दिन-प्रतिदिन इनमें कमी आती जा रही है। वहीं दूसरी और उपलब्ध जल-संसाधन औद्योगिक, कृषि तथा घरेलू निस्सरणों के मिलने से प्रदूषित होते जा रहे है। वे सभी राज्य या देश, जिनसे होकर नदी बहती है, नदी जल के भागीदार होते है। परिणामतः इनके आवण्टन व नियन्त्रण को लेकर कई प्रकार के विवाद उत्पन्न हो गये है, जिस कारण वृहत् स्तर पर जल के उपयोग में समस्याएँ उत्पन्न हो गई है। वर्तमान में अन्तर्राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर जल-संसाधनों को लेकर तनाव व विवाद की स्थिति पैदा हो गई है। जैसे-

1. भारत और बांग्लादेश के मध्य गंगा जल विवाद।

2. कर्नाटक और तमिलनाडु के मध्य कावेरी नदी जल-विवाद।

3. महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और गुजरात के मध्य नर्मदा जल-विवाद।

4. पंजाब, हरियाणा व हिमाचल प्रदेश के मध्य सतलज-यमुना लिंक नहर विवाद।

5. भारत और पाकिस्तान के मध्य सिन्धु नदी जल विवाद।

34. जल प्रदुषण से क्या तात्पर्य है? भारत में जल प्रदूषण की समस्या के निवारण के लिए सरकारी प्रयासों का वर्णन कीजिए।

उत्तर- प्राकृतिक जल में बाह्य पदार्थों, जैसे- सूक्ष्म जीव, रासायनिक पदार्थ, औद्योगिक, घरेलू और अन्य अपशिष्टो के मिलने से, जल के गुणों में हुई कमी, जल प्रदूषण कहलाता है।

देश में उपलब्ध जल संसाधनों का तेजी से निम्नीकरण हो रहा है। देश की मुख्य नदियों के प्रायः पहाड़ी क्षेत्रों पायी जाती है। मैदानी भागों में नदियों के जल में कृषिगत (उर्वरक और कीटनाशक), घरेलू (ठोस व अपशिष्ट पदार्थ) तथा औद्योगिक बहिःस्त्रावों के सम्मिश्रण (सी. पी. सी. बी.) और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार जैव व जीवाणविक संदूषण नदियों में प्रदूषण का मुख्य कारक है।

भारत में जल प्रदूषण की समस्या के निवारण सम्बन्धी उपायः-

1. जल अधिनियम 1974 (प्रदूषण का निवारण और नियंत्रण)

2. पर्यावरण सुरक्षा अधिनियम 1986

3. जल उपकर अधिनियम 1977 आदि।

यद्यपि इनका निर्माण जल प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से किया गया था, इनके देश में प्रभावपूर्ण ढंग से कार्यान्वत नहीं किये जाने के कारण इनके परिणाम सीमित ही प्राप्त हुये है। अतः वर्तमान में जल के महत्व और जल प्रदूषण के प्रभावों के बारे में लोगों को जागरूक करने की सर्वप्रमुख आवश्यकता है।

अध्याय - 07 खनिज और ऊर्जा संसाधन

1. निम्न में से कौन-सा धात्विक खनिज नहीं है-
(1) लौहा (2) ताँबा
(3) बॉक्साइड (4) माइका (4)

2. निम्नलिखित में से कौनसा खनिज 'भूरा कोयला' के नाम से जाना जाता है?
(1) लिग्नाइट (2) माइका
(3) ताँबा (4) प्राकृतिक गैस (1)

3. निम्न में से कौनसा अधात्विक खनिज नहीं है ?
(1) माइका (2) ग्रेफाइट
(3) कोयला (4) मैंगनीज (4)

शेखावाटी मिशन-100

नोटः- 1. धात्विक खनिजः लौहा धात्विक खनिज - लोहा, मैंगनीज, अलौह धात्विक खनिज- ताँबा, बॉक्साइड

2. अधात्विक खनिज- ईंधन खनिज- कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस माइका (अभ्रक, चुनाप्रस्तर, डोलोमाइट, ग्रेफाइट)

4. भारत में किस किस्म का कोयला सर्वाधिक है ?
(1) एन्थ्रेसाइट (2) बिटुमिन्स
(3) लिग्नाइट (4) पीट (2)

5. निम्न में से किस खनिज को 'तरल सोना' कहा जाता है ?
(1) प्राकृतिक गैस (2) कोयला
(3) यूरेनियम (4) पेट्रोलियम (4)

6. गैस अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड की स्थापना कब हुई ?
(1) 1984 (2) 1974
(3) 1994 (4) 1964 (1)

7. बाबा बूदन पहाड़ियाँ कौनसे अयस्क के लिए विख्यात है ?
(1) ताँबा (2) लौहा
(3) चाँदी (4) सोना (2)

8. निम्न में से कौनसा मैंगनीज/बॉक्साइड उत्पादन में अग्रणी है ?
(1) महाराष्ट्र (2) ओडिशा
(3) झारखण्ड (4) छत्तीसगढ़ (2)

9. एल्यूमिनियम धातु कौनसे अयस्क से प्राप्त होती है ?
(1) मैग्नेटाइट (2) बाक्साइड
(3) डोलोमाइट (4) सोना (2)

10. निम्न में से कौनसे खनिज का उपयोग विद्युत एवं इलेक्ट्रोनिक्स उद्योगों में किया जाता है ?
(1) बॉक्साइड (2) अभ्रक
(3) डेलोमाइट (4) सोना (2)

11. भारत का प्रथम तेल उत्पादक क्षेत्र था ?
(1) अंकलेश्वर (गुजरात) (2) डिगबोई (असम)
(3) मुंबई हाई (महराष्ट्र) (4) बाड़मेर (राजस्थान) (2)

12. परमाणु ऊर्जा आयोग की स्थापना कब हुयी ?
(1) 1948 (2) 1907
(3) 1954 (4) 1964 (1)

13. निम्नलिखित में से किस स्थान पर पहला परमाणु ऊर्जा स्टेशन स्थापित किया गया था ?
(1) नरोरा (2) रावतभाटा
(3) तारापुर (4) राणाप्रताप सागर (3)

14. निम्न में से कौनसा ऊर्जा का अनवीकरणीय स्त्रोत है ?
(1) जल (2) सौर
(3) पवन (4) ताप (4)

15. राजस्थान में किस स्थान पर सौर ऊर्जा शक्तिग्रह स्थापित किया गया है ?
(1) जोधपुर (मथानिया) (2) बीकानेर
(3) सीकर (4) बाड़मेर (1)

16. भारत में तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग की स्थापना कब हुई थी ?
(1) 1946 (2) 1956
(3) 1966 (4) 1976 (2)

17. निम्न में से कौनसा ऊर्जा का नवीकरणीय स्त्रोत है ?
(1) कोयला (2) पेट्रोलियम
(3) नाभिकीय ऊर्जा (4) जैवभार (बायोमास) (4)

18. हाल ही में तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग ने प्राकृतिक गैस के संभावित भण्डार का पता लगाया है ?
(1) मंथानिया (राजस्थान) (2) रामानाथपुरम (तमिलनाडू)
(3) नवेली (तमिलनाडू) (4) तारापुर (महराष्ट्र) (2)

19. भारत का सबसे बड़ा कोयला क्षेत्र कौनसा है ?
(1) रानीगंज (2) बोकारो
(3) झरिया (4) गिरीडीह (3)

20. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए-

अ. गुरूमहिसानी, बादाम पहाड़	1. ताँबा
ब. कालाहांडी	2. अभ्रक
स. नेल्लोर	3. बॉक्साइड
द. बालाघाट	4. लौहा

कूटः-	अ	ब	स	द	
(1)	4	3	2	1	
(2)	1	2	3	4	
(3)	2	4	1	3	
(4)	3	4	1	2	(1)

21. निम्न को सुमेलित कीजिए-

अ. मुम्बई-हाई	1. पेट्रोलियम
ब. रानीगंज	2. कोयला
स. मनीकरण (हिमाचल प्रदेश)	3. भूतापीय ऊर्जा
द. रावतभाटा	4. परमाणु ऊर्जा

कूटः-	अ	ब	स	द	
(1)	4	3	2	1	
(2)	2	1	3	4	
(3)	1	2	3	4	
(4)	2	1	4	3	(3)

22. खनिज से क्या तात्पर्य है ? खनिजों का वर्गीकरण चित्र द्वारा प्रदर्शित कीजिए।

उत्तर- एक निश्चित रासायनिक एवं भौतिक गुणधर्मो के साथ कार्बनिक या अकार्बनिक उत्पति के प्राकृतिक पदार्थ खनिज कहलाते है

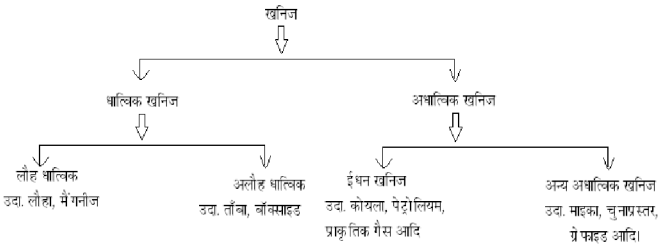

23. जैव ऊर्जा से क्या तात्पर्य है ?

उत्तर- वह ऊर्जा जो जैविक उत्पादों जैसे कृषि अवशेष, नगरपालिका व औद्योगिक अपशिष्ट आदि से प्राप्त होती है, जैव ऊर्जा कहलाती है।

शेखावाटी मिशन-100

24. धात्विक खनिज के उदाहरण लिखें ?

उत्तर- लौहा धात्विक खनिज- लौहा, मैंगनीज।
अलौहा धात्विक खनिज- तांबा, बॉक्साइट

25. अधात्विक खनिज के उदाहरण लिखे ?

उत्तर- ईंधन खनिज- कोयला, पैट्रोलियम, प्राकृतिक गैस

26. कोयले की कौन-कौन सी किस्में होती है ?

उत्तर- एन्थ्रोसाइट, बिटुमिन्स, लिग्नाइट व पीट

27. भारत में अभ्रक के वितरण का विवरण बताऐं।

उत्तर- भारत में अभ्रक मुख्यतः झारखड में निचले हजारीबाग पठार की 150 किलोमीटर लंबी व 22 किलोमीटर चौड़ी पट्टी में, आंध्र प्रदेश के नेल्लोर जिले में एवं राजस्थान में लगभग 320 किलोमीटर लम्बी पट्टी में जयपुर से भीलवाड़ा और उदयपुर के आस-पास विस्तृत है। इसके अतिरिक्त कर्नाटक के मैसूर व हासन जिले तमिलनाडु के कोयम्बटूर, तिरूचिरापली, मदुरई तथा कन्याकुमारी जिले, महाराष्ट्र के रत्नागिरी तथा पश्चिमी बंगाल के पुरूलिया एवं बांकुरा जिलों में भी अभ्रक के कुछ निक्षेप पाए जाते है।

28. अलौह खनिज एवं लौह खनिज में अन्तर बताइये ?

उत्तर-

लौह खनिज	अलौह खनिज
1. जिन खनिज पदार्थों में लौह धातु का अंश होता है।	1. जिन खनिज पदार्थों में लौह धातु नहीं पाई जाती है।
2. लोहा, मैंगनीज, क्रोमाइट कोबाल्ट आदि लौह खनिज है।	2. सोना, ताँबा, सीसा, निकल आदि अलौह खनिज है।
3. इनका मुख्य उपयोग लौह-इस्पात उद्योग में किया जाता है।	3. इनकी अलग-अलग उपयोगिता होती है, जैसे- आभूषण निर्माण, विद्युत उद्योग में आदि।

29. परम्परागत व अपरम्परागत ऊर्जा स्त्रोंतों में उदाहरण सहित अन्तर स्पष्ट कीजिए ?

उत्तर- **परम्परागतः-**

1. वे ऊर्जा संसाधन, जो प्राचीन काल से उपयोग में लिये जा रहे है, परम्परागत ऊर्जा स्त्रोत कहलाते है।
2. प्रायः परम्परागत स्त्रोत सीमित एवं समाप्य है।

उदा. कोयला, खनिज तेल, प्राकृतिक गैस आदि।

अपरम्परागत-

1. ऐसे ऊर्जा स्त्रोत जिन्हें मानव ने आधुनिक युग में ही काम में लेना शुरू किया है, अपरम्परागत ऊर्जा स्त्रोत कहलाते है।
2. प्रायः अपरम्परागत स्त्रोत असीमित व नव्य-करणीय होते है।

उदा. सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जल ऊर्जा, भूतापीय ऊर्जा, जैवभार आदि।

30. भारत में कोयला संसाधनों पर विस्तृत टिप्पणी लिखो।

उत्तर- कोयला महत्वपूर्ण खनिज है जिसका मुख्य प्रयोग ताप विद्युत उत्पादन तथा लौह अयस्क के प्रगलन के लिए किया जाता है-

1. गोंडवाना 2. टर्शियरी निक्षेप

गोंडवाना कोयला निक्षेपः- भारत में 80 प्रतिशत भाग बिटुमिनियस प्रकार का संसाधन पश्चिमी बंगाल, झारखण्ड, झरिया, बोकारो, गिरीडीह तथा करनपुरा (झारखण्ड) है। इसके अलावा गोदावरी, महानदी तथा सोन नदी घाटी क्षेत्र है। अन्य क्षेत्रों में मध्यप्रदेश में सिंगरौली, छत्तीसगढ़ में कोरबा, ओडिशा में तलचर तथा भरतपुर, महाराष्ट्र में चांदा-वर्धा, काम्पटी तथा तेलगाना में सिंगरेनी व आन्ध्रप्रदेश में पांडुर है।

टर्शियरी कोयला निक्षेप-

1. मेघालय- दरानगिरी, चेरापूँजी, मवलांग
2. अरूणाचल प्रदेश- नामचिक-नाम्फुक
3. माकुम, जयपुर, उतरी असम नजीरा तथा जम्मू-कश्मीर में कालाकोट में। इसके अलावा भूरा कोयला या लिग्नाइट तमिलनाडु के तटीय भागों पांडिचेरी गुजरात और जम्मू-कश्मीर में भी पाया जाता है।

31. भारत के पेट्रोलियम संसाधनों पर विस्तृत टिप्पणी लिखें।

उत्तर- अपनी दुर्लभता और विविध उपयोगों के लिए पेट्रोलियम को 'तरल सोना' कहा जाता है। कच्चा पेट्रोलियम द्रव और गैसीय अवस्था के हाइड्रोकार्बन सें युक्त होता है तथा इसकी रासायनिक संरचना रंगों और विशिष्ट घनत्व में भिन्नता पायी जाती है।

उपयोग- मोटर वाहनों, रेल्वे तथा वायुयानों के अंतर-दहन ईंधन के लिए ऊर्जा का एक अनिवार्य स्त्रोत है। यह उत्पाद पेट्रो-रसायन उद्योगों जैसे- उर्वरक, कृत्रिम रबर, कृत्रिम रेशे, दवाइयाँ, वैसलीन, स्नेहकों, मोम, साबुन तथा अन्य सौंदर्य सामग्री में प्रक्रमित किये जाते है।

उत्पादक क्षेत्र-

1. असमः- डिगबोई, नहारकटिया तथा मोरान
2. गुजरातः- अंकलेश्वर, कालोल, नेहसाणा, नवागाव, कोसांबा तथा लुनेज।
3. महाराष्ट्रः- मुम्बई-हाई
4. अन्य क्षेत्रः- कृष्णा, गोदावरी तथा कावेरी बेसिनों में।

नोटः- भारत में दो प्रकार के तेल शोधन कारखाने है-
क. क्षेत्र आधारित - डिगबोई तेल शोधन कारखाना।
ख. बाजार आधारित- बरौनी तेल शोधन कारखाना।

32. लौहा अयस्क पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखे ?

उत्तर- भारत में लौह अयस्क के प्रचुर संसाधन है। हमारे देश में लौह अयस्क के दो प्रमुख प्रकारों - हेमेटाइट तथा मैग्नेटाइट का प्रमुख रूप में खनन किया जाता है।

भारत में संचित भण्डारः- भारत में एशिया के विशालतम लौह अयस्क भण्डार पाये जाते है। लौह अयस्क के कुल आरक्षित भण्डारों का लगभग 95 प्रतिशत भाग ओड़िशा, झारखण्ड, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, गोआ, आंध्र प्रदेश तथा तमिलनाडू राज्य में स्थित है।

प्रमुख उत्पादक क्षेत्रः-

1. ओडिशाः- यह भारत का सबसे बड़ा लौह अयस्क उत्पादक राज्य है। यहाँ गुरूमहिसानी, सुलाएपत, बादामपहाड़, किरूबिरू एवं बोनाई प्रमुख खाने है।
2. झारखण्ड- नोआमंडी और गुआ।
3. छत्तीसगढ़ः- बेलाडीला तथा डल्ली व दुर्ग जिले में राजहरा श्रेणी।
4. कर्नाटकः- होस्पेट क्षेत्र, बाबा बुदन पहाड़ी, कुद्रेमुख आदि।
5. महाराष्ट्रः- चन्द्रपुर, भंडारा तथा रत्नागिरी।

33. निम्नलिखित नवीकरण योग्य स्त्रोतों को विस्तार से समझाइये।

1. सौर ऊजा 2. पवन ऊर्जा
3. भूतापीय ऊर्जा 4. जैव ऊर्जा

1. **सौर ऊर्जाः-** सूर्य से ऊष्मा व प्रकाश के रूप में प्राप्त ऊर्जा, सौर ऊर्जा कहलाती है। अन्य सभी अनवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों की अपेक्षा सौर-तापीय प्रौद्योगिकी अधिक लाभप्रद है। यह लागत प्रतिस्पर्धी, पर्यावरण

शेखावाटी मिशन-100

अनुकूल तथा निर्माण में आसान है। यह सामान्यतः हीटरो, फसल शुष्कको, कुकर्स आदि जैसे गुजरात व राजस्थान में सौर ऊर्जा के विकास की अधिक संभावनाएँ है।

2. **पवन ऊर्जा**:- यह पूर्ण रूप से प्रदूषण मुक्त और ऊर्जा का असमाप्य स्त्रोत है। पवन की गतिज ऊर्जा को टरबाइन के माध्यम से विद्युत ऊर्जा में बदला जाता है। भारत में पवन ऊर्जा के लिए गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान तथा कर्नाटक में अनुकूल परिस्थितियाँ विद्यमान है।

3. **भूतापीय ऊर्जा**:- जब पृथ्वी के गर्भ से मैग्मा निकलता है तो अत्यधिक ऊष्मा निमुक्त होती है। इस ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित किया जा सकता है। इसके अलावा, गीजर कूपों से निकलने गर्म पानी से ताप ऊर्जा पैदा की जा सकती है। भारत में भूतापीय ऊर्जा संयंत्र हिमाचल प्रदेश के मनीकरण में अधिकृत किया जा चुका है।

4. **जैव ऊर्जा (बायोगैस)**:- जैव ऊर्जा उस ऊर्जा को कहा जाता है जिसे जैविक उत्पादों से प्राप्त किया जाता है जिसमें कृषि अवशेष, नगरपालिका, औद्योगिक तथा अन्य अपशिष्ट शामिल होते है। जैव ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा, ताप ऊर्जा अथवा खाना पकाने के लिए गैस में परिवर्तित किया जा सकता है। नगरपालिका कचरे को ऊर्जा में बदलने वाली ऐसी ही एक परियोजना नई दिल्ली के ओखला में स्थित है।

अध्याय-8 निर्माण उद्योग

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. राउरकेला इस्पात संयंत्र कब, कहाँ व किसके सहयोग से स्थापित किया गया ?

उत्तर- 1959 में ओडिशा, जर्मनी के सहयोग से स्थापित किया गया।

2. भिलाई इस्पात संयंत्र कब, कहाँ व किसके सहयोग से स्थापित किया गया?

उत्तर- 1959 में छत्तीसगढ़, रूस के सहयोग से स्थापित किया गया।

3. दुर्गापुर इस्पात संयंत्र कब, कहाँ व किसके सहयोग से स्थापित किया गया?

उत्तर- 1962 में पश्चिम बंगाल, यूनाइटेड किंगडम के सहयोग से स्थापित किया गया।

4. बोकारो इस्पात संयंत्र कब, कहाँ व किसके सहयोग से स्थापित किया गया?

उत्तर- 1964 में झारखण्ड, रूस के सहयोग से स्थापित किया गया।

5. भारत में द्वितीय पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत विदेशी सहयोग से कौनसे लौह-इस्पात संयंत्र स्थापित किये गये ?

उत्तर- राउरकेला (जर्मनी), भिलाई (रूस), दुर्गापुर (यूनाइटेड किंगडम)

6. भारत की पहली आधुनिक सूती वस्त्र मिल की स्थापना कब व कहाँ की गई ?

उत्तर- 1854 में मुंबई में की गई।

7. भारत का विश्व में चीनी उत्पादन, गन्ना उत्पादन में स्थान तथा चीनी उत्पादन का प्रतिशत है ?

उत्तर- विश्व की 8% चीनी का उत्पादन तथा चीनी, गन्ना उत्पादन की दृष्टि से विश्व में प्रथम स्थान।

8. हुगली औद्योगिक प्रदेश का केन्द्र है ?

उत्तर- कोलकाता - हावड़ा।

9. भारत में सबसे पहले स्थापित की गई लौह-इस्पात कम्पनी कौनसी थी ?

उत्तर- टाटा लौह एवं इस्पात कंपनी (TISCO)

10. कच्चे माल के स्त्रोत के निकट स्थापित होने वाला उद्योग नहीं है ?

उत्तर- इलैक्ट्रोनिक उद्योग

11. भारत का अग्रणी चीनी उत्पादक राज्य है ?

उत्तर- महाराष्ट्र

12. किस राज्य की सूती वस्त्र मिले कपड़ा न बनाकर सूत का उत्पादन करती है?

उत्तर- तमिलनाडु

13. SAIL द्वारा किस लौह-इस्पात संयंत्र का प्रबन्धन नहीं किया जाता ?

उत्तर- बोकारो

14. IISCO का कारखाना किस स्थान पर है ?

उत्तर- हीरापुर, कुल्टी, बर्नपुर।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करने वाले चार कारक लिखिए-

उत्तर- उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करने वाले चार प्रमुख कारक निम्नलिखित है-

1. कच्चामाल- उद्योगों की स्थापना या विकास मुख्यतः उन्हीं प्रदेशों में होता है जहाँ उन्हें कच्चा माल की प्राप्ति हो। भारी उद्योग कच्चे माल प्राप्ति के स्थान पर ही स्थापित किये जाते है। हल्के व शीघ्र खराब होने वाले उत्पाद के उद्योग बाजारों के समीप स्थापित किये जाते है। चीनी उद्योग, लौह-इस्पात उद्योग, सीमेंट उद्योग कच्चे माल प्राप्ति पर ही लगाये जाते है।

2. शक्ति - शक्ति ऊर्जा का पर्याय है जो मशीनों के कार्यो के लिए आवश्यक है। उद्योग स्थापना से पहले उस स्थान पर शक्ति की आवश्यकता होती है।

3. बाजार- उद्योगों के लिए बाजार का होना आवश्यक है क्योंकि उद्योगों में उत्पादित वस्तुओं या पदार्थो का व्यापार बाजारों में किया जाता है। बाजार की उपलब्धता द्वारा ही उत्पादन बढ़ता है तथा उद्योग का भविष्य निर्धारित होता है।

4. परिवहन- उद्योग की स्थापना में परिवहन भी महत्वपूर्ण कारक है क्योंकि उद्योग तक कच्चे माल को पहुंचाना, उद्योग में बने उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने के लिए परिवहन अति आवश्यक है।

2. भारत के प्रमुख औद्योगिक प्रदेशों का वर्णन कीजिए।

उत्तर- 1. मुम्बई-पुणे औद्योगिक प्रदेश- यह औद्योगिक प्रदेश मुंबई-थाने से पुणे, नासिक, शोलापुर जिलों के आस-पास वाले क्षेत्रों तक फैला है। इस औद्योगिक प्रदेश का विकास मुंबई में सूती वस्त्र उद्योग की स्थापना के साथ प्रारम्भ हुआ।

- स्वेज नहर के खुलने के कारण मुंबई पत्तन के विकास को प्रोत्साहन मिला।

- इस उद्योग की आवश्यकता पूर्ती के लिए पश्चिमी घाट प्रदेश में जल विद्युत शक्ति का विकास किया गया।

2. हुगली औद्योगिक प्रदेश- हुगली नदी के किनारे बसा हुआ यह औद्योगिक प्रदेश उत्तर में बॉसबेरिया से दक्षिण में बिड़लानगर तक लगभग 100 किमी क्षेत्र में फैला है।

- कोलकाता- हावड़ा इस औद्योगिक प्रदेश के प्रमुख केन्द्र है। इस औद्योगिक प्रदेश के विकास में राजनीतिक, अंग्रेजी ब्रिटिश शासन में भारत की राजधानी होने के कारण विदेशी पूँजी को भी आकर्षित किया। साथ ही जूट उद्योग का मुख्य केन्द्रीकरण हावड़ा और भटपारा में है।

शेखावाटी मिशन-100

3. स्वदेशी आन्दोलन ने सूती वस्त्र उद्योग को किस प्रकार प्रोत्साहन दिया समझाएं-

उत्तर- स्वदेशी आन्दोलन द्वारा उद्योगों को प्रमुख रूप से ब्रिटेन के बने सामानों का बहिष्कार कर बदले में भारतीय सामानों को उपयोग में लाने का आह्वान किया गया। 1921 के बाद रेलमार्गों के विकास के साथ ही दूसरे सूती वस्त्र केन्द्रों का तेजी से विकास व विस्तार हुआ।

- दक्षिण भारत में कोयबंटूर, मदुरई और बैंग्लूरू में मिलों की स्थापना की गई। पतन की सुविधा के कारण कोलकाता में भी मिले स्थापित की गई। तमिलनाडु में इस उद्योग के तेजी से विकास के कारण मिलों के लिए प्रचुर मात्रा में जल-विद्युत शक्ति की उपलब्धता है। उज्जैन, भरूच, आगरा, हाथरस, कोयम्बटूर और तिरुन्नवेली आदि केन्द्रों में कम श्रम लागत के कारण कपास उत्पादक क्षैत्रों से दूर होते हुए भी उद्योगों की स्थापना की गई।

4. उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण से आप क्या समझते है ?

उत्तर- 1. उदारीकरण- भारत सरकार द्वारा औद्योगिक व आर्थिक विकास को गति प्रदान करने के लिए आर्थिक नियमों में शिथिलता, प्रतिबन्धों को हटाना या कम करना, लाइसेंस प्रणाली समाप्त करना, विदेशी निवेश को प्रोत्साहित करना तथा अन्य किये गये प्रयासों को उदारीकरण के नाम से जाना जाता है। नई उद्योग नीति में सुरक्षा, सामरिक, प्रमाणु ऊर्जा, रेलवे तथा पर्यावरणीय सरोकार से सम्बन्धित छः उद्योगों को छोड़कर सभी उद्योग स्थापित करने की लाइसेंस प्रणाली समाप्त कर दी गई। इससे अनेक नये उद्योगों की स्थापना तेजी से हुई।

2. निजीकरण- नई औद्योगिक नीति में आर्थिक विकास का ऊँचा स्तर प्राप्त करने के लिए सीधा विदेशी निवेश (FDI- Foreign Direct Investiment) घरेलू निवेश के पूरक रूप में देखा गया है। FDI घरेलू निवेश तथा उपभोक्ताओं को उन्नत तकनीकी वैश्विक प्रबंधन, कुशलता, व्यवहारिकता का अधिगम, प्राकृतिक तथा मानवीय संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग आदि के द्वारा लाभ प्रदान करता है।

3. वैश्वीकरण- वैश्वीकरण का अर्थ है कि देश की अर्थव्यवस्था को संसार की अर्थव्यवस्था के साथ एकीकृत करना या खोलना है। इस प्रक्रिया द्वारा एक देश से दूसरे देश को समान पूँजी, सेवाएँ, श्रम तथा संसाधन स्वतंत्रतापूर्वक पहुँचाए जा सकते है।

- घरेलू तथा बाह्य प्रतिस्पर्धा के लिए बाजार प्रक्रिया तथा तकनीकी को साथ में प्रभावी व सुगम बनाकर वैश्विकरण को आगे बढ़ाना है।

- भारत में आर्थिक क्रियाओं के विभिन्न क्षेत्रों में विदेशी कंपनियों को पूँजी निवेश के लिए अर्थव्यवस्था को खोलता है।

5. भारत में द्वितीय पंचवर्षीय योजना में विदेशी सहयोग से स्थापित लौह-इस्पात संयत्रों की स्थापना की गई-

उत्तर- 1. राउरकेला इस्पात संयत्र - राउरकेला इस्पात संयत्र जर्मनी के सहयोग से 1959 में ओडिशा राज्य में स्थापित किया गया। इस संयत्र को कच्चे माल की निकटता के आधार पर स्थापित किया गया था। इस संयत्र को झरिया से कोयला और सुंदरगढ़, केंदुझर से लौहा अयस्क प्राप्त होता है।

2. भिलाई इस्पात संयत्र- भिलाई इस्पात संयंत्र की स्थापना रूस के सहयोग से 1959 में छतीसगढ़ के दुर्ग जिले में प्रारम्भ किया गया।

- इस संयत्र को डल्ली-राजहरा खानों से लौह-अयस्क तथा कोरबा-करगाली खानों से कोयला प्राप्त होता है। यह कोलकाता-मुंबई रेलमार्ग पर स्थित है।

3. दुर्गापुर इस्पात संयत्र - दुर्गापुर इस्पात संयत्र की स्थापना यूनाइटेट किंगडम की सहायता से 1962 में पश्चिम बंगाल में प्रारम्भ किया गया।

- इस संयत्र को रानीगंज-झरिया से कोयला तथा जल व विद्युत शक्ति दामोदर घाटी कॉरपोरेशन से प्राप्त होता है। यह इस्पात संयत्र कोलकाता-दिल्ली रेलमार्ग पर स्थित है।

6. ज्ञान-आधारित उद्योग से आप क्या समझते है ? लिखिए-

उत्तर- मानव द्वारा ज्ञान का उपयोग कर नई-नई प्रौद्योगिकी का विकास किया है इस तकनीक ने अनेक उद्योगों का विकास किया है। प्रौद्योगिकी उन्नति ने देश की अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव डाला है। सुचना प्रौद्योगिकी क्रांति ने आर्थिक और सामाजिक रूपान्तरण के लिए संभावनाएँ उत्पन्न कर रही है।

- भारतीय सॉफ्टवेयर उद्योग यहां की अर्थव्यवस्था में सबसे तेजी से विकसित हुआ उद्योग है। भारतीय सॉफ्टवेयर उद्योग ने अंतर्राष्ट्रीय गुणवता प्रमाण-पत्र प्राप्त कर लिया है। विश्व की अधिकांश बहुराष्ट्रीय कंपनियों के सॉफ्टवेयर विकास केन्द्र या अनुसंधान विकास केन्द्र भारत में है।

अध्याय-9 भारत के संदर्भ में नियोजन एवं सतत् पोषणीय विकास

1. नीति आयोग का गठन कब हुआ ?
(1) 1 जनवरी 2014 (2) 1 जनवरी 2015
(3) 1 जनवरी 2017 (4) 1 जनवरी 2016 (2)

2. निम्नलिखित में से किस जनजाति के लोग ऋतु प्रवास करते है ?
(1) गद्दी (2) भील
(3) मीणा (4) गरासिया (1)

3. भरमौर जनजातीय क्षेत्र किस राज्य में अवस्थित है ?
(1) राजस्थान (2) मध्य प्रदेश
(3) झारखण्ड (4) हिमाचल प्रदेश (4)

4. 'द पापुलेशन बम' पुस्तक के लेखक है ?
(1) एहरलिच (2) मीडोस
(3) अमर्त्य सेन (4) रैटजेल (1)

5. 'द लिमिट टू ग्रोथ' पुस्तक के लेखक है-
(1) अमर्त्य सेन (2) रैटजेल
(3) मीडोस एवं अन्य (4) एहरलिच (3)

6. 'अवर कॉमन फ्यूचर' रिपोर्ट प्रस्तुत की गई?
(1) 1972 (2) 1987
(3) 1992 (4) 2005 (2)

7. सूखा संभावित क्षेत्र विकास कार्यक्रम की शुरूआत किस पंचवर्षीय योजना में हुई ?
(1) दूसरी (2) पांचवी
(3) सातवी (4) चौथी (4)

8. इंदिरा गांधी नहर परियोजना कब प्रारम्भ हुई ?
(1) 31 मार्च 1948 (2) 31 मार्च 1952
(3) 31 मार्च 1958 (4) 31 मार्च 1966 (3)

9. जनजातिय उप-योजना प्रारम्भ हुई।
(1) 1974 (2) 1956
(3) 1986 (4) 1992 (1)

शेखावाटी मिशन-100

10. नीति आयोग से पूर्व नियोजन का कार्य किस संस्था द्वारा किया जाता था ?
(1) कृषि मंत्रालय (2) वन मंत्रालय
(3) योजना आयोग (4) राष्ट्रीय विकास परिषद (3)

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

1. पर्वतीय क्षेत्र विकास कार्यक्रमों को .....पंचवर्षीय योजना में प्रारंभ किया गया।

उत्तर- पांचवी

2. विकास एक ..... संकल्पना है ?

उत्तर- बहु-आयामी

3. गद्दी जनजाति के लोग ..... भाषा बोलते है ?

उत्तर- गद्दीयाली

4. 'अवर कामन फ्यूचर' रिपोर्ट को ..... रिपोर्ट भी कहा जाता है ?

उत्तर- ब्रंटलैण्ड

5. इंदिरा गांधी नहर जिसे पहले ..... नहर के नाम से जाना जाता था।

उत्तर- राजस्थान।

6. इंदिरा गांधी नहर का उद्गम स्थल ..... बाँध है ।

उत्तर- हरिके

7. ..... पंचवर्षीय योजना में पर्वतीय क्षेत्रों तथा उत्तर पूर्वी राज्यों के जनजातिय एवं पिछड़े क्षेत्रों में अवसंरचना को विकसित करने के लिए विशिष्ट क्षेत्र योजना तैयार किया गया।

उत्तर- आठवीं

8. WECD का पूरा नाम क्या है ?

उत्तर- विश्व पर्यावरण ओर विकास आयोग।

9. ITDP का पूरा नाम क्या है ?

उत्तर- समन्वित जनजातिय विकास परियोजना।

10. SFDA का पूरा नाम-

उत्तर- लघु कृषक विकास संस्था।

11. MFDA का पूरा नाम-

उत्तर- सीमांत कृषक विकास संस्था

लघुतरात्मक प्रश्नः-

1. सतत् पोषणीय विकास की संकल्पना को परिभाषित कीजिए।

उत्तर- ऐसा विकास जिससे भविष्य में आने वाली पीढ़ियों की आवश्यकता पूर्ति को प्रभावित किए बिना वर्तमान पीढ़ी द्वारा अपनी आवश्यकता की पूर्ति करना।

2. नीति आयोग का गठन कब हुआ, इससे पूर्व नियोजन का कार्य किस संस्था द्वारा किया गया था।

उत्तर- नीति आयोग का गठन 1 जनवरी 2015 को हुआ।
- नीति आयोग से पूर्व नियोजन का कार्य योजना आयोग द्वारा किया जाता था।

3. नीति आयोग का उद्देश्य बताइएँ।

उत्तर- **नीति आयोग के उद्देश्य-**
1. केन्द्रीय तथा राज्य सरकार को युक्तियुक्त तथा तकनीकी सलाह देना।
2. भारत के आर्थिक नीति निर्माण में राज्यों की भागीदारी सुनिचित करना।

4. नियोजन से क्या तात्पर्य है तथा नियोजन के दो उपगमन (उपागम) कौनसे है ?

उत्तर- **नियोजन का अर्थः-** नियोजन एक सोच-विचार की प्रक्रिया है जिसमें कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करना तथा उद्देश्य को प्राप्त करने हेतु गतिविधियों का क्रियान्वयन सम्मिलित है। नियोजन के द्वारा सुधार एवं पुनर्निर्माण का कार्य किया जाता है।

नियोजन के उपगमन- 1. खंडीय नियोजन 2. प्रादेशिक नियोजन

5. खंडीय व प्रादेशिक नियोजन को परिभाषित कीजिए।

अथवा

खंडीय व प्रादेशिक नियोजन में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- **खंडीय नियोजन का अर्थ-** अर्थव्यवस्था के विभिन्न सेक्टरों (कृषि, सिंचाई विनिर्माण, ऊर्जा, परिवहन, संचार आदि) के विकास हेतु कार्यक्रम बनाना तथा उन्हें लागू करना है।

- प्रादेशिक नियोजन का अर्थ- जब किसी देश के सभी प्रदेशों का आर्थिक विकास समान रूप से नहीं होता है तब वहां प्रादेशिक नियोजन की प्रक्रिया अपनाई जाती है। इसके अन्तर्गत जो प्रदेश (क्षेत्र) आर्थिक विकास में पिछड़े है वहाँ स्थानिक परिपेक्ष्य में योजनाएँ बनाई जाती है ताकि प्रदेशिक असंतुलन को कम किया जा सके।

6. पहाड़ी क्षेत्र विकास कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य बताइये।

उत्तर- पहाड़ी क्षेत्र विकास कार्यक्रम पहाड़ी क्षेत्रों में बागवानी का विकास, रोपण कृषि, पशुपालन, मुर्गीपालन, वानिकी, लघु तथा ग्रामीण उद्योगों का विकास करने के लिए स्थानीय संसाधनों को उपयोग में लाने के उद्देश्य से बनाए गए है।

7. पर्वतीय क्षेत्र के विकास हेतु सुझाव दीजिए।

उत्तर- **सुझावः-** 1. स्थानीय संसाधनों तथा प्रतिभाओं का विकास करना।
2. जीविका-निर्वाह अर्थव्यवस्था को निवेश-उन्मुखी अर्थव्यवस्था बनाना।
3. पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखना।
4. पिछड़े क्षेत्रों की बाजार व्यवस्था में सुधार करके श्रमिकों को लाभ पहुँचाना।

8. सूखा संभावी क्षेत्र विकास कार्यक्रम का उद्देश्य बताइये।

उत्तर- इस कार्यक्रम का उद्देश्य सूखा संभावी क्षेत्रों में लोगों को रोजगार उपलब्ध करवाना तथा सूखे के प्रभाव को कम करने के लिए उत्पादन के साधनों को विकसित करना है।

9. सूखा संभावी क्षेत्र विकास के प्रमुख कार्यक्रम कौन-कौनसे है लिखिए।

उत्तर- चौथी पंचवर्षीय योजना में इसके अन्तर्गत अधिक श्रमिकों की आवश्यकता वाले सिविल निर्माण कार्यो पर बल दिया गया था। परन्तु पांचवी पंचवर्षीय योजना में इसके कार्यक्षेत्र में सिंचाई परियोजनाओं, भूमि विकास कार्यक्रम, वनीकरण, चारागाह विकास और आधारभूत ग्रामीण अवसंरचना जैसे विद्युत, सड़कों, बाजार, ऋण सुविधाओं और सेवाओं को सम्मिलित किया गया।

शेखावाटी मिशन-100

10. इंदिरा गांधी नहर में चरणों पर टिप्पणी लिखिए।

उत्तर- इंदिरा गांधी नहर का निर्माण कार्य दो चरणों में पूरा किया गया।

चरण-1	चरण-2
1. इस चरण का कमान क्षेत्र गंगानगर, हनुमानगढ़ और बीकानेर जिले के उतरी भाग में विस्तृत है।	1. इस चरण का कमान क्षेत्र बीकानेर, जैसलमेर, जोधपुर, नागौर व चूरू जिलों में विस्तृत है।
2. इस चरण में कृषि योग्य कमान क्षेत्र 5.53 लाख हेक्टेयर है।	2. इस चरण में कृषि योग्य कमान क्षेत्र 14.10 लाख हेक्टेयर है।
3. इस चरण में सिंचाई की शुरूआत 1960 के दशक में आरम्भ हुई।	3. इस चरण में सिंचाई की शुरूआत 1980 के मध्य दशक में आरम्भ हुई।

11. इंदिरा गांधी नहर से पर्यावरण पर पड़ने वाला सकारात्मक प्रभाव बताइये।

उत्तर- **सकारात्मक प्रभाव**:- 1. वनीकरण तथा चारागाह क्षेत्र में वृद्धि हुई।
2. वायु अपरदन तथा बालू निक्षेप की प्रक्रिया में कमी आई।

12. इंदिरा गांधी नहर से पर्यावरण पर पड़ने वाला नकारात्मक प्रभाव (समस्याएं) बताइये।

उत्तर- **नकारात्मक प्रभाव** : 1. जल भराव की समस्या।
2. मृदा लवणता की समस्या।

13. इंदिरा गांधी नहर से क्षेत्र की कृषि अर्थव्यवस्था पर क्या प्रभाव पड़ा स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- 1. सिंचित क्षेत्र में विस्तार होने से बोये गये क्षेत्र में वृद्धि हुई।
2. फसलों की संघनता में वृद्धि हुई।
3. पारम्परिक फसलों (बाजरा, ग्वार व चना) का स्थान गेहूँ, कपास, मूँगफली और चावल ने ले लिया।
4. पशुधन पालन में वृद्धि हुई।

14. इंदिरा गांधी नहर कमान क्षेत्र में सतत पोषणीय विकास को बढ़ावा देने वाले उपाय बताइये।

उत्तर- इंदिरा गांधी नहर कमान क्षेत्र में सतत पोषणीय विकास को बढ़ावा देने हेतु उपाय निम्न है-
1. जल प्रबंधन नीति का कठोरता से क्रियान्वयन होना चाहिए।
2. कम पानी में उत्पादित होने वाली फसलों की बुवाई को बढ़ावा देना चाहिए।
3. जलाक्रांत तथा लवण से प्रभावित भूमि का पुनरूद्धार किया जाना चाहिए।
4. वनीकरण, वृक्षों की रक्षण मेखला का निर्माण तथा चारागाह विकास किया जाना चाहिए।

15. इंदिरा गांधी नहर की व्याख्या निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर कीजिए।

1. शुरूआत	2. उद्गम स्थल
3. कमान क्षेत्रफल	4. लिफ्ट नहर

उत्तर- **1. शुरूआत**:- इंदिरा गांधी नहर परियोजना 31 मार्च 1958 को प्रारंभ हुई।
2. उद्गम स्थल:- पंजाब के हरिके बाँध से ।
3. कमान क्षेत्रफल - 19.63 लाख हेक्टेयर।
4. लिफ्ट नहर:- इंदिरा गांधी नहर में सभी लिफ्ट नहरे मुख्य नहर के बायें किनारे से निकलती है। यह लिफ्ट नहरें ढाल के विपरीत जल प्रवाह हेतु जल को बार-बार मशिनों से उपर उठाया जाता है।

16. लक्ष्य क्षेत्र नियोजन से आप क्या समझते है। लक्ष्य क्षेत्र कार्यक्रम तथा लक्ष्य समूह कार्यक्रम के उदाहरण बताइये।

उत्तर- लक्ष्य क्षेत्र नियोजन की प्रक्रिया उन क्षेत्रों में अपनाई जाती है जो क्षेत्र आर्थिक रूप से पिछड़े हुए है। इस हेतु योजना आयोग ने 'लक्ष्य क्षेत्र कार्यक्रम' तथा 'लक्ष्य समूह कार्यक्रम' उपागमों को प्रस्तुत किया।

लक्ष्य क्षेत्र कार्यक्रम के उदाहरण-
1. कमान नियंत्रित क्षेत्र विकास कार्यक्रम
2. सूखाग्रस्त क्षेत्र विकास कार्यक्रम
3. पर्वतीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम

लक्ष्य समूह कार्यक्रम के उदाहरण:-
1. लघु कृषक विकास संस्था (SFDA)
2. सीमांत किसान विकास संस्था (MFDA)

अध्याय-10 परिवहन एवं संचार

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. रेलवे पटरी को चौड़ाई के आधार पर भारतीय रेल के तीन वर्गों का वर्णन कीजिए।

उत्तर- रेल पटरी की चौड़ाई के आधार पर भारतीय रेल के तीन वर्ग पाये जाते है।
1. बड़ी लाइन (ब्राड गेज):- इसमें रेल पटरियों के बीच की दूरी 1.61 मीटर है। इनकी कुल लम्बाई 60510 किलोमीटर है।
2. मीटर लाइन (मीटर गेज):- इसमें रेल पटरियों के बीच की दूरी 1 मीटर है। इनकी कुल लम्बाई 3880 किलोमीटर है।
3. छोटी लाइन (नैरो गेज):- इसमें रेल पटरियों के बीच की दूरी 0.76 मीटर या 0.61 मीटर होती है। इनकी लम्बाई 2297 किलोमीटर है। यह पर्वतीय क्षेत्रों तक सीमित है।

2. भारत के किस रेल मार्ग को आप अभियांत्रिकी का अनूठा चमत्कार मानते है इस रेल मार्ग पर पुल व सुरंगों की संख्या लिखिए।

अथवा

कोंकण रेलवे पर टिप्पणी लिखिए।

उत्तर- कोंकण रेलवे को अभियांत्रिकी का अनूठा चमत्कार माना जाता है इस मार्ग पर 2000 पुल, 91 सुरंग तथा 146 नदी धाराओं को पार करता है। - 1998 में निर्मित कोकण रेलवे 760 किलोमीटर लम्बा है यह महाराष्ट्र के रोहा को कर्नाटक के मंगलौर से जोड़ता है।

3. पवनहंस क्या है ? यह किन दो क्षेत्रों में सेवायें प्रदान करता है।

उत्तर- पवन हंस एक हेलीकॉप्टर सेवा है जो पर्वतीय क्षेत्रों में सेवारत है। पवन हंस द्वारा सेवा प्रदान किये जाने वाले क्षेत्र-
1. पर्वतीय क्षेत्र तथा उतर पूर्व क्षेत्रों में पर्यटको को सेवाएं प्रदान करता है।
2. पवन हंस लिमिटेड पैट्रोलियम सेक्टर के लिए हेलीकॉप्टर सेवाएं उपलब्ध करता है।

4. भारत में लैगून व पश्च जल कहां पाये जाते है? इसके दो उपयोग लिखिए

अथवा

कडल से आप क्या समझते है ?

उत्तर- भारत में लैगून व पश्च केरल राज्य में स्थित है, जिसे कडल कहा जाता है।

पश्च जल के उपयोग:-
1. इससे अन्तस्थलीय जलमार्ग बने हुए है जो परिवहन का सस्ता साधन उपलब्ध कराते है।

शेखावाटी मिशन-100

2. केरल में भारी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करते है। यहाँ की प्रसिद्ध नेहरू ट्राफी नौकादौड़ (वल्लामकाली) भी इसी पश्च जल में आयोजित की जाती है।

5. पाइप लाइन परिवहन से आप क्या समझते है ? भारत में यह कार्य किस कम्पनी (निगम) द्वारा किया जा रहा है तथा भारत की प्रमुख पाइपलाइनों के नाम लिखिए।

अथवा

भारत में तेल एवं गैस पाइप लाइनों के विषय में लिखिए।

उत्तर- पाइप लाइन परिवहनः- पाइप लाइने गैस एवं तरल पदार्थो का लंबी दूरी तक परिवहन हेतु अत्यधिक सुविधाजनक एवं सक्षम प्रणाली है। इसके द्वारा ठोस पदार्थो को भी घोल या गारा में बदलकर परिवहित किया जा सकता है।

- कंपनी (निगम)- ऑल इंडिया लिमिटेड (OIL) द्वारा कचे तेल एवं प्राकृतिक गैस को-अन्वेषण, उत्पादन एवं परिवहन का कार्य किया जाता है।

भारत की प्रमुख पाइप लाइनेः-

1. असम के नाहरकटिया तेल क्षेत्र से बरौनी के तेल शोधक कारखाने तक
2. अंकलेश्वर से कोयली तक
3. मुम्बई हाई से कोयली तक
4. हजीरा- विजयपुर- जगदीशपुर पाइप लाइन
5. सलाया (गुजरात) से मथुरा तक
6. नुमालीगढ़ से सिलीगुड़ी तक।

6. ''राष्ट्रीय महामार्ग विकास परियोजना'' की व्याख्या कीजिए।

अथवा

स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना और उत्तर-दक्षिण तथा पूर्व-पश्चिम कोरिडोर (गलियारा) पर टिप्पणी लिखिए।

उत्तर- राष्ट्रीय महामार्गो के विकास रख-रखाव तथा प्रचालन का कार्य 'भारतीय राष्ट्रीय महामार्ग प्राधिकरण' द्वारा किया जाता है।

इस प्राधिकरण ने देशभर में कई प्रमुख राष्ट्रीय महामार्ग विकास परियोजनायें प्रारम्भ की है इनसे प्रमुख निम्न प्रकार है।

1. स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना - इसके अन्तर्गत 5846 किलोमीटर लम्बी 4 लेन अथवा 6 लेन वाले उच्च सघनता का यातायात गलियारा शामिल है जो चार बड़े महानगरों - दिल्ली-मुम्बई-चेन्नई-कोलकता को जोड़ते है। इस परियोजना के निर्माण से भारत के इन महानगरों के बीच समय-दूरी तथा यातायात लागत में कमी आयी है।

2. उत्तर-दक्षिण तथा पूर्व-पश्चिम गलियारा (कोरिडोर)- उत्तर-दक्षिण गलियारे का उद्देश्य श्रीनगर से कन्याकुमारी को 4016 किलोमीटर लम्बे मार्ग द्वारा जोड़ना है। पूर्व-पश्चिम गलियारे का उद्देश्य सिलचर (असम) से पोरबंदर (गुजरात)को 3640 किलोमीटर लम्बे मार्ग द्वारा जोड़ना है।

7. भारत में वायुपरिवहन की विवेचना निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर कीजिए।

अ. शुरूआत ब. प्रबंधन स. महत्व

उत्तर- अ. शुरूआत- भारत में वायु परिवहन की शुरूआत 1911 में इलाहाबाद से नैनी के बीच की गई।

ब. भारत में वायुपरिवहन का प्रबंधन- एयरइंडिया द्वारा किया जाता है। एयर इंडिया यात्रियों तथा नौ भार यातायात के लिए अन्तर्राष्ट्रीय वायु सेवाएं उपलब्ध कराता है।

स. वायुपरिवहन का महत्व- 1. परिवहन का तीव्र साधन के कारण लम्बी दूरी को कम समय में तय करने में।

2. प्राकृतिक आपदा के समय राहत सामग्री पहुंचाने में।

3. दुर्गम इलाकों तक पहुंचने हेतु।

8. सीमा सड़क संगठन की विवेचना निम्नलिखित बिंदुओं के आधार पर कीजिए।

अ. स्थापना ब. उद्देश्य स. कार्य (उपलब्धि)

उत्तर- अ. स्थापना- सीमा सड़क संगठन की स्थापना मई 1960 में हुई।

ब. उद्देश्य - 1. देश के उतरी तथा उतरी पूर्वी सीमा से सटी सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण सड़कों के तीव्र एवं समन्वित सुधार के माध्यम से आर्थिक विकास को गति देना

2. तथा रक्षा तैयारियों को मजबूती प्रदान करना।

स. कार्यः- 1. अति ऊंचाई वाले पर्वतीय क्षेत्रों में चड़ीगढ़ को मनाली तथा लेह से जोड़ने वाली सड़क बनाई है।

2. सामरिक दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में सड़के बनाने व अनुसरण करना तथा साथ ही अति ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फ हटाने का कार्य भी करता है।

9. अन्तःस्थलीय जलमार्ग से आप क्या समझते है। भारत के किन्हीं दो राष्ट्रीय जलमार्गो की विवेचना कीजिए।

उत्तर- अन्तःस्थलीय जलमार्ग के अन्तर्गत नदियाँ, नहरे, झीले, पश्चजल तथा संकरी खाड़िया आदि आते है। देश के परिवहन में लगभग 1 प्रतिशत योगदान अन्तः स्थलीय जलमार्गो का है।

भारत के राष्ट्रीय जलमार्गः-

1. राष्ट्रीय जलमार्ग 1- विस्तार - इलाहाबाद से हल्दिया तक (1620 किमी) गंगा नदी में

2. राष्ट्रीय जल मार्ग 2 - विस्तार- सदिया से धुबरी तक (891 किमी) ब्रह्मपुत्र नदी में

3. राष्ट्रीय जलमार्ग 3- विस्तार- कोट्टापुरम से कोलम तक (16 किमी) पश्चिमी तटर नहर, चंपाद्वारा तथा उद्योग मंडल

4. राष्ट्रीय जलमार्ग 4- नहर काकीनाडा व पुदुच्चेरी नहर स्ट्रेच के साथ-साथ गोदावरी व कृष्णा नदी का विशेष विस्तार (1078 किमी)

5. राष्ट्रीय जलमार्ग 5- मातई नदी, महानदी के डेल्टा, ब्राह्मणी नदी तथा पूर्वी तटीय नहर के साथ (588 किमी)

10. निम्नलिखित जनसंचार तंत्रों पर टिप्पणी लिखिए।

अ. रेडियो ब. टेलीविजन

उत्तर- अ. रेडियोः-1. शुरूआत - 1923 में रेडियो कलब ऑफ बाम्बे द्वारा भारत में रेडियो का प्रसारण प्रारम्भ किया गया। इसके बाद 1936 में इसे ऑल इण्डिया रेडियो तथा 1957 में आकाशवाणी में बदल दिया गया।

2. कार्यक्रम - रेडियो पर सूचना, शिक्षा, मनोरंजन से जुड़े हुए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का प्रसारण होता है।

ब. टेलीविजनः- 1. शुरूवात- 1959 में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रसार के साथ भारत में शुरूवात। 1976 में इसे दूरदर्शन (DD) के रूप में विकसित किया गया।

2. सूचना के प्रसार और जनसाधारण को शिक्षित करने में टेलीविजन एक महत्वपूर्ण श्रव्य-दृश्य साधन है।

शेखावाटी मिशन-100

11. भारत में उपग्रह संचार की विवेचना निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर कीजिए।

अ. उपग्रह संचार प्रणाली ब. उपग्रह के उपयोग

अथवा

इनसैट तथा भारतीय सुदूर संवेदन (I.R.S.) में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- उपग्रह, संचार का स्वयं एक अलग माध्यम होने के साथ-साथ संचार के अन्य साधनों का नियमन करता है।

अ. उपग्रह संचार प्रणाली- भारत में उपग्रह संचार प्रणाली को दो वर्गों में रखा गया है।

1. इनसैट

2. इण्डियन रिमोट सेंसिंग सिस्टम

1. इनसैट - (इण्डियन नेशनल सेटेलाइट सिस्टम) इसकी स्थापना 1983 में हुई थी। यह एक बहुउद्देश्यीय उपग्रह प्रणाली है जो दूरसंचार, मौसम विज्ञान सम्बन्धि अवलोकनों तथा विभिन्न अन्य आँकड़ों एवं कार्यक्रमों के लिए उपयोगी है।

2. भारतीय सुदूर संवेदन (IRS)- इसकी शुरूवात 1988 में रूस के बैक्वनूर से IRS - IA के प्रक्षेपण के साथ हुई। भारत ने भी अपना स्वयं का प्रक्षेपण वाहन PSLV (पोलर सैटेलाइट लॉच व्हीकल) विकसित किया। ये उपग्रह अनेक स्पैक्ट्रलबैंड को एकत्रित कर, विविध उपयोग हेतु स्टेशनों पर भेजते है। यह प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन के लिए बहुत ही उपयोगी है। हैदराबादा स्थित NRSC आंकड़ों के अधिग्रहण एवं प्रक्रमण की सुविधा उपलब्ध कराती है।

ब. उपग्रह के उपयोग- 1. मौसम का पूर्वानुमान लगाने में।

2. प्राकृतिक आपदाओं की निगरानी।

3. सीमा क्षेत्रों में चौकसी।

12. भारत में सड़क परिवहन के विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिए।

उत्तर- भारत का सड़क जाल विश्व का दूसरा सबसे बड़ा सड़क जाल है। सड़कों के निर्माण तथा रखरखाव के उद्देश्य से सड़कों को निम्न प्रकार से वर्गीकृत किया गया है।

1. राष्ट्रीय महामार्ग (NH):- यह सड़के केन्द्र सरकार द्वारा निर्मित एवं अनुरक्षित होती है एवं यह सड़के राज्यों की राजधानी, प्रमुख नगरों, रेलवे जक्शन तथा पतनों को जोड़ती है। यह सड़के देश की कुल सड़क लम्बाई का 2 प्रतिशत है। स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना तथा उत्तर-दक्षिण एवं पूर्व-पश्चिम गलियारा भारत की महत्वपूर्ण राष्ट्रीय महामार्ग विकास परियोजनाएँ है।

2. राज्य महामार्ग (SH):- इनका निर्माण व रखरखाव राज्य सरकारों द्वारा किया जाता है। यह सड़के राज्य की राजधानी से जिला मुख्यालयों तथा अन्य महत्वपूर्ण नगरों एवं कार्यालयों को जोड़ती है। इन सड़कों के अन्तर्गत देश की कुल सड़कों की लम्बाई का 4 प्रतिशत भाग आता है।

3. जिला सड़के:- यह सड़के जिला मुख्यालयों तथा जिले के अन्य महत्वपूर्ण स्थलों के बीच सम्पर्क स्थापित करती है यह सड़के देश की कुल सड़क लम्बाई का 14 प्रतिशत है।

4. ग्रामीण सड़के:- यह सड़के ग्रामीण क्षेत्र को आपस में जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके अन्तर्गत देश की सड़कों की लम्बाई का लगभग 80% भाग आता है।

5. अन्य सड़कें:- इसके अन्तर्गत सीमांत सड़के एवं अन्तर्राष्ट्रीय महामार्गों को सम्मिलित किया जाता है।

13. भारतीय रेल के 6 रेलमण्डल तथा उनके मुख्यालय लिखिए।

उत्तर- रेलमण्डल	मुख्यालय
1. सेंट्रल (मध्य रेल्वे मण्डल)	- मुम्बई
2. इस्टर्न (पूर्वी रेल्वे मण्डल)	- कोलकाता
3. नार्दन (उतरी रेल मण्डल)	- नई दिल्ली
4. वेस्टर्न (पश्चिमी रेल मण्डल)	- मुम्बई (चर्च गेट)
5. सदर्न (दक्षिणी रेल मण्डल)	- चेन्नई
6. नार्थ वेस्टर्न (उ. प. रेल मण्डल)	- जयपुर।

14. परिवहन एक संगठित सेवा उद्योग है? व्याख्या कीजिए।

उत्तर- 1. परिवहन समाज की आधारभूत आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु बना संगठित उद्योग है।

2. प्रत्येक देश ने प्रतिरक्षा के उद्देश्य से विभिन्न प्रकार के परिवहन का विकास किया है।

3. परिवहन के साधन व्यापार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है।

15. परिवहन एवं संचार में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- परिवहन	संचार
1. लोगों तथा समान को एक स्थान से दूसरे स्थान तक लाने व ले जाने का साधन परिवहन कहलाता है।	1. एक व्यक्ति अथवा स्थान से दूसरे स्थान पर संदेश, सूचना भेजने का माध्यम संचार कहलाता है।
2. यह देश के आर्थिक विकास में सहायक है।	2. यह देश की सामाजिक प्रगति में सहायक है।
3. यह मुख्यतः सड़क, रेल जलमार्ग एवं वायुमार्ग द्वारा सम्पन्न होता है।	3. डाक, तार, टेलिफोन, इन्टरनेट, टेलीविजन आदि संचार के प्रमुख साधन है।

अध्याय - 11 अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार

लघुतरात्मक प्रश्न

1. कांडला बंदरगाह की अवस्थिति, विकास का कारण तथा महत्व का वर्णन कीजिए ?

उत्तर- कांडला बंदरगाह की अवस्थिति - कच्छ की खाड़ी के मुहाने पर।

विकास का कारण:- आजादी के बाद कराची पतन के पाकिस्तान में चले जाने के बाद भारत पश्चिमी व उत्तर-पश्चिमी भागों की जरूरतों को पूरा करने के लिए।

महत्व:- पैट्रोलियम उत्पाद तथा उर्वरकों को ग्रहण करने हेतु।

2. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में परिवहन के प्रमुख साधन तथा उनकी भूमिका (महत्व) क्या है ?

उत्तर- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में वायुपरिवहन तथा जल परिवहन का विशेष महत्व है। - वायु परिवहन द्वारा उच्च मूल्य तथा शीघ्र खराब होने वाली वस्तुओं का जबकि जल परिवहन द्वारा भारी वस्तुओं को परिवहित किया जाता है।

3. भारत के आयात संघटन में आये परिवर्तन का उल्लेख कीजिए ?

उत्तर- भारत के आयात संघटन में समय के साथ आये बदलाव निम्नलिखित है।

1. 1950-60 के दशक में खाद्यान्न, पूंजीगत माल तथा मशीनरी का आयात प्रमुख था जो हरित क्रांति के बाद बंद हो गया।

2. 1973 के बाद पैट्रोलियम तथा उर्वरकों का आयात प्रमुख रहा था

शेखावाटी मिशन-100

3. वर्तमान समय में पैट्रोलियम पदार्थ तथा उर्वरकों के साथ-साथ मशीनरी एवं उनके कलपुर्जे, खाद्य तेल तथा रसायन प्रमुख मद (वस्तुएं) है।

4. भारत के निर्यात संघटन में आये परिवर्तन का उल्लेख कीजिए ?

उत्तर- भारत निर्यात संघटन में समय के साथ आये बदलाव निम्नलिखित है-

1. अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के कारण कृषि एवं समवर्गी उत्पादों का हिस्सा घटा है।

2. पैट्रोलियम के मूल्य में वृद्धि एवं देश के में तेल शोधन क्षमता बढ़ने के कारण पैट्रोलियम तथा अपरिष्कृत उत्पादों एवं अन्य वस्तुओं में वृद्धि हुई है।

5. विश्व व्यापार में भारत की हिस्सेदारी कितने प्रतिशत है ?

उत्तर- लगभग एक प्रतिशत (भारत का अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार 44.30 लाख करोड़ रूपये का है।)

6. मुम्बई पतन के विकास के कारण लिखिए ?

उत्तर- प्रमुख कारण- 1. यह पतन मध्यपूर्व के देशों, भूमध्य सागरीय देशों, उत्तरी अफ्रीका, यूरोप तथा उतरी अमेरिका के देशों के व्यापारिक मार्गो के निकट स्थित है।

2. इसके पृष्ट प्रदेश के अन्तर्गत मध्यप्रदेश, महराष्ट्र, गुजरात, उत्तरप्रदेश तथा राजस्थान राज्य शामिल है।

3. पतन का विशाल आकार।

7. वर्ष 2016-17 की अवधि में भारत का आयात व निर्यात क्रमशः 18,52,340 तथा 25,77,422 करोड़ रूपये का था। भारत के व्यापार संतुलन की स्थिति स्पष्ट कीजिए तथा राष्ट्रहीत में सुझाव दीजिए।

उत्तर- इस समयावधि में निर्यात की अपेक्षा आयात का मूल्य अधिक है परिणामतः भारत का व्यापार संतुलन प्रतिकूल (ऋणात्मक) रहा है।

सुझावः- 1. आयात निर्भरता कम करना।

2. निर्यात आपूर्ति को बढ़ाना।

8. जोधपुर के एक हस्तशिल्प व्यापारी के लिए अपना माल निर्यात हेतु कौनसा बदंरगाह सर्वाधिक लाभकारी रहेगा व क्यों ?

उत्तर- हस्तशिल्प व्यापारी द्वारा अपने माल निर्यात हेतु कांडला बंदरगाह सर्वाधिक लाभकारी रहेगा क्योंकि जोधपुर के कांडला बंदरगाह ही सबसे नजदीक है जिससे समय व धन की बचत होगी।

9. भारत को अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में हिस्सेदारी बढ़ाने हेतु कौनसे उपाय अपनाने चाहिए।

उत्तर- भारत को अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में हिस्सेदारी बढ़ाने हेतु निम्नलिखित उपाय अपनाने चाहिए।

1. आयात उदारीकरण
2. आयात करों में कमी
3. डि-लाइसेसिंग
4. प्रक्रिया से उत्पाद के पेटेंट में बदलाव।

10. भारत के विदेशी व्यापार की विशेषताएं बताइये ?

उत्तर- प्रमुख विशेषताएँ- 1. भारत का अधिकांश विदेशी व्यापार समुद्री व वायुमार्गो द्वारा होता है।

2. भारत में व्यापार संतुलन प्रतिकूल (ऋणात्मक) है। क्योंकि आयात की तुलना में निर्यात कम है।

3. विश्व व्यापार में भारत के व्यापार की हिस्सेदारी लगभग 1% है।

11. उन महत्वपूर्ण मदों (वस्तुओं) के नाम बताइये जिन्हें भारत आयात व निर्यात करता है।

उत्तर- भारत द्वारा आयात की जाने वाली प्रमुख वस्तुएं-

1. पैट्रोलियम एवं उत्पाद
2. मोती एवं बहुमूल्य रत्न
3. अलौह धातुएं
4. रासायनिक उत्पाद
5. खाद्य तेल
6. उर्वरक
7. चिकित्सीय एवं फार्मा उत्पाद।

भारत द्वारा निर्यात की जाने वाली प्रमुख वस्तुएं (मद) -

1. विनिर्मित वस्तएं
2. कृषि एवं समवर्गी उत्पाद
3. खनिज ईंधन एवं लुब्रिकेट
4. अयस्क व खनिज

12. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए।

पतन	अवस्थिति
1. कांडला पतन	1. मुम्बई
2. जवाहर लाल नेहरू पतन	2. कच्छ की खाड़ी
3. मार्मागोवा पतन	3. कर्नाटक
4. न्यू मंगलौर पतन	4. महानदी डेल्टा
5. पाराद्वीप पतन	5. गोवा

उत्तर-

पतन	अवस्थिति
1. कांडला पतन	1. कच्छ की खाड़ी
2. जवाहर लाल नेहरू पतन	2. मुम्बई
3. मार्मागोवा पतन	3. गोवा
4. न्यू मंगलौर पतन	4. कर्नाटक
5. पाराद्वीप पतन	5. महानदी डेल्टा

13. पतन व पोताश्रय में अन्तर लिखिए।

उत्तर- पतन व पोताश्रय में अन्तर-

पतन	पोताश्रय
1. पतन पर जहाजों में सामान चढ़ाने व उतारने की सुविधा होती है।	1. पोताश्रय पर जहाज समुद्री लहरों तथा तुफानों से सुरक्षा प्राप्त करते है।
2. यहां पर स्थल व समुद्र आपस में मिले होते है।	2. पोताश्रय में स्थल भाग समुद्र से मिला हुआ नहीं होता है।
3. यहां पर जहाजों से माल उतारा व लादा जाता है।	3. यहाँ पर जलयानों की मरम्मत ईंधन भरने गोदाम व माल वितरण की सुविधा होती है।

14. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए।

मुख्य पतन	अनुषंगी पतन
1. मुम्बई पतन	1. एन्नोर पतन
2. कोलकता पतन	2. जवाहरलाल नेहरू पतन
3. चेन्नई पतन	3. हल्दिया पतन

उत्तर-

मुख्य पतन	**अनुषंगी पतन**
1. मुम्बई पतन	1. जवाहर लाल नेहरू पतन
2. कोलकता पतन	2. हल्दिया पतन
3. चेन्नई पतन	3. एन्नोर पतन

शेखावाटी मिशन-100

15. पृष्ट प्रदेश (Hinter land) से आप क्या समझते है ?

उत्तर- पृष्ट प्रदेश किसी पतन का स्थल की ओर वह विस्तृत भू-भाग है जहाँ से आयात व निर्यात की जाने वाली वस्तुएं वितरित तथा प्राप्त की जाती है पृष्ट प्रदेश कहलाता है। पृष्ट प्रदेश का स्पष्ट रूप से सीमांकन नहीं किया जा सकता क्योंकि विभिन्न पतनों के पृष्ट प्रदेश एक दूसरे को अतिव्यापन करते है। जैसे- मुम्बई का पृष्ट प्रदेश मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र व गुजरात है।

16. भारत के पूर्वी तट तथा पश्चिमी तट पर स्थित पतनों के नाम लिखिए।

उत्तर-

पश्चिमी तट	पूर्वी तट
1. कांडला पतन	1. कोलकाता पतन
2. मुम्बई पतन	2. हल्दिया पतन
3. जवाहरलाल नेहरू पतन	3. पारादीप पतन
4. मार्मगोवा पतन	4. विशाखपट्टनम पतन
5. न्यू मंगलौर पतन	6. चेन्नई पतन
6. कोच्चि पतन	7. तूतीकोरन पतन

17. भारत में कितने पतन है तथा प्रमुख प्राकृतिक पतनों के नाम लिखिए।

उत्तर- भारत में 12 प्रमुख तथा 200 छोटे व मझोले पतन है।

प्रमुख प्राकृतिक पतन :-

1. मार्मगोवा पतन
2. कांडला पतन
3. मुम्बई पतन
4. कोच्चि पतन

18. भारत के विभाजन के बाद कौनसे दो पतन भारत से अलग हो गये।

उत्तर- 1. कराची पतन 2. चिटगाँव पतन

19. 'अरब सागर की रानी' किसे कहा जाता है ? तथा इसके मुहाने पर कौनसा पतन है।

उत्तर- बेवांनद कयाल को अरब सागर की रानी कहा जाता है। इसके मुहाने पर कोच्चि पतन है।

20. कोलकता पतन की अवस्थिति तथा विकास के कारणों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर- अवस्थितिः- हुगली नदी पर अवस्थित है जो बंगाल की खाड़ी से 128 किलोमीटर अंदर स्थल भाग में स्थित है।

विकास का कारणः- कोलकता ब्रिटिश भारत की आरम्भिक राजधानी होने का आरम्भिक लाभ मिला था। परन्तु वर्तमान में अन्य पतनों तथा अनुषंगी पतनों के विकास के कारण इस पतन की सार्थकता कम रह गई है।

21. भारत के सबसे उतरी व दक्षिणी पतन कौन-से है ?

उत्तर- भारत का सबसे उतरी पतन कांडला तथा सबसे दक्षिणी पतन तूतीकोरिन है।

22. विशाखापट्टनम पतन की विशेषता लिखिए।

उत्तर- 1. यह भू आबद्ध पतन है

2. इसे ठोस चट्टान व बालू को काटकर एक नहर द्वारा समुद्र से जोड़ा गया है।

23. चेन्नई पतन के दबाव को कम करने के लिए कौनसा पतन का विकास किया गया।

उत्तर- एन्नोर व तूतीकोरन पतन

24. ''पतन विदेशी व्यापार के केन्द्र बिन्दू है'' व्याख्या कीजिए ?

उत्तर- विश्व में जितना भी व्यापार होता है उसका अधिकांश भाग पतनों द्वारा होता है। पतन अपने पृष्ट प्रदेश से आयातित माल को वितरित तथा निर्यातित माल को संग्रहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है इस संदर्भ में पतन को विदेशी व्यापार का केन्द्र बिन्दू कहा जाता है।

25. विदेशी व्यापार व घरेलू व्यापार में अन्तर लिखिए।

उत्तर- विदेशी व्यापार- एक राष्ट्र का अन्य राष्ट्रों के साथ वस्तुओं एवं सेवाओं का आदान-प्रदान विदेशी व्यापार कहलाता है। इससे राष्ट्र का आर्थिक विकास होता है।

घरेलू व्यापारः- एक राज्य का अन्य राज्यों के साथ वस्तुओं एवं सेवाओं का आदान-प्रदान घरेलू व्यापार कहलाता है। इससे राज्यों का आर्थिक विकास होता है।

26. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए।

पतन	पृष्ट प्रदेश
1. चेन्नई पतन	1. प. बंगाल, बिहार, सिक्किम व उ. पूर्वी राज्य
2. विशाखपट्टनम पतन	2. ओडिसा, झारखण्ड व छत्तीसगढ़
3. पाराद्वीप पतन	3. आंध्र प्रदेश व तेलंगाना
4. कोलकता पतन	4. मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र व उत्तर प्रदेश
5. मुम्बई पतन	5. तमिलनाडु व पुदुच्चेरी

उत्तर-

पतन	**पृष्ट प्रदेश**
1. चेन्नई पतन	1. तमिलनाडू व पुदुच्चेरी
2. विशाखपट्टनम पतन	2. आंध्र प्रदेश व तेलंगाना
3. पाराद्वीप पतन	3. ओडिसा, झारखण्ड व छतीसगढ़
4. कोलकता पतन	4. प. बंगाल, बिहार, सिक्किम व उतर पूर्वी राज्य
5. मुम्बई पतन	5. मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उतरप्रदेश

27. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में महासागरीय मार्गो की तुलना में वायु मार्गो की भूमिका कम होने के कारण लिखिए।

उत्तर- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में वायु परिवहन लंबी दूरी तक उच्च मूल्य और शीघ्र खराब होने वाले सामान को कम समय में लाने व ले जाने के लिए लाभदायक है। परन्तु परिवहन का महंगा साधन होने तथा भारी सामान को लाने व ले जाने में अनुपयुक्त होने के कारण अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में वायु परिवहन की भागीदारी कम है।

अध्याय-12 भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

1. निम्नलिखित में सर्वाधिक प्रदुषित नदी कौनसी है ?

(1) ब्रह्मपूत्र (2) यमुना
(3) सतलुज (4) गोदावरी (2)

2. निम्नलिखित में कौनसा रोग जल जन्य है ?

(1) नेत्रलेस्मा शोध (2) श्वसन संक्रमण
(3) अतिसार (4) श्वसनली शोध (3)

3. निम्नलिखित में कौनसा अम्ल वर्षा का एक कारण है ?

(1) जल प्रदुषण (2) शोर प्रदूषण
(3) भूमि प्रदूषण (4) वायु प्रदूषण (4)

शेखावाटी मिशन-100

4. कौनसी गैस ओजोन परत को नुकसान पहुँचाती है ?
(1) नाइट्रोजन (2) क्लोरो फ्लोरो कार्बन
(3) ऑक्सीजन (4) सल्फर (2)

5. हेपेटाइटिस बीमारी का मुख्य कारण है ?
(1) ध्वनि प्रदुषण (2) वायु प्रदुषण
(3) जल प्रदुषण (4) भू-प्रदुषण (3)

6. धारावी गंदी बस्ती किस राज्य में है ?
(1) गुजरात (2) दिल्ली
(3) महाराष्ट्र (4) राजस्थान (3)

7. निम्न में से भू-निम्नीकरण का कारक नहीं है ?
(1) मृदा- अपरदन (2) लवणता
(3) भू-क्षारता (4) उर्वरक (4)

8. ध्वनि के मापन की ईकाई है ?
(1) न्यूटन (2) रिएक्टर
(3) डेसीबल (4) मीटर (3)

9. धरातलीय जल में नाइट्रेट की मात्रा बढ़ने का कारण है ?
(1) कीटनाशक (2) उर्वरक
(3) घरेलू अपशिष्ट (4) जीवाश्म ईंधन दहन (2)

अति लघुतरात्मक प्रश्न

1. वायु प्रदूषण के कोई चार स्त्रोत लिखिए-
उत्तर- 1. धुआँ 2. जीवाश्म ईंधन का दहन
3. कहासा (कुहरा) 4. खनन

2. अम्लीय वर्षा का मुख्य कारण क्या है ?
उत्तर- उद्योगों से निकलने वाले गंधक व नाइट्रोजन के आक्साइड अम्लीय वर्षा का मुख्यकारण है।

3. धुम्र कोहरा किसे कहते है ?
उत्तर- औद्योगिक नगरों में जब प्रदूषित गैसे व प्रदूषक तत्व सामान्य रूप से पड़ने वाले कोहरे में मिल जाते है तो उसे धुम्र, कोहरा कहते है।

4. पर्यावरण प्रदुषण क्या है ?
उत्तर- पर्यावरण प्रदुषण मानवीय क्रिया कलापों के अवशिष्ट उत्पादों से मुक्त द्रव्य एवं ऊर्जा का परिणाम है।

5. जल प्रदुषण रोकने के कोई दो उपाय बताइये ।
उत्तर- 1. औद्योगिक अपशिष्ट को जल स्त्रोत में नहीं छोड़ा जाये
2. घरेलु अपशिष्ट को जल स्त्रोत में नहीं बहाया जाये।

6. वायु प्रदुषण से होने वाले दो बीमारियों के नाम बताइये ?
उत्तर- 1. श्वसन तंत्र रोग
2. रक्त संचरण संबंधी रोग

7. ध्वनि प्रदुषण के प्रमुख स्त्रोत क्या है ?
उत्तर- विविध उद्योग, मशीनीकृत निर्माण, तीव्रचालित मोटर वाहन, लाऊडस्पीकर, वायुयान आदि।

8. भू-निम्नीकरण क्या है ?
उत्तर- कृषि योग्य भूमि पर दबाव के कारण इसकी गुणवता में कमी या अस्थायी उत्पादकता में कमी भू-निम्नीकरण कहलाती है ।

9. नमामि गंगे कार्यक्रम क्या है ?
उत्तर- गंगा नदी का राष्ट्रीय महत्व है अतः इसकी सफाई के लिए चलाया गया कार्यक्रम है।

10. भू-प्रदुषण के प्रमुख स्त्रोत कौनसे है ?
उत्तर- अनुचित मानव क्रियाकलाप, औद्योगिक अपशिष्ट, कीटनाशक पीड़कनाशी व रासायनिक उर्वरक का उपयोग।

भारत के मानचित्र में निम्नलिखित केन्द्रों/ स्थानों को दर्शाइये।

1. प्रमुख सूती वस्त्र केन्द्र -
1. रैणुकूट 2. मदुरै
3. वर्धा 4. हुगली
5. अहमदाबाद 6. कानपुर
7.थंजावर 8. मुम्बई
9. दिल्ली 10. चेन्नई
11. कोलकता 12. मुर्शिदाबाद
13. शोलापुर 14. कोल्हापुर
15. नागपुर 16. सेलम

2. प्रमुख तेल शोधनशालाएँ तथा तेल उत्पादक क्षेत्र -
उत्तर- 1. मथुरा 2. बरौनी
3. हल्दिया 4. चेन्नई
5. नुमालीगढ़ 6. बीना
7. जामनगर 8. कोयली
9. डिग्बोई 10. कोचीन
11. मम्बई हाई 12. अंकलेश्वर

3. प्रमुख रेलमण्डलों के मुख्यालयः-
उत्तर- 1. हाजीपुर 2. भुवनेश्वर
3. गोरखपुर 4. बिलासपुर
5. जबलपुर 6. मालीगाँव (गुवाहाटी)
7. सिकन्दराबाद

4. प्रमुख लौह इस्पात उद्योग केन्द्रः-
उत्तर- 1. भद्रावती 2. भिलाई
3. राउरकेला 4. बोकारो
5. जमशेदपुर 6. दुर्गापुर
7. आसनसोल

5. प्रमुख पतनः-
उत्तर- 1. कांडला 2. कोच्चि
3. चेन्नई 4. पाराद्वीप
5. मार्मागोआ 6. तूतीकोरन
7. विशाखापट्टनम 8. मुम्बई

6. प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रः-
उत्तर- 1. हुगली क्षेत्र 2. बंगलौर-तमिलनाडु क्षेत्र
3. गुड़गाव-दिल्ली-मेरठ क्षेत्र 4. मुम्बई-पुणे क्षेत्र
5. विशाखापट्टनम- गुंटुर क्षेत्र 6. छोटानागपुर क्षेत्र
7. गुजरात क्षेत्र

7. प्रमुख हवाई अड्डे-
उत्तर- 1. दिल्ली 2. उदयपुर
3. बेंगलूरू 4. पटना

शेखावाटी मिशन-100

5. जोधपुर 6. अमृतसर
7. हैदराबाद 8. श्रीनगर
9. नागपुर 10. जयपुर
11. गुवाहाटी 12. कोयम्बटूर
13. तिरुवन्तपुरम

8. प्रमुख सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्कः-

उत्तर- 1. दिल्ली 2. नोएडा
3. श्रीनगर 4. गांधीनगर
5. इंदौर 6. लखनऊ
7. बेंगलूरू 8. चेन्नई
9. पुणे 10. जयपुर

9. प्रमुख लौह धात्विक खनिज-

उत्तर- 1. क्रुदेमुख 2. तुमकुरू
3. बेल्लारी 4. मयूरभंज
5. सुंदरगढ़ 6. बालाघाट
7. बोमडिला 8. रत्नागिरी
9. मगलूरू 10. नागपुर
11. भंडारा 12. गुआ।

10. अलौह धात्विक खनिज (ताँबा व बॉक्साइट):-

उत्तर- 1. खेतड़ी 2. भीलवाड़ा
3. कटनी 4.अमरकंटक
5. हजारीबाग 6. सिंहभूम
7. बिलासपुर 8. कोरापुट
9. अलवर 10. उदयपुर

11. परम्परागत ऊर्जा स्त्रोत (कोयला, तेल एवं गैस क्षेत्र)-

उत्तर- 1. मुम्बई-हाई 2. नेवेली
3. सिंगरेनी 4. तलचर
5. सिंगरौली 5. मोरान
6. माकूम 7. जगदीशपुर
8. विजयपुर

शेखावाटी मिशन-100